THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 303 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.11, 2082 गुरुवार, 29 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकर की। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा-हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे। इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया।

प्लेन क्रैश में डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन

✻ विमान में सवार सभी 5 लोग मारे गए, आज अंतिम संस्कार ✻ बारामती में लैंडिंग की दूसरी कोशिश में फिसला-जलकर खाक

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। आज अंतिम होगा संस्कार।

पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करने बारामती जा रहे थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। और उसमें आग लग गई। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस बारामती पहुंच गए हैं। उन्होंने आज स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में गुरुवार सुबह 11 बजे किया जाएगा। अजित के चाचा शरद पवार, पत्नी सुनेत्रा, दोनों बेटे और बहन सुप्रिया बारामती पहुंच गए हैं। इधर, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, यानी एएआईबी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी वीएसआर वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच वीएसआर वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी। अजित पवार की पार्टी एनसीपी भाजपा-शिवसेना महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल है।

महिला कैप्टन के आखिरी शब्द थे-ओह शिट्

बारामती में हुए हादसे में उनके साथ मौजूद पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर एचसी विदिप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन सांभवी पाठक और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की भी जान चली गई। क्रैश से पहले प्लेन के मेन पायलट सुमित कपूर ने मेडे कॉल नहीं किया था, लेकिन उनके साथ मौजूद कैप्टन सांभवी पाठक के आखिरी शब्द थे- ओह शिट...ओह शिट्।

पीएम बोले-एनसीसी कैडेट्स 20 लाख पार-लड़कियों की संख्या भी बढ़ी, मोदी ने अजित पवार के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को दिल्ली कैंटोनमेंट के कैरियप्पा परेड ग्राउंड में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। रैली की थीम 'राष्ट्र प्रथमकर्तव्य निष्ठ युवा' रही। पीएम ने एनसीसी में लड़कियों की संख्या बढ़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा-इस बार भी बड़ी संख्या में लड़कियों ने शिविर में हिस्सा लिया। मैं खासतौर पर उन्हें बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि कुछ सालों में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई। खासकर बॉर्डर-तटीय इलाकों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पीएम ने कार्यक्रम में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दुख जताया। दरअसल, एनसीसी पीएम रैली महीने भर चले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के समापन का प्रतीक है, जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इनमें 898 बालिका कैडेट्स शामिल रहीं।

पायलट ने कहा था-'रनवे दिख गया'

> फिर कैसे क्रैश हुआ प्लेन? विमानन मंत्री

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन की घटना पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में उस चार्टर्ड विमान के क्रैश होने से पहले की घटनाओं का मिनट-दर-मिनट ब्योरा दिया गया है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह खराब मौसम और कम विजिबिलिटी को बताया जा रहा है।

केंद्रीय विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 8:48 बजे लैंडिंग के समय विजिबिलिटी कम थी। डीजीसीए और एएआईबी की टीम जांच कर रही है। लैंडिंग से पहले एटीसी बारामती से संपर्क होने पर पायलट ने बताया कि रनवे दिखाई नहीं दे रहा। रनवे साफ न दिखने पर विमान हवा में चक्कर लगाता रहा। दूसरी बार भी लैंडिंग की कोशिश की गई, लेकिन विजिबिलिटी नहीं थी। थोड़ी देर बाद पायलट ने दोबारा लैंडिंग की कोशिश की। पहले पायलट्स की तरफ से एटीसी के सवाल का जवाब नहीं आया, लेकिन कुछ समय बाद पायलटों ने रनवे साफ दिखने की बात कही, इसके बाद एटीसी ने लैंडिंग की क्लियरेंस दे दी। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद विमान क्रैश की खबर आ गई। पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जांच हो रही है।

12 जून की एयर इंडिया विमान दुर्घटना मामला

याचिकाओं पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 12 जून को हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना की आधिकारिक जांच ने नागरिकों के जीवन के अधिकार, समानता के अधिकार और सत्य सूचना तक पहुंच के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है।

अहमदाबाद में हुआ था हादसा

एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान संख्या एआई171, जो लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई थी, का संचालन पायलट-इन-कमांड कैप्टन सुमीत सभरवाल और सह-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर कर रहे थे। अहमदाबाद से उड़ान भरने के बाद यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कुल 260 लोगों की मौत हो गई, जिनमें विमान में सवार 241 यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे। बुधवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच को, याचिकाकर्ता एनजीओ 'सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन' की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि अब तक केंद्र सरकार और विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) में से किसी ने भी याचिका पर अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। भूषण ने कहा कि पूरे पायलट संघ का कहना है कि बोइंग 787 विमान में कोई समस्या है और इसे ग्राउंड किया जाना चाहिए।

120 साल पुराने मंदिर विवाद में सुलह की पहल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित ऐतिहासिक श्री देवराजस्वामी मंदिर में पूजा-पद्धति को लेकर चल रहे 120 साल पुराने विवाद में अब सुलह की उम्मीद जगी है। सर्वोच्च अदालत ने दोनों पक्षों की सहमति से पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल को मुख्य मध्यस्थ नियुक्त किया है। अदालत का उद्देश्य है कि लंबे समय से चल रहे इस धार्मिक विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान निकले और मंदिर में रोजमर्रा की पूजा शांति से हो सके।

यह विवाद श्रीवैष्णव समुदाय के दो संप्रदायों थेंगलाई और वडकलई के बीच मंदिर के गर्भगृह में मंत्रोच्चार और पूजा-अनुष्ठान को लेकर है। परंपरागत रूप से थेंगलाई संप्रदाय यहां अनुष्ठान करता रहा है। वडकलई पक्ष का कहना है कि उन्हें भी संप्रदाय के रूप में मान्यता होने के बावजूद पूजा में भाग लेने से रोका जा रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ अपील पर शीर्ष अदालत सुनवाई कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की पीठ ने दोनों पक्षों की सहमति दर्ज करते हुए मध्यस्थता का रास्ता चुना।

संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू ने गिनाईं देश की उपलब्धियां

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने देश की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा, संसद के इस सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और विरासत के उत्सव के रूप में यादगार रहा। पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। नागरिक बंकिम चंद्र चटर्जी को उनकी इस महान प्रेरणा के लिए नमन कर रहे हैं। मैं सभी सांसदों को बधाई देती हूं कि संसद में इस विषय पर विशेष चर्चा हुई।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। वहीं, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं

जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे 'विकसित भारत' की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया है 'भय कहूं को देत नेहन नेहन भय मानत आन'। इसका अर्थ है कि हमें न तो किसी को डराना चाहिए और न ही किसी से डरना चाहिए। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग जिम्मेदारी और बुद्धिमत्ता के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता देखी। अपने संसाधनों से हमारे देश ने आतंकवाद के गढ़ों को नष्ट किया। मेरी सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर होने वाले सभी हमलों का जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखा गया है। यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई का एक हिस्सा है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम चल रहा है।

देश शताब्दी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, वर्ष 2026 के साथ हमारा देश इस शताब्दी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। भारत के लिए, इस शताब्दी के पहले 25 वर्षों का अंत कई सफलताओं, गौरवपूर्ण उपलब्धियों और असाधारण अनुभवों से भरा रहा है। पिछले 10-11 वर्षों में, भारत ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है। यह वर्ष विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत-ग्राम विकास कानून बनाया गया है।

'देश माफ नहीं करेगा'

कांग्रेस के हंगामे पर भड़के किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान विपक्ष के सांसदों ने कुछ मुद्दों के विरोध में संसद में हंगामा किया। जिसपर बीजेपी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के वक्त जिस तरह विपक्ष और कांग्रेस के लोगों ने हंगामा किया, देश उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'बंकिम चंद्र चटर्जी को जब श्रद्धांजलि दी जा रही थी, जब गुरू तेग बहादुर के बलिदान का जिक्र हो रहा था तब विपक्ष के लोग हंगामा कर रहे थे।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए सांसदों से सदन चलाने में सहयोग की अपील की।

बजट सत्र के दौरान भी उठेगा मनरेगा और एसआईआर का मुद्दा

> विपक्ष ने तय की विरोध की रणनीति

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। संसद में बजट सत्र आज से शुरू है। इस दौरान विपक्षी दलों ने सत्र में नए मनरेगा कानून और एसआईआर के मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने बताया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने यहां राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में मुलाकात की। इसके साथ ही बजट सत्र के लिए विपक्ष की रणनीति पर चर्चा की।

नेताओं ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान और साथ ही केंद्रीय बजट की प्रस्तुति और उस पर बहस के दौरान भी विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विपक्ष मनरेगा की बहाली की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक साधनों का इस्तेमाल करेगा।

लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान नेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन करने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि यह शर्म की बात है।

उन्होंने कहा, आज विपक्ष का जो रवैया रहा, वह देश के लिए शर्म की बात है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। जब वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि दी जा रही थी, तब विपक्ष ने सदन में हंगामा किया और कार्यवाही बाधित की, जबकि देश को उनके बलिदानों को याद करना चाहिए था। बैठक के दौरान टीएमसी और आप के नेता उपस्थित नहीं थे।

आईएसआई का साइबर जासूसी नेटवर्क

पाक नौसेना ने छीने थे मछुआरों के फोन, रक्षा प्रतिष्ठानों में लगाई सेंध

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी 'एनआईए' ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' के नेतृत्व में मोबाइल और साइबर जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। पाकिस्तानी नौसेना ने मछुआरों के मोबाइल फोन छीने थे।

उसके बाद मोबाइल फोन में दूसरे सिमकार्ड डाले गए। इसके बाद भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों में सेंध लगाने का प्रयास किया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने मंगलवार को पाकिस्तान के भानेतृत्व में मोबाइल सिम कार्ड के धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से जुड़े जासूसी षड्यंत्र के एक प्रमुख आरोपी को साधारण कारावास (एसआई) की सजा सुनाई है।

बता दें कि अभियुक्त अल्ताफहुसेन घनचीभाई उर्फ शकील ने चल रहे मुकदमे के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया था। इसके तहत अभियोजन पक्ष द्वारा 37 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है। विशेष न्यायालय ने अभियुक्त को विशिष्ट पहचान सुविधाओं, जिनमें सिम कार्ड और ओटीपी के साथ-साथ सोशल मीडिया का दुरुपयोग शामिल है, के लिए दोषी ठहराते हुए उसके खिलाफ अपना फैसला सुनाया है। अभियुक्त को यूए (पी) अधिनियम की धारा 18 के तहत पांच साल छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। आयकर अधिनियम, 2000 की धारा 66सी के तहत ढाई साल के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी और इसकी अधिकतम अवधि साढ़े पांच साल होगी। एनआईए के मुताबिक, सीमा पार साजिश का मामला संख्या आरसी-03/2021/एनआईए/एचवाईडी में उन मछुआरों के भारतीय सिम कार्डों के इस्तेमाल का जिक्र है।

'धारा 498ए का दुरुपयोग खत्म करने का आधार नहीं'

घरेलू हिंसा-दहेज उत्पीड़न के कानून पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल 2025 को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498A (जो अब भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 84 बन गई है) की संवैधानिकता को बरकरार रखा है। कोर्ट ने माना कि भले ही इस कानून के दुरुपयोग के कुछ मामले सामने आए हैं, लेकिन घरेलू क्रूरता और दहेज उत्पीड़न के लाखों असली मामले आज भी मौजूद हैं।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी कानून के दुरुपयोग की आशंका मात्र से उसे कमजोर या रद्द नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब वह महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाया गया हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दायर एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस धारा को लिंग-तटस्थ बनाने और इसकी संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह शामिल थे, ने जनश्रुति (पीपुल्स वॉयस) नामक संस्था द्वारा संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई एक याचिका को खारिज कर दिया। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के हनन पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार देता है। याचिका में घरेलू हिंसा की शिकायतों के लिए लिंग-तटस्थ दिशानिर्देश बनाने और धारा 498A की संवैधानिकता को चुनौती देने की मांग की गई थी।

'पतियों को झूठे मामलों में फंसाया जाता है'

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि धारा 498A का अक्सर दुरुपयोग होता है, जिससे पतियों और उनके परिवारों को झूठे मामलों में फंसाया जाता है। उनका कहना था कि यह कानून समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस कानून में किसी भी न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ बयान मामला

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। धार्मिक परंपरा, कानून और न्यायपालिका की मर्यादा से जुड़ा एक संवेदनशील मामला अब सुप्रीम कोर्ट के सामने है। मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ कथित अपमानजनक बयानों और प्रदर्शनों को लेकर अदालत ने तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा है। यह मामला कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति से जुड़ा हुआ है।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की बेंच ने तमिलनाडु सरकार, राज्य के डीजीपी, चेन्नई पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी।

कांग्रेस के अंदर चल रही गहरी बहस

क्या बंगाल में पार्टी को अकेले लड़ना चाहिए चुनाव

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में कांग्रेस एक बार फिर कठिन लेकिन निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। वर्षों तक लेफ्ट के साथ चुनावी गठबंधन का हिस्सा रही कांग्रेस अब उससे दूरी बनाने के संकेत दे रही है। यह केवल सीटों के बंटवारे या तात्कालिक चुनावी गणित का सवाल नहीं है, बल्कि कांग्रेस के भीतर चल रही उस गहरी बहस का नतीजा है, जिसमें पार्टी के पुनरुत्थान और संगठनात्मक अस्तित्व को लेकर चिंता साफ झलकती है।

कांग्रेस और वाम दलों का गठबंधन 2016 से बंगाल की राजनीति में सक्रिय रहा। 2019 लोकसभा चुनाव में दोनों अलग हुए, लेकिन 2021 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनाव में फिर साथ आए। हालांकि यह प्रयोग कांग्रेस के लिए लगभग हर बार नुकसानदेह ही साबित हुआ। 2021 विधानसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब कांग्रेस ने लेफ्ट के साथ मिलकर 92 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन पार्टी का खाता तक नहीं खुल सका। उसका वोट शेयर घटकर महज 3 प्रतिशत रह गया। इसके उलट, इतिहास पर नजर डालें तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखती है। 1996 में कांग्रेस बंगाल में मुख्य विपक्ष थी। उसने 294 में से 288 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 82 सीटें जीतकर 39.48 प्रतिशत वोट हासिल किया। 2001 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ गठबंधन कर उसने केवल 60 सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन 26 सीटें जीतने में सफल रही। 2011 में टीएमसी के साथ गठबंधन में कांग्रेस ने 42 सीटें जीतीं।

2016 में लेफ्ट के साथ मिलकर 44 सीटों पर जीत दर्ज की गई। लेकिन इसके बाद पार्टी का ग्राफ तेजी से गिरा। 2021 में 92 सीटों पर लड़कर शून्य पर सिमटना इस गिरावट की पराकाष्ठा थी। कांग्रेस के भीतर अब एक बड़ा वर्ग मानता है कि दो दशकों से गठबंधनों पर निर्भरता ने पार्टी को खोखला कर दिया है। राज्य के दो-तिहाई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का झंडा और चुनाव चिह्न वर्षों तक दिखाई ही नहीं दिया।

श्रीनगर में दो पर्यटकों की मौत, होटलों से अस्पताल तक मचा हड़कंप

श्रीनगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर में दो अलग-अलग घटनाओं में दो पर्यटकों की मौत हो गई। दोनों को बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार पहली घटना में एक पर्यटक को डल झील के पास स्थित एक होटल से बेहोशी की हालत में श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल श्रीनगर लाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 41 वर्षीय तरनजीत सिंह के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश का निवासी था।

दूसरी घटना में एक अन्य पर्यटक को बेहोशी की हालत में जेवीसी बेमिना से एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि वह पर्यटक श्रीनगर के हैदरपोरा इलाके में एक होटल में ठहरा हुआ था। एसकेआईएमएस सौरा पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।

'बारामती प्लेन हादसे की जांच हो'

अजित पवार के निधन पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार सुबह विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अजीत पवार के अचानक निधन से बहुत सदमे में हूं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और उनके साथ यात्रा कर रहे लोग आज सुबह बारामती में एक भयानक विमान दुर्घटना में मारे गए और मुझे बहुत दुख हो रहा है। दिवंगत अजित पवार के परिवार, उनके चाचा शरद पवार और उनके सभी दोस्तों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

हादसे की जांच की मांग

सीएम ममता ने इसके साथ ही इस विमान हादसे की ठीक से जांच की मांग की। मालूम हो कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का चार्टर विमान सुबह महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में अजीत पवार व दो पायलटों समेत उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गईं।

डीजीसीए ने क्या कहा?

डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) अधिकारियों की एक टीम दुर्घटनास्थल की ओर जा रही है। डीजीसीए ने बताया कि दुर्घटना के समय लियरजेट 45 विमान में पांच यात्री, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ दो और कर्मी (एक पीएसओ और एक अटेंडेंट) और दो क्रू सदस्य (पायलट-इन-कमांड और फर्स्ट ऑफिसर) सवार थे। डीजीसीए अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान दुर्घटना में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा।

अजित पवार के निधन पर लालू यादव ने कर दी बड़ी मांग

'हादसे की जांच होनी चाहिए

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बारामती प्लेन हादसे पर सियासी गलियारे से नेताओं की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी इस घटना पर दुख जताया है। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी मांग कर दी है। लालू यादव ने बुधवार (28 जनवरी, 2026) को हुई इस घटना के बाद एक्स पर पोस्ट किया है।

लालू यादव ने लिखा, बारामती प्लेन हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम श्री अजीत पवार जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे तथा परिजनों और समर्थकों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे। हादसे की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। विनम्र श्रद्धांजलि।

किश्तवाड़ में भूस्खलन का कहर, ढोक दबने से 60 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत

जम्मू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। किश्तवाड़ जिले के कुंतवाड़ा क्षेत्र में हस्ती के नजदीक हुए भूस्खलन की चपेट में आने से एक ढोक (अस्थायी पशु आश्रय) पूरी तरह दब गया। इस हादसे में 60 से अधिक भेड़-बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लगातार बारिश के चलते पहाड़ी से अचानक मलबा और पत्थर गिरने लगे जिससे ढोक को संभलने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बड़े भाई अजित पवार के निधन के बाद सुप्रिया सुले पर टूटा दुखों का पहाड़, एक शब्द ने सब कुछ कह दिया

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार, 28 जनवरी 2026 को एक भीषण विमान हादसा हुआ, जिसमें एनसीपी नेता और राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार को लेकर आ रहा विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। डीजीसीए के मुताबिक, विमान में सवार किसी भी व्यक्ति के जीवित बचने की पुष्टि नहीं हुई है। हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार भी नहीं रहे। हादसा सुबह के समय रनवे के नजदीक हुआ।

सुप्रिया सुले की पहली प्रतिक्रिया

इस हादसे की खबर सुनते ही अजित पवार की बहन और एनसीपी से राज्यसभा सांसद सुप्रिया सुले तुरंत दिल्ली से ही बारामती के लिए रवावा हो गई। उन्होंने मीडिया से तो अब तक कुछ भी नहीं कहा लेकिन एक प्रतिक्रिया सामने आई है। सुत्रों के अनुसार, उन्होंने अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर अंग्रेजी शब्द डिवास्टेटेड लिखकर अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया जाहिर की।

नेताओं की बारामती रवानागी

सुप्रिया सुले शरद पवार की बेटी हैं और रिश्ते में अजित पवार की बहन लगती हैं। एनसीपी विभाजन के बाद रिश्तों में दूरी आई थी, लेकिन हाल के महीनों में पारिवारिक संबंध फिर से सामान्य होते दिख रहे थे। इस हादसे की जानकारी मिलते ही अजित पवार के चाचा और एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार और डिप्टी सीएम व शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे भी बारामती के लिए निकल चुके हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां इलाके को सील कर जांच की तैयारी में जुट गई हैं। पायलटों की आखिरी बातचीत और फैसलों को समझने के लिए कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की समीक्षा की जाएगी, जबकि पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच आधिकारिक बातचीत की भी जांच की जाएगी।

बटाला में हत्या: मेडिकल स्टोर के मालिक को गोलियों से किया छलनी, डेरा बाबा नानक में सुबह हुई वारदात

बटाला (पंजाब), 28 जनवरी (एजेंसियां)। बटाला के कस्बा डेरा बाबा नानक में बुधवार सुबह करीब 9 बजे नकाबपोश हमलावरों ने एक मेडिकल स्टोर के मालिक को गोलियां मार दी। घायल मेडिकल स्टोर के मालिक को अमृतसर रेफर कर दिया गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान रणदीप सिंह बेदी निवासी डेरा बाबा नानक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह रणदीप सिंह बेदी अपना मेडिकल स्टोर खोलकर सफाई कर रहे थे। तभी दो अज्ञात हमलावर युवकों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सूचना मिलते ही बटाला के एसएसपी डॉक्टर मेहताब सिंह डेरा बाबा नानक पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया। एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'मतभेद थे मगर सम्मान था', अजित पवार के निधन पर भावुक हुईं प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में आज (28 जनवरी) गहरा शोक छा गया है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वरिष्ठ नेता अजित पवार के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद चौंकाने वाली, दर्दनाक और दिल तोड़ने वाली है। उन्होंने बताया कि भले ही राजनीतिक स्तर पर उनके बीच मतभेद रहे हों। लेकिन उन्होंने साथ काम किया है और अजित पवार को एक काम के प्रति समर्पित नेता के रूप में जाना।

प्रियंका चतुर्वेदी ने भावुक स्वर में कहा कि अजित पवार ऐसे व्यक्ति थे जो अपने काम से कभी समझौता नहीं करते थे। वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाते थे। उनका इस तरह अचानक चले जाना सभी के लिए बहुत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर आज एक इंसान, एक सहयोगी और एक जननेता के जाने का दुख है। सांसद प्रियंका ने इस दुखद घड़ी में पवार परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि वह पवार साहब, सुप्रिया, सुनेत्रा, पार्थ और जय के साथ इस दुख में खड़ी हैं। इसके साथ ही उन्होंने बारामती के लाखों-करोड़ों लोगों के प्रति भी अपनी संवेदना जताई।

जिनके लिए अजित पवार केवल एक नेता नहीं बल्कि अपने परिवार के सदस्य जैसे थे। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बारामती और महाराष्ट्र की जनता के दिलों में अजित पवार की गहरी जगह थी। उन्होंने लंबे समय तक जनता की सेवा की और उनके जीवन का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक जीवन को समर्पित रहा। ऐसे में उनका यूं अचानक चले जाना एक ऐसा खालीपन छोड़ गया है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा।

अजित पवार की मौत पर सीएम यादव समेत कमलनाथ-दिग्विजय सिंह ने जताया दुख

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में आज सवेरे पौने नौ बजे हुए प्लेन क्रेश में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का निधन हो गया। विमान में सवार अन्य चार लोग भी इस हादसे में नहीं बचे पाए। यह दुर्घटना तब हुई जब एनसीपी नेता अजित पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती में रनवे के पास क्रैश लैंड हो गया। उपमुख्यमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर दिए अपने संदेश में कहा- महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी गरीबों, वंचितों और पिछड़ों की सेवा में सदैव समर्पित रहे।

महाराष्ट्र के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा। वे जमीन से जुड़े नेता थे। उनके असामयिक निधन पर मैं श्रद्धांजलि व्यक्त करता हूं। बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह कष्ट सहने की शक्ति दें। इधर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने अपने संदेश में अजीत पवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के दुखद निधन का समाचार प्राप्त हुआ। अजीत पवार के निधन से भारत की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है।

उन्होंने अपना पूरा जीवन महाराष्ट्र के लोगों की सेवा के लिए समर्पित किया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवारजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति दें। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी अजीत पवार के निधन पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि अजित दादा के विमान हादसे में दुखद निधन की खबर सुनकर अत्यंत व्यथित हूं। सुनेत्रा जी और पूरे परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आप विधायक हरमीत पठान माजरा को हाईकोर्ट से झटका

भगोड़ा करार देने के आदेश को रद्द करने की याचिका खारिज

पटियाला, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। विधायक की याचिका खारिज कर दी गई है। पठानमाजरा ने भगोड़ा करार दिए जाने के आदेशों को रद्द करने और उन पर किसी भी किस्म की कार्रवाई न किए जाने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। दुष्कर्म और धोखाधड़ी के मामले में पठानमाजरा के खिलाफ एक सितंबर को एफआईआर दर्ज की गई थी। जमानत याचिका ट्रायल कोर्ट से खारिज हो चुकी थी, बावजूद इसके वो अदालत में पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ भगोड़ा करार दिए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई और 20 दिसंबर को उन्हें मामले में भगोड़ा करार दे दिया गया।

भगोड़ा करार दिए जाने के आदेश को पठानमाजरा ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी और कहा था कि तय कानून के तहत एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद पुलिस को गिरफ्तारी वारंट लेने की जरूरत नहीं होती और कानून के तहत जब तक जांच पूरी कर चालान नहीं पेश किया जाता तब तक किसी आरोपी को भगोड़ा करार दिए जाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती है। लेकिन उनके मामले में न तो अभी तक जांच ही पूरी की गई और न ही चालान पेश किया गया, ऐसे में उन्हें भगोड़ा करार भी दे दिया गया जोकि पूरी तरह से गलत है, लिहाजा इसे रद्द किए जाने की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट ने आज इस याचिका को खारिज कर दिया है। पटियाला प्रशासन ने बुधवार को दुष्कर्म के केस में फरार आप विधायक हरमीत सिंह पठान माजरा की सरकारी कोठी खाली करवाने की कवायद शुरू की। प्रशासन के अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि कोठी में इस समय पठानमाजरा की पत्नी हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया भाग चुके पठानमाजरा को जैसे ही प्रशासन की इस कार्रवाई का पता चला तो उन्होंने वीडियो जारी करके मान सरकार की निंदा की है।

शराब की बोतलें फेंकी, बीच सड़क युवक को थप्पड़ मारा... बॉक्सर स्वीटी बूरा की दबंगई

अल्मोड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में नैनीताल के कैंची धाम घूमने आईं हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर स्वीटी बूरा एक विवाद में घिर गई हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने बीच सड़क एक स्थानीय युवक को थप्पड़ मार दिया। घटना से जुड़े वीडियो भी सामने आए हैं। यह घटना 26 जनवरी की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों और टैक्सी यूनियन कर्मचारियों का आरोप है कि हरियाणा नंबर की फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार युवतियों ने शहर की मुख्य सड़क पर गाड़ी का शीशा खोलकर कूड़ा बाहर फेंका। कूड़े में कथित रूप से शराब की बोतलें और नमकीन के पैकेट होने की बात कही जा रही है। टैक्सी यूनियन कार्यालय के अध्यक्ष ने कहा कि 26 जनवरी ड्राई डे था, ऐसे में शराब की बोतलों का मिलना सवाल खड़ा करता है। टैक्सी यूनियन के एक कर्मचारी ने बताया कि युवतियों से कूड़ा डस्टबिन में डालने को कहा तो वे भड़क गईं। उनका आरोप है कि इसी दौरान हाथापाई हुई और उनका मोबाइल भी छीन लिया गया। मौके पर अन्य स्थानीय लोग भी इकट्ठा हो गए और समझाने की कोशिश की, लेकिन विवाद बढ़ता गया। आरोप है कि युवतियों ने खुद को पुलिस से जुड़ा बताकर धमकी भी दी।

दूसरी ओर, उनका कहना है कि वे नीम करोली बाबा के दर्शन करने गई थीं। उनके पास शराब नहीं थी और उन्होंने सिर्फ संतरे के छिलके फेंके थे। उन्होंने खुद को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वे लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करती हैं। स्वीटी ने यह भी आरोप लगाया कि टैक्सी यूनियन कर्मचारियों ने उनके साथ छेड़छाड़ की और जब उन्होंने पुलिस में शिकायत की बात कही तो उन पर झूठे आरोप लगाए गए।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव की प्रक्रिया में धांधली की आशंका

याचिका को हाईकोर्ट ने बताया 'पब्लिसिटी स्टंट'

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 29 जनवरी को होने वाले चंडीगढ़ मेयर चुनाव में को लेकर दायर याचिका पर तीखी टिप्पणियां करते हुए साफ कर दिया कि अदालत केवल आशंकाओं के आधार पर कोई आदेश पारित नहीं करेगी। याचिकाकर्ता योगेश ढींगरा द्वारा चुनाव प्रक्रिया में संभावित धांधली की आशंका जताते हुए ऑब्जर्वर नियुक्त करने और अतिरिक्त निगरानी की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सबसे पहले याचिका की मंशा पर ही सवाल उठा दिए। कोर्ट ने कहा कि जिस कक्ष में चुनाव होना है, वहां पहले से ही सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। ऐसे में अतिरिक्त निगरानी या ऑब्जर्वर की मांग का औचित्य क्या है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में टिप्पणी की कि यह याचिका किसी ठोस तथ्य या प्रमाण पर आधारित नहीं है, बल्कि केवल राजनीतिक मंशा और प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर की गई प्रतीत होती है।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि चुनाव में धांधली हो सकती है। अदालत ने कहा कि इस बार चुनाव हाथ उठाकर होने हैं, ऐसे में धांधली की संभावना कैसे बनती है, यह याचिकाकर्ता स्पष्ट नहीं कर सका। कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि आपके आदेशों पर हम आदेश जारी नहीं करेंगे, जिससे अदालत का रुख पूरी तरह स्पष्ट हो गया। मामले की गंभीरता को परखते हुए हाईकोर्ट ने एक असाधारण सुझाव भी दिया। अदालत ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता अब भी ऑब्जर्वर नियुक्त करने पर अड़ा है, तो वह अपनी जेब से पांच लाख रुपये जमा करे। इसके बाद अदालत ने कहा कि वह अदालत में मौजूद किसी भी वकील को चुनाव के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त कर देगी।

इस प्रस्ताव पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को पांच मिनट का समय दिया और निर्देश दिया कि वह अपने मुवक्किल से पूछकर बताए कि क्या वह पांच लाख रुपये जमा करने को तैयार है। इसके बाद सुनवाई को पांच मिनट के लिए स्थगित किया गया। तय समय के बाद जब सुनवाई फिर शुरू हुई, तो याचिकाकर्ता की ओर से एक बार फिर केवल आशंका जताई गई कि चुनाव में गड़बड़ी हो सकती है। इस पर चंडीगढ़ नगर निगम की ओर से अदालत को आश्वस्त किया गया कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों के अनुसार कराए जाएंगे।

ड्रग्स सप्लाई करता था पुलिस अधिकारी का बेटा, एएनटीएफ टीम को देखकर भागा, हुआ अरेस्ट

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे की सप्लाई करने आए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 10.1 ग्राम आइस बरामद हुई है। पुलिस जांच के दौरान सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक पुलिस अधिकारी का बेटा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक चंदेल निवासी बटलान, जीरकपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी चंडीगढ़ में नशे की सप्लाई देने आया था। एएनटीएफ अब आरोपी के नशा नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी नशा कहां से लाता था और चंडीगढ़ में किन-किन लोगों को सप्लाई करता था। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक चंडीगढ़ में आई20 कार के जरिए नशे की सप्लाई करने पहुंचा था। इस संबंध में जानकारी एएनटीएफ को पहले ही मिल गई थी। इसके बाद टीम को सेक्टर-28 और आसपास के इलाकों में तैनात किया गया।

यूजीसी : सवर्णों के पक्ष में खुलकर बोल रही ये प्रियंका चतुर्वेदी, यूजीसी नियमों की वापसी की मांग

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन-2026 पर घमासान मचा हुआ है। पूरे देश में इन नए नियमों का स्वर्ण समुदाय विरोध कर रहा है। कई जगह प्रदर्शन किए जा रहे हैं और सरकार विरोधी नारेबाजी भी हुई है, वहीं सोशल मीडिया पर भी इसपर बहस तेज है और 'बॉयकॉट बीजेपी' जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। इन सब के बावजूद विपक्षी पार्टियां इस बिल का विरोध या समर्थन खुलकर करने से बच रही हैं और ना ही देश का कोई सांसद इस मुद्दे पर खुलकर बोलने को तैयार है। सवर्णों ने डर जताया है कि इस नए नियम से उनके खिलाफ झूठी शिकायतों और भेदभाव के मामले बढ़ सकते हैं। सवर्णों के इस डर पर महाराष्ट्र की एक महिला सांसद खुलकर बोल रही हैं और सरकार को कटघरे में खड़ा कर रही हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मुद्दे पर खुलकर विरोध कर रही हैं। उन्होंने 27 फरवरी को कहा, मैं यूजीसी की नई गाइडलाइन का विरोध करती हूं। असमानता दूर करने के लिए आप और असमानता कर रहे हैं। गाइडलाइन को देखकर लगता है कि आपने मान लिया है कि एक ही वर्ग पीड़ित है और एक ही वर्ग है जो उत्पीड़क है। उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा, "आप और ज़्यादा भेदभाव लाकर भेदभाव को खत्म नहीं कर सकते। यूजीसी की गाइडलाइंस पर मेरा यही मानना है, जिसने इसे खत्म करने के बजाय स्टूडेंट कैंपस में और ज़्यादा नफरत पैदा कर दी है। शिक्षा मंत्री को इसमें दखल देना चाहिए।"

यूजीसी के नए नियमों के बाद से ही सवर्णों को अपने साथ भेदभाव का डर है। जिसपर सरकार ने उन्हें आश्वासन भी दिया है। प्रियंका ने कहा कि शिक्षा मंत्री के मौखिक आश्वासन लिखित गाइडलाइंस के मुकाबले कानून की जांच में टिक नहीं पाएंगे, तो उनके स्पष्टीकरण का क्या फायदा? उन्होंने आगे कहा कि यूजीसी गाइडलाइन का गलत इस्तेमाल नहीं होगा, इस बारे में इन मौखिक आश्वासनों के बजाय, एक मंत्री के तौर पर उन्हें इसे वापस ले लेना चाहिए।

प्रियंका ने पहले (25-जन-2025) एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा था कि कैंपस में किसी भी प्रकार का जातिगत भेदभाव गलत है और भारत में पहले ही कई छात्र इसके दुष्परिणाम झेल चुके हैं। लेकिन क्या कानून को समावेशी नहीं होना चाहिए और यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि सभी को समान रूप से संरक्षण मिले?। उन्होंने पूछा कि फिर कानून के लागू होने में यह भेदभाव क्यों? झूठे मामलों की स्थिति में क्या होगा? दोष का निर्धारण कैसे किया जाएगा? भेदभाव को कैसे परिभाषित किया जाए, शब्दों से, कार्यों से या धारणाओं से? उन्होंने कहा कि कानून की लागू होने की प्रक्रिया साफ, सटीक और सभी के लिए समान होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की कि कैंपस में नकारात्मक माहौल बनाने के बजाय। यूजीसी की यह अधिसूचना या तो वापस ली जाए या उसमें आवश्यक संशोधन किया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 29 जनवरी, 2026 3

सुविचार: अकेले लड़ी जाती है जिंदगी की लड़ाई, लोग यहाँ तसल्ली देते है सहारा नहीं!

असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना पड़ेगा महंगा : सज्जनार

विभिन्न सेवा प्रदाताओं के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को अपराध-मुक्त शहर में बदलने के उद्देश्य से, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने बुधवार को बशीरबाग स्थित पुराने आयुक्त कार्यालय में विभिन्न सेवा प्रदाताओं के नोडल अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की। इस बैठक में टेलीकॉम कंपनियों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, फूड डिलीवरी ऐप्स, कूरियर कंपनियों और परिवहन एग्रीगेटर्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जांच के दौरान त्वरित सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने सभी सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया कि वे अपने संगठनों में पुलिस की सूचना संबंधी मांगों पर शीघ्र प्रतिक्रिया देने के लिए एक समर्पित विंग स्थापित करें।

जन सुरक्षा की तुलना में मुनाफे को प्राथमिकता न देने की चेतावनी देते हुए, आयुक्त ने ई-कॉमर्स और कूरियर सेवाओं के माध्यम से गांजा, मादक पदार्थों और प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इन कंपनियों को ऐसी गतिविधियों की पहचान के लिए सख्त निगरानी तंत्र लागू करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई संदिग्ध पार्सल दिखाई दे, सेवा प्रदाताओं को तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए। यदि किसी संस्था की लापरवाही के कारण भी असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने कैब और बाइक टैक्सी चालकों द्वारा महिला यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित शिकायतों को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने परिवहन एग्रीगेटर्स को अपने चालकों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। यात्रियों की एक आम समस्या का उल्लेख करते हुए सज्जनार ने कहा कि कई चालक गंतव्य स्थान जानने के बाद या भुगतान प्राप्त होने के बाद सवारी रद्द कर देते हैं, जिससे आम जनता को भारी असुविधा होती है। उन्होंने कंपनियों को ऐसे चालकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास, तफसीर इकबाल और श्वेता, डीसीपी (साइबर अपराध) अरविंद बाबू तथा अन्य जोनल अधिकारी उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, J MANI PURNIMA RAO , Legally Wedded Spouse of EX JWO JAKA JOGA RAO, Resident of House No.1-4-172/6A, PLOT NO.6A, LAKE VIEW RESIDENCY COLONY, BESIDE BHASKAR RAO NAGAR - PHASE 3, SAINIKPURI, SECUNDERABAD, TELANGANA - 500094 have changed my name from J MANI PURNIMA RAO to JAKA MANI PURNIMA and my DOB : 30/06/1961 vide Affidavit dt.28-01-2026 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, M RAMAMANI, Legally Wedded Spouse of EX JWO MACHIRAJU SATYA SESHA SRINIVASULU, R/O: H.NO.12-13-340, STREET NO.12, TARNAKA, SECUNDERABAD - HYDERABAD, TELANGANA - 500017 - have changed my name from M RAMAMANI to MACHIRAJU RAMAMANI and my DOB : 20/07/1971 vide Affidavit dt.28-01-2026 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अजीत पवार के निधन पर केसीआर ने जताया शोक

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे महाराष्ट्र की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

एक बयान में केसीआर ने कहा कि अजीत पवार ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत एक किसान नेता के रूप में की थी और बाद में वे महाराष्ट्र की राजनीति में एक वरिष्ठ नेता के रूप में उभरे। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहकर राज्य की सेवा की। केसीआर ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने भी अजीत पवार के असामयिक निधन पर शोक जताया।

उन्होंने इसे अत्यंत दुखद घटना बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिवार व समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

डीजीपी ने पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप की तैयारियों की समीक्षा की

74 वां बी.एन. मुल्लिक मेमोरियल ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने घोषणा की है कि 74वां विश्वनाथ नारायण (बी.एन.) मुल्लिक मेमोरियल ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप हैदराबाद में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। डीजीपी ने बुधवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, डीजीपी ने याद दिलाया कि तेलंगाना ने कभी कई उत्कृष्ट फुटबॉल खिलाड़ी पैदा किए थे और गर्व के साथ यह उल्लेख किया कि 1956 मेलबोर्न ओलंपिक्स में भारतीय फुटबॉल टीम में तेलंगाना क्षेत्र के कई पुलिसकर्मी शामिल थे। डीजीपी ने याद दिलाया कि नूर मोहम्मद, जुल्फिकारुद्दीन, अहमद हुसैन, अजीजुद्दीन, बालराम, तंगराज ये तेलंगाना क्षेत्र के फुटबॉल खिलाड़ी थे जिन्होंने 1956 मेलबोर्न ओलंपिक्स में भारतीय फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जो सेमीफाइनल तक पहुँची थी। डीजीपी ने यह भी जोड़ा कि इन सात खिलाड़ियों में से पांच पुलिस विभाग में थे और कोच सैयद अब्दुल रहीम भी हैदराबाद से थे। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों में फुटबॉल में रुचि समय के साथ कम हो गई है और इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेज़बानी करना बल में खेल भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है। यह चैंपियनशिप विश्वनाथ नारायण मुल्लिक की स्मृति में आयोजित की जाती है, जिन्होंने 1950 से 1964 तक इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में सेवा दी। तेलंगाना राज्य पुलिस को इस टूर्नामेंट के 74वें संस्करण की मेज़बानी करने का सम्मान मिला है। डीजीपी ने अधिकारियों को सभी तैयारियों को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। यह भव्य खेल आयोजन हैदराबाद में 23 मार्च से 5 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा। कुल 53 टीमें, 28 राज्यों, 8 संघ शासित प्रदेशों, 11 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और 6 केंद्रीय पुलिस संगठनों का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस टूर्नामेंट में लगभग 1,060 पुरुष खिलाड़ी और 350 महिला खिलाड़ी भाग लेंगे, साथ ही कोच, रेफरी और अधिकारी, जिससे कुल प्रतिनिधियों की संख्या 2,000 से अधिक हो जाएगी। चैंपियनशिप के दौरान लगभग 125 मैच आयोजित किए जाएंगे।

40 रेफरी और तकनीकी प्रतिनिधि टूर्नामेंट का संचालन करेंगे

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि सभी खिलाड़ियों के लिए आवास की व्यवस्था तेलंगाना पुलिस अकादमी, राजेंद्रनगर में की गई है। परिवहन के लिए टीमों के लिए 45 विशेष बसें और अधिकारियों के लिए अतिरिक्त वाहन तैनात किए जाएंगे। खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मैच स्थलों पर एम्बुलेंस और समर्पित मेडिकल टीम मौजूद रहेंगी। पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के 40 रेफरी और तकनीकी प्रतिनिधि टूर्नामेंट का संचालन करेंगे। किसी भी विवाद को सुलझाने के लिए अपील समिति भी गठित की गई है। डीजीपी ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए 5 फरवरी से विशेष कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा, और कहा कि सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि टूर्नामेंट तेलंगाना राज्य की प्रतिष्ठा के अनुरूप आयोजित किया जाए। अतिरिक्त डीजीपी अनिल कुमार, मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहिती, साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश, खेल आईजीपी डॉ. गजराओ भूपाल, हैदराबाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) तफ़सीर इक़बाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त एन. श्वेता, विजलेंश अभिषेक मोहिती, यूसुफगुडा बटालियन कमांडेंट मुरलीकृष्ण और अन्य अधिकारी समीक्षा बैठक में उपस्थित थे।

अब्दुल्लापुरमेट में सुरक्षित मार्ग के अभाव से पैदल यात्रियों में दहशत

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने के लिए किसी भी सुरक्षित व्यवस्था के अभाव से पैदल यात्रियों में डर का माहौल है। खासकर छात्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ रही है। यह राजमार्ग विजयवाड़ा मार्ग पर हाल के वर्षों में विकसित हुई बस्तियों के बीच से गुजरता है। सड़क के दोनों ओर एक दर्जन से अधिक माध्यमिक विद्यालय, उच्च शिक्षण संस्थान और तकनीकी कॉलेज स्थित हैं। इसके अलावा क्षेत्र में 100 से अधिक छात्रावास हैं, जहां छात्र और कामकाजी युवा रहते हैं। सुबह और शाम के समय सैकड़ों छात्र तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पार करने को मजबूर होते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ट्रक और कारें तेज गति से दौड़ती हैं और पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

युवती पर माता-पिता की हत्या का आरोप

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के बंताराम मंडल के याचारम गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवती पर अपने माता-पिता की हत्या करने का आरोप लगा है। बताया गया है कि माता-पिता ने इंस्टाग्राम पर मिले एक युवक के साथ उसके रिश्ते का विरोध किया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी युवती एन. सुरेखा काफी समय से सोशल मीडिया के जरिए एक युवक के संपर्क में थी। जब उसके माता-पिता को इस रिश्ते की जानकारी हुई और उन्होंने इसका विरोध किया, तो युवती ने कथित तौर पर हत्या की योजना बनाई। आरोप है कि उसने बेहोशी की दवा के इंजेक्शन की अधिक मात्रा देकर अपने माता-पिता की जान ले ली। विकाराबाद के डीएसपी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

सीएम योगी ने गोवंश को खिलाया गुड़-रोटी; बच्चों को दिया चॉकलेट

गोरखपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने सुबह गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया।

अजित पवार के निधन पर सीएम योगी स्तब्ध

अखिलेश यादव और मायावती ने भी जताया शोक

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया है। जिसके बाद पूरे देश में शोक पसर गया है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर दिख जताया है। वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उनके परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अजित पवार के निधन पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- 'महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री श्री अजित पवार जी एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जताया दुख

मुख्यमंत्री ने आगे कहा- 'मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'

अखिलेश यादव ने प्रकट की संवेदनाएं

वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दुख जताया और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अखिलेश ने लिखा- 'महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम श्री अजीत पवार जी का विमान दुर्घटना में निधन, अत्यंत दुःखद! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि!'

अजित पवार के निधन पर मायावती ने जताया दुख

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अजित पवार के निधन पर दुख जताते हुए लिखा- 'महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता श्री अजित पवार जी का आज बारामती में विमान हादसा में हुई मौत अति-दुखद। उनके परिवार तथा उनकी पार्टी के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना, कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।'

बता दें कि अजित पवार आज सुबह ही मुंबई से बारामती के लिए अपने चार्टर प्लेन से रवाना हुआ थे। बारामती में उनकी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव को लेकर मीटिंग होनी थी, जिसमें उन्हें शामिल होना था।

लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी के चलते प्लेन क्रैश हो गया, जिसमें अजित पवार समेत विमान में सवार सभी लोगों की जान चली गई। अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाते थे। वो एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे हैं। प्रशासनिक क्षेत्र से लेकर आम लोगों के बीच उनकी जबरदस्त पकड़ थी।

यूजीसी बिल पर सवर्णों के साथ या खिलाफ सपा?

रामगोपाल यादव ने कर दिया साफ 90 फीसदी नौकरियों पर जनरल केटेगरी का कब्जा

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हायर एजुकेशन में समानता और भेदभाव रोकने के उद्देश्य से यूजीसी द्वारा हाल ही में जारी किए गए प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 को लेकर देशभर में उबाल देखने को मिल रहा है। इस नियम के खिलाफ कई जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं राजनीतिक दलों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी यूजीसी के समर्थन में खुलकर सामने आ गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यूजीसी ने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने इन नियमों को सही ठहराते हुए इसका स्वागत किया और कहा कि ये उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। निजी चैनल आज तक से बातचीत में रामगोपाल यादव ने कहा कि इस बिल में कुछ भी गलत नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत नौकरियों पर जनरल केटेगरी काबिज है। उन्होंने कहा कि देश में कितनी यूनिवर्सिटी पर ओबीसी के कुलपति हैं? एक या दो। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के तो एक भी नहीं। जब उनसे पूछा गया कि अगर किसी ने गलत शिकायत कर दी तो इस बिल में कोई प्रावधान ही नहीं है। उन्होंने कहा कि शिकायत गलत होगी तो फिर क्या हो जाएगा?

साइकिल चला रही छात्रा की पेट में हैंडल घुसने से मौत, प्रधानाध्यापिका सस्पेंड

हरदोई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सांडी में विद्यालय में सुबह साइकिल से गिरकर छात्रा की मौत हो गई। स्वजन व ग्रामीणों ने शिक्षकों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया। एसडीएम बिलग्राम एन।राम के समझाने पर वह लोग शांत हुए। वहीं बीएसए ने इस मामले में प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतन रोक दिया है। समिति पूरे मामले की जांच करेगी। सांडी के ग्राम बघराई के अरुण शर्मा ने बताया कि उसकी बेटी दीपिका गांव स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आठवीं की छात्रा थी।

सुबह करीब 9 बजकर 15 मिनट पर विद्यालय गई थी। सफाईकर्मी अभिषेक ने विद्यालय खोल दिया था। वह सफाई कर रहा था। जबकि शिक्षक नहीं पहुंचे थे। बेटी ने अपना बैग रख दिया। सफाईकर्मी की साइकिल चलाने लगी। साइकिल चलाते समय पलटने से हैंडल बेटी के पेट में घुस गया, जिससे वह अचेत हो गई। छात्र-छात्राओं ने बेटी को उठाकर बरामदे में लिटा दिया। इसी बीच शिक्षक भी आ गए।

स्वजन मौके पर आए। इसी दौरान उल्टी आने के बाद बेटी की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित स्वजन और ग्रामीणों ने स्टाफ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। थाना प्रभारी बसंतराम के समझाने पर नहीं माने। एसडीएम बिलग्राम एन राम और सीओ रवि प्रकाश सिंह के समझाने पर शांत होकर पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। बीएसएए डॉ। अजित सिंह ने बताया कि बीईओ की प्रारंभिक सूचना के आधार पर प्रधानाध्यापिका प्रतिमा मिश्रा को निलंबित कर दिया है, अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी अग्रिम आदेशों तक वेतन रोक दिया गया है। बीईओ से पूरी आख्या मांगी गई है और उसी के आधार पर बीईओ की समिति पूरी जांच करेगी।

पढ़ाई करते समय 18 वर्षीय नीट छात्रा बेड से गिरी, हार्ट अटैक से मौत

बागपत, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हार्ट अटैक से लोगों की जानें जा रही हैं। हार्ट अटैक से बुजुर्ग ही नहीं युवा भी काल के गाल में समा रहे हैं। ताजा मामला यूपी के बागपत जिले से सामने आया है। यहां एक छात्रा की पढ़ाई के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। बागपत जिले के खेखड़ा कस्बे के मोहल्ला रामपुर में निवासी डॉक्टर सुरिंदर कौर शर्मा रहती हैं। उनकी बेटी सिमरन शर्मा (18) नीट की तैयारी कर रही थी। शाम को सिमरन अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। रात करीब 8 बजे जब भाई राघव कमरे में पहुंचा तो सिमरन बेड से नीचे गिरी हुई मिली। सिमरन का शरीर पूरा पसीने से भीगा हुआ था। मां सुरिंदर कौर ने जांच की, लेकिन तब तक सिमरन की जान जा चुकी थी।

अजित पवार के निधन पर गिरिराज सिंह बोले- 'वे केवल उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि'देश के जाने माने राजनेता थे, मांझी ने भी जताया शोक

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बारामती विमान क्रैश में महाराष्ट्र के उपमुख्यंत्री सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। बुधवार (28 जनवरी, 2026) की सुबह हुई इस घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बिहार के नेताओं ने इस घटना पर शोक जताया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र के लिए एक दुखद घटना है। सूचना है कि क्रैश हुए विमान में अजीत पवार भी सवार थे। अगर यह सच है तो आज का दिन बहुत दुर्भाग्य का दिन है। गिरिराज सिंह ने कहा, यह दिल दहलाने वाली दुर्घटना है।।।

वे केवल महाराष्ट्र सरकार के उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि देश के जाने-माने राजनेता थे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, महाराष्ट्र के बारामती में विमान क्रेश हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम श्री अजित पवार जी समेत 6 लोगों की मृत्यु की खबर अत्यंत हृदय विदारक है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और इस संकट की घड़ी में उनके परिजनों को शक्ति व संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

'परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं'

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है, मर्माहत करने वाली इस पीड़ादायक खबर से स्तब्ध हूं। अजित पवार जी को मेरी भावपूर्ण श्रद्धांजलि। अपार दुख व पीड़ा की इस घड़ी में समस्त पवार परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री श्री अजीत पवार जी सहित चार लोगों के असामयिक निधन की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि एवं शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनां। ॐ शांति।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री ने भी जताया दुख

विमान हादसे पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने भी दुख जताया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजित पवार जी सहित अन्य लोगों के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। इस कठिन और पीड़ादायक समय में उनके परिवार एवं समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें। विनम्र श्रद्धांजलि। ॐ शांति।

यूजीसी बिल पर पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट पड़ी महंगी, बिहार पुलिस ने आरोपी को दूसरे राज्य से दबोचा

छपरा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी बिल को लेकर सोशल मीडिया पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र के सलखुआ गांव निवासी विजय कुमार पांडे के पुत्र गजेंद्र कुमार पांडे को बिहार से बाहर दूसरे राज्य से हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई वीडियो प्रसारित होने के बाद दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूजीसी बिल आने के बाद सोशल मीडिया पर विभिन्न वर्गों, विशेषकर स्वर्ण समाज से जुड़े लोगों द्वारा अलग-अलग प्रकार की टिप्पणियां की जा रही थी।

इसी क्रम में आक्रोशित होकर गजेंद्र कुमार पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करते हुए एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट कर दिया। उक्त वीडियो कुछ ही समय में काफी तेजी से प्रसारित होने लगा, जिससे मामला तूल पकड़ गया। वीडियो प्रसारित होने के बाद लोगों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। दबाव बढ़ने पर युवक ने बाद में वीडियो को अपनी आईडी से हटा लिया, लेकिन तब तक कई लोगों ने उसे सेव कर लिया था और विभिन्न प्लेटफार्म पर उसे प्रसारित किया जाता रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए सारण साइबर थाना में कांड संख्या 19/26 दर्ज किया गया।

प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 351(2), 351(3), 352, 353(1), 353(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66/67 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह मामला देश के प्रधानमंत्री से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया गया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई।

दो महीने पहले लव मैरिज, अब पति का कत्ल, इस जिद पर अड़ी थी पत्नी

बरेली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली में आईवीआरआई के संविदाकर्मी जितेंद्र यादव की गला दबाकर हत्या कर दी गई। शव फंदे पर लटका होने से शुरू में आत्महत्या का मामला मानकर परिवार ने पुलिस को सूचना दी और पत्नी ज्योति व उसके परिजनों के खिलाफ आत्महत्या को मजबूर करने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। पोस्टमॉर्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई।

प्रेम-विवाह के दो महीने बाद हुई हत्या की वजह पर जांच की जा रही है। सुबह इटावा के थाना ऊसरहार के गांव भाऊपुरा निवासी अजय कुमार ने इज्जतनगर इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह को बताया कि उनका भाई 33 वर्षीय जितेंद्र आईवीआरआई में संविदाकर्मी के रूप में कार्यरत था।

दुर्गानगर कॉलोनी निवासी ज्योति प्रजापति ने जितेंद्र से परिचय बढ़ाया। संपत्ति हड़पने के लिए जितेंद्र को प्रेमजाल में फंसा लिया और दो माह पहले प्रेमविवाह कर लिया। इज्जतनगर के कैलाशपुरम में ज्योति जितेंद्र के साथ ज्योति रहने लगी। आरोप लगाया कि ज्योति, पिता कालीचरन, मां चमेली और भाई दीपक मिलकर जितेंद्र पर उसकी पुश्तैनी संपत्ति बेचकर मकान व कार खरीदने का दबाव बनाने लगे। जितेंद्र ने उनसे और अपनी मां से इसकी शिकायत की थी। जितेंद्र ने बताया था कि वह जमीन नहीं बेचना चाहते हैं, लेकिन पत्नी और ससुराल वाले दबाव बना रहे हैं।

जितेंद्र ने अनहोनी होने की आशंका भी व्यक्त की थी। अजय ने बताया कि परिजनों ने ज्योति को समझाया, लेकिन वह कार और मकान खरीदने की जिद पर अड़ी रही। जितेंद्र के विरोध करने पर ज्योति उनके भाई को प्रताड़ित करती थी और दहेज के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी। 26 जनवरी को अजय कुमार को पता चला कि उनके भाई जितेंद्र का शव किराये के कमरे में लटका हुआ है। उन्हें लगता है कि जितेंद्र ने ज्योति और ससुरालवालों से तंग आकर जान दे दी। इज्जतनगर पुलिस ने ज्योति और उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

कानपुर और कासगंज में पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

कानपुर/कासगंज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर और कासगंज में पुलिस ने दो अलग-अलग मुठभेड़ों में लूट और चोरी की वारदातों में शामिल दो अपराधियों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई करते हुए उन्हें काबू में लिया। कानपुर में 14 दिसंबर 2025 को एक ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी की घटना से जुड़े मामले में फरार चल रहा मुख्य अभियुक्त कल्लू उर्फ विशाल आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। इस चोरी कांड में शामिल चार अभियुक्तों में से तीन को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था, जबकि कल्लू उर्फ विशाल लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार था। 15 जनवरी को थाना गुजैनी पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया था, लेकिन यह शातिर अपराधी शौचालय जाने के बहाने ड्यूटी पर तैनात संतरी को धक्का देकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि अभियुक्त बनपुरवा क्षेत्र के आसपास देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके में चेकिंग शुरू की। इसी दौरान दूर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह मौके पर गिर पड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम कल्लू उर्फ विशाल पुत्र रामप्रसाद बताया। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पहले से ही लूट और चोरी के कुल पांच मामले दर्ज हैं।

हिंदुओं को 3 बच्चे पैदा करने से किसने रोका

पटना में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने पटना प्रवास के दौरान हिंदू समाज, जनसंख्या और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। पटना के विजय निकेतन में उद्यमियों और शैक्षिक संस्थानों के संचालकों से संवाद के दौरान भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को तीन बच्चे पैदा करने से किसी ने नहीं रोका है। यह समाज की अपनी जिम्मेदारी और सोच से जुड़ा विषय है। संघ का उद्देश्य केवल संगठन नहीं, राष्ट्र निर्माण

भागवत ने कहा कि संघ की स्थापना देश के उत्थान के लिए चल रहे रचनात्मक प्रयासों को संगठित और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी। संघ का काम केवल संगठन खड़ा करना नहीं, बल्कि समाज को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि संघ आज भी उसी उद्देश्य के साथ कार्य कर रहा है।

पटना प्रवास के दौरान आरएसएस प्रमुख ने दायित्वधारी स्वयंसेवकों के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शुरुआत संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी। संघ के संस्थापक डॉ। केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्षों के चिंतन के बाद 1925 में संघ कार्य का प्रारंभ किया था।

भागवत ने कहा कि संविधान नागरिकों को केवल अधिकार नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों का भी बोध कराता है। उन्होंने कहा कि नियम-कानून का पालन करना हर नागरिक का दायित्व है और सामाजिक समरसता बनाए रखना आज के समय की भारत के आगे बढ़ने से कुछ देशों को परेशानी

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के आगे बढ़ने की परिस्थितियां बन रही हैं और देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। लेकिन कुछ देशों को भारत का यह आगे बढ़ना अच्छा नहीं लग रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी प्रभुता और हितों पर खतरा महसूस हो रहा है। ऐसे में समाज को सजग और एकजुट रहने की जरूरत है।

मुजफ्फरपुर में भी दिया था जनसंख्या पर बयान

गौरतलब है कि इससे पहले मुजफ्फरपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा था कि सरकार दो या एक बच्चे की सलाह देती है, लेकिन हिंदू समाज को तीन बच्चे पैदा करने से किसी ने रोका नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत को अलग से हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरूरत नहीं है, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र है।

शादी से किया इंकार तो महिला सिपाही के अश्लील तस्वीर और वीडियो किया वायरल अब थाने में मामला दर्ज

भागलपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर जिले से महिला सिपाही को निशाना बनाकर बदमाशों ने उसकी अश्लील वीडियो वायरल कर दी। आरोप है कि दो युवकों ने शादी के लिए दबाव बनाने में असफल होने के बाद सोशल मीडिया के जरिए महिला सिपाही को ब्लैकमेल किया और उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। पीड़िता के परिजनों के अनुसार, हाल ही में महिला का चयन बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर हुआ था। भागलपुर और पूर्णिया जिले के रूपौली थाना क्षेत्र से जुड़े दो युवक लगातार फोन कर महिला सिपाही से संपर्क साध रहे थे और उस पर शादी का दबाव बना रहे थे। जब महिला सिपाही ने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया, तो आरोपियों ने बदले की नीयत से सोशल मीडिया पर उसके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल कर दिए। मामले की जानकारी मिलते ही पीड़िता की मां ने थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। शिकायत में साइबर अपराध, ब्लैकमेलिंग और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

सपा ने सीईओ यूपी को सौंपा ज्ञापन: कासगंज-बहराइच-फर्रुखाबाद-बस्ती में एसआईआर में पक्षपात का आरोप

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) यूपी को ज्ञापन सौंपा है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी ने कासगंज, बहराइच, फर्रुखाबाद और बस्ती जिलों में एसआईआर के दौरान हो रही अनियमितताओं की शिकायत की है। ज्ञापन में सपा ने आरोप लगाया है कि प्रक्रिया में पक्षपात हो रहा है, जिससे सपा समर्थक बूथों के वोटर प्रभावित हो रहे हैं। ज्ञापन में कासगंज विधानसभा क्षेत्र (बूथ 1 से 200 तक) का विशेष उल्लेख है, जहां अधिकांश बूथ सपा समर्थक बहुल हैं। पार्टी का दावा है कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा सपा समर्थक बूथों पर नोटिस धारकों को मात्र 12 घंटे का समय दिया जा रहा है, जबकि भाजपा समर्थित बूथों पर पर्याप्त समय दिया जा रहा है। बीएलओ पर नियमों की अनदेखी कर नए वोटरों को कम फॉर्म उपलब्ध कराने और घर-घर सत्यापन न करने का आरोप है। सपा ने एसआईआर में लगे कुछ अधिकारियों पर भाजपा एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल हटाने की मांग की है।

पार्टी ने कहा कि वर्तमान विधायक के पुत्र (ब्लॉक प्रमुख) एसआईआर में सपा वोटरों को कटवाने का काम कर रहे हैं। बहराइच के नानपारा विधानसभा क्षेत्र में नेपाल मूल की महिलाओं (बहुओं) को एसआईआर प्रक्रिया से बाहर करने का आरोप है। उनके पास निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार और वोटर आईडी होने के बावजूद मैरिज और माइग्रेशन प्रमाण पत्र मांगकर उन्हें वापस किया जा रहा है।

इससे हजारों महिलाएं मतदाता बनने से वंचित हो सकती हैं। सपा ने मांग की है कि समस्या का समाधान कर महिलाओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। फर्रुखाबाद के बूथ 128 (बंगशपुरा और मनिहारी) में पुरानी सूची संयुक्त होने और 2003 के सत्यापन में केवल बंगशपुरा के वोटरों का सत्यापन होने का जिक्र है। मनिहारी के लगभग 300 मतदाताओं को विलोपन सूची में डाल दिया गया, जबकि 2003 की डिटेल नहीं मिलने पर नोटिस जारी किए गए।

सपा ने जांच कर विलोपन निरस्त करने की मांग की है। बस्ती में लगभग 1 लाख से अधिक नो-मैपिंग और लॉजिकल एरर वाले मतदाताओं को नोटिस जारी कर कम समय में सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है, जिससे मतदाता उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं। पार्टी ने मांग की है कि नोटिसों की बूथवार सूची (ईआरओ नाम, सुनवाई स्थल, तिथि आदि) राजनीतिक दलों और बीएलए को उपलब्ध कराई जाए ताकि वे मतदाताओं की मदद कर सकें।

रामायण से नैतिक मूल्य की शिक्षा मिलती है

बाल कांड से उत्तर कांड तक भगवान राम की पूरी जीवन यात्रा

रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि जीवन के सही और गलत के बीच की लड़ाई का पाठ है। हर उम्र के लोग इसे पढ़कर या सुनकर सीखते हैं कि धर्म और सच्चाई का पालन करना कितना जरूरी है। इस ग्रंथ में भगवान राम, माता सीता, भाई लक्ष्मण और उनके मित्र हनुमान की यात्रा को दर्शाया गया है, जो हमें न केवल भक्ति का अनुभव कराती है, बल्कि हमें नैतिक मूल्यों और साहस की भी शिक्षा देती है। रामायण में सात कांड हैं, और हर कांड में अलग-अलग परिस्थितियों और घटनाओं का वर्णन है। बाल्यकाल से लेकर राज्याभिषेक तक की पूरी कहानी इसमें शामिल है। ये कांड हमें सिखाते हैं कि कैसे जीवन में चुनौतियों का सामना धैर्य, बुद्धि और धर्म के मार्ग पर चलते हुए किया जा सकता है। रामायण सिर्फ बच्चों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत है, और यह आज भी हमारे समाज में आदर्श जीवन जीने की राह दिखाता है।

रामायण के सात कांड

1. बाल कांड– यह कांड भगवान राम के जन्म और उनके बचपन की कहानी बताता है। इसमें उनके माता-पिता, गुरु और बाल लीलाओं का वर्णन है। यह हमें सिखाता है कि बचपन से ही अच्छे संस्कार और शिक्षा का महत्व कितना जरूरी है।

2. अयोध्या कांड– इसमें राम के राज्याभिषेक की तैयारी और रावण की साजिश से प्रभावित होकर राम का वनवास बताया गया है। यह कांड हमें सिखाता है कि जीवन में कठिनाइयों का सामना धैर्य और शांति से करना चाहिए।

3. अरण्य कांड– राम, सीता और लक्ष्मण का वनवास और रावण द्वारा सीता का हरण इसमें दर्शाया गया है। यह हमें यह सिखाता है कि बुराई हमेशा किसी न किसी रूप में आती है, लेकिन सत्य और धर्म की शक्ति से उसका सामना किया जा सकता है।

4. किष्किंधा कांड– राम और हनुमान की मित्रता, सुग्रीव से मित्रता और रावण की तलाश का वर्णन इस कांड में है। यह कांड यह बताता है कि सही साथी और दोस्त जीवन में कितने जरूरी हैं।

5. सुंदर कांड– हनुमान की लंका यात्रा और माता सीता से मिलने की कहानी इसमें है। यह कांड हमें साहस, निडरता और अपने लक्ष्य को पाने की प्रेरणा देता है।

6. युद्ध कांड– राम और रावण के बीच का युद्ध, युद्ध में रणनीति और धर्म के पालन का महत्व इस कांड में बताया गया है। यह हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयों में भी सच्चाई के रास्ते पर चलना जरूरी है।

7. उत्तर कांड– राम का राज्याभिषेक, उनके जीवन के अंतिम चरण और समाज में उनके आदर्श जीवन का वर्णन इसमें है। यह कांड हमें यह दिखाता है कि जीवन के हर चरण में संतुलन, न्याय और धर्म का पालन करना जरूरी है।

इन 5 राशिवालों के लिए फरवरी शुभ नई जॉब, अचानक धन लाभ

मेषः फरवरी का महीना मेष राशिवालों के लिए खुशियों से भरा है। इस महीने इन लोगों को कोई खुशखबरी मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों के काम की तारीफ होगी और बॉस खुश रहेंगे। ऐसे ही जो लोग बिजनेस से जुड़े हैं, उनको फरवरी में अच्छी डील मिल सकती है। आपको मुनाफा कमाने का मौका मिलेगा। आप इस महीने अच्छी बचत करने में सफल होंगे, जिससे आपका बैंक बैलेंस बढ़ सकता है। इस महीने आप आय के नए स्रोत बनाने में सफल हो सकते हैं। अचानक बड़े धन लाभ का योग है। आपका फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। प्रेम संबंध मजबूत रहेंगे। पार्टनर के साथ रोमांटिक डिनर पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहेगा।

वृषभः फरवरी का महीना वृषभ वालों के लिए भी अच्छा रहेगा। बिजनेस करने वाले लोग फरवरी में अपने काम का विस्तार कर सकते हैं या कोई पार्टनरशिप कर सकते हैं, जो आपके मुनाफे को बढ़ाने वाला हो सकता है। इस महीने में आप नया मकान, दुकान, फ्लैट, जमीन खरीद सकते हैं, वहीं नई कार खरीदने का भी विचार कर सकते हैं। फरवरी में आप परिवार से जुड़ा कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के पद और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी की उम्मीद हैं, वहीं आपको किसी अच्छी कंपनी से जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है। आपके प्रेम संबंध का विवाद दूर हो सकता है, लव लाइफ फिर से पटरी पर आ सकती है। लव मैरिज की बात भी पक्की हो सकती है। सेहत का विशेष ध्यान रखें।

मिथुनः फरवरी में मिथुन वालों को भाग्य का साथ मिलेगा। जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी करने वालों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका प्रभाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में लोगों की मदद प्राप्त होगी। विदेश से धन लाभ योग है। पारिवारिक जीवन खुशहाल और सुखमय होगा। फरवरी में आमदनी बढ़ाने के नए स्रोत मिलेंगे। लव पार्टनर से समय व्यतीत करेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। आप मेहनत करना न छोड़ें, आपको सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः फरवरी में कन्या राशिवालों के सुख और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। इस महीने में नया मकान, नई कार या कोई नई प्रॉपटी खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। इस महीने आप पर माता लक्ष्मी प्रसन्न रहेंगी, जिससे आपको अपार धन लाभ हो सकता है, लेकिन खर्च भी अधिक होगा। जो लोग विदेश में व्यापार या नौकरी करने का सपना देख रहे हैं, उनके लिए फरवरी का महीना अनुकूल रहेगा। आप प्रयास करें, सफलता मिल सकती है। विदेश में पढ़ने का भी सपना पूरा हो सकता है। शासन या सत्ता से लाभ मिलेगा। परिवार के साथ यात्रा का योग है। बिजनेस यात्रा सफलतादायक होगी। पार्टनर के साथ रोमांस करेंगे, लव लाइफ अच्छी रहेगी। पार्टनर से कोई गिफ्ट मिल सकता है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा, बच्चों से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

धनुः फरवरी का महीना धनु वालों के लिए शुभ फल देने वाला होगा। विदेश में बिजनेस और करियर की दृष्टि से फरवरी में आपको खुशखबरी मिलेगी। जो लोग फरवरी में कोई प्रॉपर्टी, मकान, दुकान या जमीन खरीदते हैं, तो उससे आपको मुनाफा होने की संभावना है। इस समय में आपके साहस और पराक्रम में बढ़ोत्तरी होगी। आप अपने दुश्मनों पर हावी रहेंगे। फरवरी में वाद विवाद के मामलों में सफलता प्राप्त होगी। पुरानी विवादों का निपटारा होने से राहत महसूस करेंगे। जो लोग सिंगल हैं, उनकी शादी पक्की हो सकती ह, वहीं किसी को प्रपोज करना चाहते हैं तो वहां भी बात बन सकती है। लव लाइफ के लिए समय अच्छा रहेगा। जो लोग शादीशुदा हैं, उनका दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं। पूजा पाठ, धार्मिक गतिविधियों में मन लगेगा।

पैसों की तंगी खत्म करने का ये है राज!

महिलाओं का सम्मान करो, शुक्र होगा मजबूत

कई बार ऐसा देखा जाता है कि आदमी बहुत मेहनत करता है. दिन-रात मेहनत करता है, लेकिन रिजल्ट उतना नहीं मिल पाता है. पैसे की तंगी हमेशा लगी रहती है. घर और परिवार में हमेशा परेशान रहते हैं. जहां बच्चों की भी जरूरत पूरी नहीं होती है. ऐसे में कई बार व्यक्ति डिप्रेशन में भी आ जाता है, लेकिन अगर आप ज्योतिष के अनुसार 4-5 काम कर लेते हैं तो यकीन मानिए, आपको कुछ महीनो में चमत्कारिक रिजल्ट देखने को जरूर मिलेगा.

अगर किसी भी पुरुष को बहुत पैसा कमाना है तो बस एक सिंपल सा उपाय कर लें. वह अपनी कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत कर लें. दरअसल, शुक्र जो है. वह वैभव लग्जरी, पैसा, सुख सुविधा इसको रिप्रेजेंट करता है. जब तक यह मजबूत नहीं होगा. तब तक गरीबी तंगी और दरिद्रता देखने को मिलेगी और शुक्र ग्रह जो है. वह महिला एनर्जी को भी रिप्रेजेंट करता है.

बस कर लें ये काम, होगी पैसों की बारिश

1 • ज्योतिष आचार्य बताते हैं कि शुक्र ग्रह जो है. वह महिला को रिप्रेजेंट करता है. ऐसे में जो व्यक्ति महिलाओं का आदर सत्कार करता है, जो महिलाओं की इज्जत करता है, ना गलत शब्द का प्रयोग करे और इज्जत दे. आप खुद ही देख लीजिएगा. उस व्यक्ति के पास पैसा जरूर रहेगा. ऐसा हो नहीं सकता, उसके पास पैसा ना हो.

2 • अगर आपकी शादी हो गई है तो आपकी पत्नी और अगर नहीं हुई है तो घर में आपकी मां या जो भी महिला मौजूद है. उन्हें सम्मान देना शुरू करें. उनसे खुद ही पूछें कि उन्हें किसी चीज की जरूरत तो नहीं और अपने मन से उनकी फेवरेट चीज लाकर दें, खिलाना पिलाना शॉपिंग जितना हो सकता है, जितना आप सक्षम है उतना करें.

3 • भूलकर भी महिलाओं के साथ गाली - गलौज और गलत शब्द का प्रयोग बिल्कुल भी ना करें. क्योंकि ऐसा करने से आपका शुक्र तुरंत खराब हो जाएगा. इसके अलावा देवी की पूजा करना काफी फायदेमंद माना जाता है. आपको जिस भी देवी में आस्था है. उनकी पूजा अर्चना शुरू कर दीजिए.

4 • इसके अलावा शुक्र ग्रह को साफ सफाई बेहद पसंद होती है. ऐसे में अपने घर को, अपने बेडरूम को, वॉशरूम को इसके अलावा खुद को भी एकदम साफ रखें. हर दिन सुबह नहाना है और साफ कपड़ा पहनना है. अगर सफेद कपड़ा पहनें तो और भी बढ़िया है. नेल्स को काट कर रखें. बालों को बनाकर रखिए. ऐसा नहीं कि कोई महंगा कपड़ा, सस्ता ही रहे. पर साफ सुथरा बढ़िया रहे. चप्पल एकदम साफ रहे. बस आप इतना ही कर लीजिए और फिर देखिए कि आपका शुक्र कैसे नहीं मजबूत होता है.

नदी दूर हो तो माघ पूर्णिमा पर गंगाजल की बूंदों से करें स्नान

माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी। माघ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का विधान है। इस दिन गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों के घाट पर भारी संख्या में भक्त पहुंचते हैं और और पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। हालांकि कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनके घर के आसपास नदियां नहीं होती और कई लोग अन्य कारणों से भी पवित्र नदियों तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि बिना नदियों में पवित्र स्नान किए भी कैसे शुभ फल प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको नीचे दिए गए कार्य घर पर ही संपन्न करने चाहिए।

माघ पूर्णिमा के दिन घर पर करें ये उपाय

घर पर स्नान के दौरान करें ये काम- माघ पूर्णिमा के दिन आपको घर पर स्नान करते समय कुछ बूंदें गंगाजल की पानी में मिलानी चाहिए। अगर गंगाजल न हो तो नहाते समय 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति। नर्मदे सिंधु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।' मंत्र का जप आपको करना चाहिए। ऐसा करने से गंगा में डुबकी लगाने जितना पुण्य फल आपको प्राप्त होता है।

घर पर करें तुलसी पूजन- पूर्णिमा तिथि के दिन तुलसी का पूजन करना बेहद शुभ माना जाता है। इसलिए जो लोग पवित्र नदियों में स्नान नहीं कर पा रहे हैं उन्हें तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाना चाहिए और तुलसी की परिक्रमा करनी चाहिए।

श्री सत्यनारायण की कथा का करें पाठ- सत्यनारायण की कथा का पाठ भी आप माघ पूर्णिमा के दिन घर पर कर सकते हैं। इस कथा का पाठ करना आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति लाता है और साथ ही आपको भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है।

मंत्रों का जप– माघ पूर्णिमा के दिन आपको एकांत स्थल पर बैठकर देवी गंगा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु और भोलेनाथ, अपने इष्ट देव और पितरों के मंत्र का जप करने से भी शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

दान– माघ पूर्णिमा के दिन दान का भी बड़ा महत्व है इसलिए आपको इस दिन दान भी अवश्य करना चाहिए। इस दिन तिल, गुड़, घी, कंबल, अन्न और धन का दान आपको करना चाहिए। इन चीजों का दान करने से देवी-देवता आप पर कृपा बरसाते हैं और पितृ भी प्रसन्न होते हैं।

चंद्र पूजन– माघ पूर्णिमा के दिन आपको घर पर ही चंद्र पूजन करना चाहिए। चंद्र पूजन के लिए रात्रि का समय सबसे शुभ माना जाता है। इस दौरान चंद्रमा को जल का अर्घ्य देना चाहिए और चंद्र मंत्रों का जप करना चाहिए।

जब यह समझ बनती है कि ईश्वर के निर्णय सबके सुख के लिए हैं, तब भरोसा पैदा होता है

परमात्मा की कृपा से कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं है। फर्क केवल इतना है कि हम उसे महसूस कर पाते हैं या नहीं। जब हमें यह समझ आने लगती है कि ईश्वर दयालु है, उसका नियम हमारे भले के लिए है, तब हमारे मन से डर खत्म होने लगता है। ईश्वर का विधान कभी किसी का बुरा नहीं करता। वह हमेशा मंगल करने वाला है। जब हमें यह विश्वास हो जाता है कि ईश्वर का हर निर्णय सबके हित, सुख, सम्मान और उन्नति के लिए है, तब हमारे मन में ईश्वर के प्रति गहरा भरोसा और पूर्ण समर्पण पैदा हो जाता है।

किस नाम से जानी जाती थी कृष्ण की बांसुरी?

भगवान कृष्ण और उनकी बांसुरी की कथा भारतीय संस्कृति में एक खास स्थान रखती है। यह केवल एक संगीत वाद्य नहीं थी, बल्कि प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता का प्रतीक भी मानी जाती थी। कहते हैं, जब कृष्ण अपनी बांसुरी बजाते थे, तो उसकी धुन सुनकर गोपियां, गायें, पक्षी और पूरी प्रकृति मंत्रमुग्ध हो जाती थी। हर स्वर में करुणा और शांति का अनुभव होता था, और लोगों का मन भगवान की ओर आकर्षित होता था। परंपराओं में कई बांसुरियों का जिक्र मिलता है, लेकिन इनमें से एक थी कृष्ण की सबसे प्रिय मंदाकिनी बांसुरी, जिसकी धुन को सुनना किसी दिव्य अनुभव से कम नहीं था। इस बांसुरी की कहानी केवल संगीत तक सीमित नहीं है। इसके पीछे पौराणिक कथाएं, देवताओं का मिलन और भगवान शिव की विशेष भेंट जुड़ी हुई है। यह कहानी बताती है कि कैसे एक साधारण वाद्य यंत्र भी प्रेम और दिव्यता की शक्ति को व्यक्त कर सकता है। आइए जानते हैं, कैसे बनी यह बांसुरी और इसे किसने भगवान कृष्ण को भेंट की।

भगवान कृष्ण की बांसुरी के प्रमुख नाम

कथाओं में कई बांसुरियों का उल्लेख मिलता है, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं:

-महानंदा: अत्यंत लंबी और दूर तक सुनाई देने वाली बांसुरी।

-सरला: छोटी, कोमल और मधुर स्वर देने वाली बांसुरी।

-भुवनमोहिनी: ऐसी वंशी जिसे सुनकर हर प्राणी मोहित हो जाता।

-मदनझंकृतिः छह छिद्रों वाली बांसुरी, रागों को जीवंत करने के लिए प्रसिद्ध।

इन सभी में मंदाकिनी बांसुरी खास मानी गई। इसे भगवान कृष्ण की सबसे प्रिय और प्रभावी बांसुरी माना गया।

देवताओं का मिलन और शिव का उपहार

द्वापर युग में जब कृष्ण धरती पर अवतरित हुए, सभी देवी-देवता उन्हें देखने के लिए आए। हर देवता चाहता था कि वे ऐसा उपहार दें जो कृष्ण को प्रिय लगे और हमेशा उनके पास रहे। भगवान शिव ने महसूस किया कि कृष्ण को संगीत अत्यंत प्रिय है। इसलिए उन्होंने सोचा, क्यों न कोई दिव्य बांसुरी बनाई जाए, जो केवल धुन के लिए नहीं, बल्कि प्रेम और शक्ति का प्रतीक बने।

ऋषि दधीचि की हड्डियों से बनी दिव्य वंशी

कथा के अनुसार, ऋषि दधीचि की हड्डियां अपार ऊर्जा और दिव्यता से भरी थीं। इन्हीं हड्डियों से विश्वकर्मा ने महाधनुष और इंद्र के लिए वज्र बनाए थे। शिव ने इन दिव्य हड्डियों का उपयोग कर एक सुंदर, कोमल और तेजस्वी बांसुरी बनाई। यह साधारण वाद्य नहीं थी। इसमें तप, त्याग, शक्ति और पवित्रता का सार था। जब शिव जी ने यह बांसुरी कृष्ण को भेंट की, और पहली धुन निकली, तो पूरे गोकुल में एक अदृश्य शांति फैल गई। इसे सुनते ही सभी जीव-गाय, पक्षी, गोपियां-मंत्रमुग्ध हो उठे। यही कारण है कि इसे सम्मोहिनी वंशी भी कहा गया।

कृष्ण और उनकी बांसुरी का महत्व

कृष्ण की बांसुरी केवल संगीत का माध्यम नहीं थी। यह प्रेम और भक्ति की आवाज थी। कहते हैं, यह बांसुरी बजाते ही मनुष्य के भीतर छिपी सारी चिंता, तनाव और अहंकार गायब हो जाते थे। उसकी धुन इंसान को सीधे आत्मा और ईश्वर से जोड़ देती थी। बांसुरी की यह शक्ति इतनी प्रभावशाली थी कि कृष्ण की कहानियों में इसे हमेशा उनके प्रेम और करुणा के प्रतीक के रूप में दिखाया गया। मंदाकिनी वंशी ने न केवल गोकुल बल्कि पूरे विश्व में भक्ति का संदेश फैलाया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 29 जनवरी- 2026

18 वर्षों बाद मुक्त व्यापार समझौता

जिस मुक्त व्यापार समझौते का इंतजार 18 वर्षों से किया जा रहा था आखिरकार वह मंगलवार को पूरा हो गया। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच लंबित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर ऐतिहासिक सहमति बन गई। यह समझौता न सिर्फ भारत बल्कि यूरोप के 27 देशों के लिए भी आर्थिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। 145 करोड़ आबादी वाला भारत और लगभग 45–55 करोड़ जनसंख्या वाले यूरोप के देशों के बीच यह करार वैश्विक व्यापार संतुलन को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। बता दें कि भारत लंबे समय से विदेशी व्यापार के लिए एक विशाल और आकर्षक बाज़ार रहा है। दुनिया का हर बड़ा आर्थिक समूह भारत के साथ व्यापारिक समझौता करने को लालायित रहता है। अमेरिका की सनक की वजह व वैश्विक संरक्षणवाद के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने की नीतियों का असर भारत पर भी पड़ा, ऐसे में भारत ने समझौते की बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को ऊपर रखा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर दबाव बनाकर कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाज़ार में खोलने की कोशिश की गई, लेकिन भारत ने किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों से समझौता करने से साफ मना कर दिया। आखिर कौन नहीं जानता कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और करोड़ों लोगों की आजीविका खेती और दुग्ध उत्पादन पर निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने "विकास के साथ सुरक्षा" की नीति को प्राथमिकता दी। इसी नीति के तहत यूरोपीय यूनियन के साथ हुए इस समझौते में कृषि और दुग्ध उत्पादों को बाहर रखा गया है। यही समझौते की सबसे बड़ी खासियत मानी जा रही है, क्योंकि इससे किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का मुख्य अतिथि के रूप में भारत आना इस समझौते की गंभीरता और महत्व को दर्शाता है। इसे "मदर ऑफ ऑल डील्स" भी कहा जा रहा है, क्योंकि यह समझौता करीब 200 करोड़ लोगों के भविष्य से सीधे जुड़ा है। यह मुक्त व्यापार समझौता 2027 से लागू होने की संभावना है। इसके लागू होते ही भारत के निर्यातकों को यूरोपीय बाज़ार में अवसरों की भरमार होगी, वहीं यूरोप की कंपनियों के लिए भी भारत में निवेश और व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे। खास बात यह है कि यह समझौता एकतरफा नहीं, बल्कि संतुलित और आपसी हितों पर आधारित है। आज जब दुनिया के कई पश्चिमी देश आर्थिक दबाव में हैं, ऐसे समय में भारत के साथ व्यापारिक साझेदारी उनके लिए भी राहत लेकर आई है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों, व्यापारियों और निर्यातकों को नई ऊर्जा मिलेगी और वैश्विक मंच पर भारत की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। कुल मिलाकर, भारत–यूरोपीय यूनियन मुक्त व्यापार समझौता भारत की आत्मनिर्भर और संतुलित व्यापार नीति का स्पष्ट उदाहरण है। यह न सिर्फ आर्थिक सफलता है, बल्कि भारत के वैश्विक कद को भी और ऊंचा करने वाला कदम है।

ममता बनर्जी का ईडी से टकराना भारी तो नहीं पड़ेगा

रामस्वरूप रावतसरे

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी करीब 35 साल पुराने वामपंथी किले को ध्वस्त करने में 2011 में सफल हो गईं थी. उसके बाद से उनका रथ कभी नहीं रुका। भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद ममता ने तीसरी बार 2021 में बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार बना ली। इस साल 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 6 महीने के अंदर कई दौरे हो चुके हैं। चुनाव ज्यों-ज्यों करीब आता जाएगा, उनके दौरों का सिलसिला भी तेज होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते जेपी नड्डा ने बंगाल का हाल ही में दौरा किया था। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन ने भी इस साल होने वाले सभी 5 राज्यों के चुनावों में भाजपा का परचम लहराने का संकल्प लिया है। नतीजे क्या होंगे, यह तो जनता तय करेगी लेकिन ममता बनर्जी केंद्रीय एजेंसियों से पंगा लेकर मुश्किल में पड़ती नजर आ रही हैं। अगर सुप्रीम कोर्ट प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों पर उनके प्रतिकूल कोई फैसला देता है तो ममता की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई और ईडी से मुख्मंत्रियों के टकराव का हश्र जनता देख चुकी हैं। बिहार का सीएम रहते लालू प्रसाद यादव पर जब पशुपालन घोटाले के आरोप लगे और सीबीआई ने जांच शुरू की तो राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के समर्थकों ने खूब हुड़दंग मचाया। हालत यह थी कि लालू यादव को गिरफ्तार करने के लिए बात सेना बुलाने तक पहुंच गई थी। आरजेडी का कोई पैंतरा काम नहीं आया और अंततः 30 जुलाई 1997 को लालू यादव को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में मुकदमा चला और उन्हें सजा भी हुई। सीबीआई से उलझने के बावजूद लालू बच नहीं पाए। आजादी के बाद सेंट्रल एजेंसी द्वारा मुख्यमंत्री पद पर रहे किसी व्यक्ति के गिरफ्तार होने की यह पहली घटना थी। उन्होंने समझदारी नहीं दिखाई होती तो सीएम रहते ही वे गिरफ्तार हो जाते। जब उन्हें गिरफ्तारी की आशंका प्रबल होती दिखी तो अरेस्ट होने से 2 दिन पहले ही 28 जुलाई 1997 को ही उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बना दिया।

ऐसे ही दिल्ली का सीएम रहते अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्रीय एजेंसी ईडी से पंगा लिया। दिल्ली शराब नीति में घपले के आरोप में ईडी की ओर से पछताछ के लिए उन्हें लगातार 9 नोटिस भेजे गए। उन्होंने उसका न कोई जवाब दिया और न पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष हाजिर ही हुए। आखिरकार ईडी ने उनके आवास पर छापा मारा और 21 मार्च 2024 को मनी लांड्रिंग मामले में पहली बार उन्हें गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री पद पर रहते केजरीवाल की यह पहली गिरफ्तारी थी। हालांकि इस मामले में उन्हें जमानत जल्द ही मिल गई लेकिन उन्हें जेल से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। दूसरी बार उन्हें 26 जून 2024 को सीबीआई ने तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार कर लिया। अगर वे लालू यादव की तरह समझदारी दिखाते तो सीएम के रूप में उनके गिरफ्तार होने का रिकार्ड नहीं बनता। वे भी अपनी पत्नी को सीएम की कुर्सी पर बिठा सकते थे। केजरीवाल ने दूसरा रिकार्ड यह बनाया कि वे करीब 6 महीने तक जेल से ही सरकार चलाते रहे। बाद में इस पर कोर्ट से लेकर मीडिया तक हंगामा मचा तो उन्होंने आतिशी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी, यानी ईडी से पंगा लेना अरविंद केजरीवाल को महंगा पड़ा।

इसी प्रकार झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले का आरोप लगा। मामला मनी लांड्रिंग का बना तो ईडी ने जांच के लिए उन्हें कई बार नोटिस भेजा। इस मामले को हेमंत सोरेन ने हल्के में लिया। वे ईडी से राहत की उम्मीद में हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट का चक्कर लगाते रहे।

यूजीसी के नये नियम से उबाल क्यों?

राधा रमण

यूजीसी यानी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने शायद सोचा भी न होगा कि 13 जनवरी 26 को जारी उसके नये नियमन (रेगुलेशन) से देशभर में उबाल आ जाएगा। उसने तो नया नियमन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद लागू किया था, लेकिन समाज का एक धड़ा उद्वेलित हो उठा है। सरकार बहादुर चुप हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जरूर यह कहते हैं कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा, लेकिन नियमन का विरोध करने वाले उससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि मंत्री की सफाई गला काटकर सिर में तेल मालिश करने की तरह है। यहां तक कि विपक्ष की भी इस मसले पर बोलती बंद है, लेकिन विरोध बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार ग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है तो मूर्धन्य कवि कुमार विश्वास ने दिवंगत कवि रमेश रंजन मिश्र की कविता का उल्लेख करते हुए कहा है कि'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा,राई लो या पहाड़ लो राजा ; मैं अभागा सवर्ण हूं, मेरा रोयां-रोयां उखाड़ लो राजा।'दरअसल, वर्ष 2019 में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्र रोहित वेमुला और महाराष्ट्र की एक महिला चिकित्सक डॉ पायल तडवी ने जातीय उत्पीड़न से तंग होकर आत्महत्या कर ली थी। नतीजतन, सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को ऐसा नियमन बनाने का निर्देश दिया था, जिससे कॉलेज में पढ़ाई के दौरान छात्रों का उत्पीड़न रोका जा सके। इसी दौरान आईआईटी ने एक स्टडी की जिसमें पाया गया कि 'वंचित जातियों के 75 प्रतिशत छात्र कॉलेज में भेदभाव का शिकार होते हैं।'ऐसा नहीं है कि विश्वविद्यालयों में जातीय आधार पर छात्रों के उत्पीड़न रोकने के लिए पहले से नियम नहीं थे। साल 2012 में हिमाचल प्रदेश में रैगिंग के दौरान एक छात्र की हत्या के बाद 17 दिसंबर 2012 से यूजीसी ने मान्यता प्राप्त सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में रैगिंग और उत्पीड़न रोकने के लिए नियम तय किये थे। 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस' नाम के नियम सिर्फ सुझाव और जागरूकता के लिए थे। उसमें सजा का कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन शिकायत झूठी पायी जाने पर जुर्माना और दंड का प्रावधान अवश्य था। अधिकांश मामलों में रैगिंग करने या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संस्थान द्वारा चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता था। दोबारा शिकायत मिलने पर उत्पीड़न करने वाले छात्रों के अभिभावक को कॉलेज प्रशासन पत्र भेज दिया करता था और मामला सुलझ जाता था। कॉलेज प्रशासन की मनाही के बावजूद शिक्षण संस्थानों में रैगिंग चोरी-छुपे होती रहती थी। आज भी जारी है। पहले छात्रों के बीच इतनी कटुता भी नहीं होती थी। इसका मकसद छात्रों के बीच हास-परिहास करना होता था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और यूजीसी के नियमन पिछले साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को कॉलेजों में जातीय भेदभाव की शिकायतों का डाटा इकट्ठा करने तथा नया नियमन बनाने का निर्देश दिया था। उसके बाद यूजीसी ने फीडबैक लेने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया, जिस पर ओबीसी के छात्रों ने आपत्ति जताई और एससी-एसटी छात्रों के साथ ओबीसी के छात्रों को भी जांच समिति में शामिल करने की मांग की। इससे पहले दिसंबर 25 में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और युवा संबंधी मामलों की संसदीय समिति ने यूजीसी और सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में समता समिति में ओबीसी को शामिल करने की सिफारिश कर दी। इस समिति के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह हैं। अपने ड्राफ्ट के विश्लेषण, ओबीसी छात्रों की मांग और संसदीय समिति की सिफारिश के आधार पर यूजीसी ने इस साल 13 जनवरी को नये नियमन की अधिसूचना जारी कर दी। दो दिन बाद 15 जनवरी से यूजीसी से मान्यताप्राप्त कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नये लागू कर दिये गए हैं। नये नियमन में क्या है खास

1. नये नियमन के तहत यूजीसी से मान्यता प्राप्त हर कॉलेज में इक्वल अपारच्युनिटी सेंटर यानी समता समिति (इओसी) की स्थापना अनिवार्य कर दी गयी है। समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला के अलावा ओबीसी के सदस्य होंगे। इनका कार्यकाल दो वर्षों का होगा। विशेष आमंत्रित सदस्यों में भी उन्हीं वर्गों के सदस्य होंगे। हालांकि उनका कार्यकाल एक वर्ष का होगा। अध्यक्ष कॉलेज के प्राचार्य होंगे।

2. नये नियमन के तहत शिकायत मिलने के बाद समिति की रिपोर्ट पर कॉलेज के प्राचार्य अथवा यूनिवर्सिटी के उप कुलपति एक्शन लेंगे। जिसके खिलाफ शिकायत होगी उसकी डिग्री रोक दी जाएगी, आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा और आर्थिक दंड लगाया जाएगा। शिकायत झूठी होने पर भी शिकायतकर्ता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले गलत शिकायत करने पर आर्थिक दंड लगाया जाता था, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है।

3. हर कॉलेज में एक इक्विटी स्क्वायड नाम की एक संस्था बनायी जाएगी जिसका काम कॉलेज में निगरानी करना और जाति के आधार पर भेदभाव को रोकना होगा। ख़ास बात यह कि जाति आधारित भेदभाव में केवल एससी, एसटी और पिछड़ी जाति के लोग आएंगे।

4. शिकायत आने पर समता समिति को 24 घंटे के भीतर बैठक बुलाकर 15 दिनों में कॉलेज प्राचार्य को कार्रवाई की सिफारिश करनी होगी। प्राचार्य 7 दिनों के भीतर उप कुलपति को रिपोर्ट करेंगे। 5. समता समिति को हर साल यूजीसी को कार्रवाई रिपोर्ट देनी होगी।

विरोध का बड़ा कारण यह है कि समता समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला और ओबीसी सदस्य होने के कारण उनके छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकेगी, बल्कि उस समुदाय का शिकायतकर्ता होने के कारण अगड़ी जाति (भूमिहार, ब्राह्मण, राजपूत और कायस्थ) के छात्र हमेशा निशाने पर रहेंगे। उनका पक्ष भी नहीं सुना जा सकेगा। नौकरियों में आरक्षण लागू होने के कारण नौकरियां पहले ही उनके हाथ से निकल गईं, अब पढ़ाई करना भी उनके लिए दुष्कर हो जाएगा। फिर, यदि उन पर आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया जाता है तो उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता सूर्यकेश्वर सिंह इसे समाज के लिए आत्मघाती कदम बताते हैं। इसे लेकर करणी सेना ने देशव्यापी विरोध का ऐलान किया है।

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली में जगह-जगह अगड़ी जाति के छात्रों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। कॉलेजों में उथल-पुथल है, विरोध प्रदर्शन जारी है। भाजपा में अगड़ी जाति, जो पार्टी का कोर वोटर रहा है के तीसरी-चौथी पंक्ति के नेताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। एनडीए और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) का कोई बड़ा नेता मुंह खोलने को तैयार नहीं है। 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा देने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस मुद्दे पर मौन हैं। विपक्ष भी हक्का-बक्का है। उसे अपने वोट बैंक की चिन्ता है। हां, विरोध करने वालों की सूची में प्रखर हिन्दू नेता प्रवीण तोगड़िया जरूर शामिल हो गए हैं। हालांकि तोगड़िया की हनक अब पहले की तरह नहीं है। उधर, छात्रों का आंदोलन बढ़ता ही जा रहा है। फिलहाल, पिछड़ी और वंचित जाति के छात्रों की प्रतिक्रिया नहीं आयी है। अगर वह भी मुखर हो गए तो कौन रोकेगा। अगर, समय रहते इस पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो विरोध की आग ज्वालामुखी बन सकती है।

रूस, यूरोप और अमेरिका तक ठंड का कहर

स्नेहा सिंह

दुनिया के उत्तरी गोलार्ध में इस समय हड्डियां जमा देने वाली ठंड पड़ रही है। अमेरिका से लेकर यूरोप, रूस और एशिया के कुछ इलाकों में लोग ठंड से बेहाल हैं। रूस तो मानो पूरी तरह ठिठुर गया है।

आर्कटिक से आने वाली बर्फ जैसी ठंडी हवाओं ने रूस और उसके कई प्रांतों व शहरों को कुल्फी जैसा जमा दिया है। शहरों में विशाल इमारतें, दुकानें और भवन बर्फ से ढंक गए हैं। खासकर रूस की राजधानी मास्को में तापमान माइनस 30 से माइनस 40 डिग्री तक पहुंच गया है।

हाल ही में यहां के एक स्काईस्क्रेपर की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए हैं। पूरा टावर मानो कुल्फी की तरह जम गया हो।

दूसरी ओर अमेरिका की भी एक तस्वीर इंटरनेट मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। वहां इतनी ठंड है कि प्लेट में रखे गरमा-गरम नूडल्स भी फोर्क से उठाते ही कुछ सेकंड में जम गए। नतीजा यह हुआ कि फोर्क हवा में लटकी हुई दिखाई दी।

उल्लेखनीय है कि मास्को का प्रसिद्ध ओस्तान्किनो टावर, जिसकी ऊंचाई 540 मीटर है, उस पर भारी मात्रा में बर्फ जम गई। टावर पर बर्फ गिरने के साथ-साथ बर्फ की एक मोटी परत भी बन गई। पूरी इमारत मानो कुल्फी की तरह जम गई हो।

जानकार मानते हैं कि इस तरह बर्फ गिरना और इतनी बड़ी मात्रा में बर्फ जमना प्राकृतिक नहीं है। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ऋतुचक्र में आए बदलाव ने ठंड की तीव्रता को अत्यधिक बढ़ा दिया है और इसी वजह से इस तरह बर्फ जम रही है। यह परिवर्तन असाधारण और चौंकाने वाला है।

अटलांटिक पार अमेरिका में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं। वहां भी लोग भयंकर ठंड का सामना कर रहे हैं। मिनियापोलिस में तापमान गिरकर माइनस 30 डिग्री तक पहुंच गया था। इसके अलावा ठंडी हवाओं के कारण महसूस होने वाला विंड-चिल तापमान माइनस 43 डिग्री तक दर्ज किया गया।

अमेरिका के इन इलाकों में 'पास्ता एक्सपेरिमेंट' इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इतनी ठंड थी कि हवा में उठाए गए उबले नूडल्स कुछ ही सेकंड में जम जाते थे। लोग फोर्क में नूडल्स उठाकर प्रयोग कर रहे थे। जमे हुए नूडल्स के साथ हवा में लटकी फोर्क और चम्मचों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जानकारों के मुताबिक यह असाधारण और असहनीय ठंड पोलर वॉर्टेक्स में अवरोध पैदा होने के कारण आई है। पोलर वॉर्टेक्स पृथ्वी के ध्रुवों के पास मौजूद ठंडी हवा और लो प्रेशर सिस्टम का एक विशाल नेटवर्क होता है। सामान्य स्थिति में एक मजबूत जेट स्ट्रीम इस ठंडी हवा को आर्कटिक क्षेत्र में ही सीमित रखती है। लेकिन जब यह जेट स्ट्रीम कमजोर पड़ जाती है या अत्यधिक लचीली हो जाती है, तब आर्कटिक की ठंडी हवा दक्षिण की ओर फैलने लगती है। फिलहाल यही स्थिति बनी हुई है और इसी वजह से इन क्षेत्रों में हड्डियां जमा देने वाली ठंड पड़ रही है। विश्व मौसम संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय आर्कटिक ऑसिलेशन का नेगेटिव फेज सक्रिय है। आर्कटिक ऑसिलेशन एक जलवायु पैटर्न है जो तय करता है कि ठंडी हवा उत्तर में सीमित रहेगी या फिर अमेरिका, यूरोप, एशिया और रूस के मध्य अक्षांशों तक फैल जाएगी। समझने वाली बात यह है कि पोलर वॉर्टेक्स का यह नेगेटिव फेज आखिर क्यों सक्रिय हो रहा है। जानकारों का कहना है कि आमतौर पर पोलर वॉर्टेक्स का असर ध्रुवों तक सीमित रहता है, लेकिन ग्लोबल वॉर्मिंग ने ध्रुवीय क्षेत्रों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

इसके कारण ध्रुवों के केंद्र के आसपास बनने वाली स्थिति अब उलटने लगी है। सामान्य तौर पर आर्कटिक क्षेत्र में उच्च दबाव बनता है, जबकि मध्य अक्षांशों में कम दबाव के साथ जेट स्ट्रीम धीमी और अधिक लचीली हो जाती है। नतीजतन आर्कटिक की बेहद ठंडी हवाएं अपने क्षेत्र से बाहर निकलकर यूरोप, एशिया और रूस तक फैल जाती हैं।

मास्को में इमारतों का जम जाना या अमेरिका में नूडल्स का जम जाना इसी का नतीजा है।

उल्लेखनीय है कि तापमान में आए इस अभूतपूर्व बदलाव का असर मानव शरीर पर भी दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार माइनस 40 डिग्री या उससे नीचे के तापमान में यदि शरीर का कोई हिस्सा खुला रह जाए तो सबसे पहले त्वचा को नुकसान होता है। खुला हिस्सा फ्रॉस्टबाइट का शिकार बनता है।

शरीर में वेसोकन्स्ट्रिक्शन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिसमें रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं, ताकि शरीर के मुख्य अंग गर्म रह सकें, लेकिन हाथ-पैरों पर खतरा बढ़ जाता है। औसत व्यक्ति का स्वास्थ्य जोखिम में पड़ने लगता है। इसके साथ-साथ बुनियादी ढांचे पर भी भारी दबाव पड़ता है। स्टील संरचनाओं को अधिक नुकसान होता है। इमारतों में मौजूद नमी जमने लगती है, जिससे बाहरी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंचती है।

इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि पृथ्वी का वायुमंडल बेहद शक्तिशाली और अस्थिर है। कुछ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 2026 का यह आर्कटिक ब्लास्ट कई चेतावनियां और खतरे लेकर आया है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अत्यधिक ठंड के कारण अमेरिका की स्थिति बेहद खराब हो गई है। आर्कटिक हवाओं के चलते मिडवेस्ट और उत्तरी मैदानी इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कई इलाकों में पेड़ों के फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों का दावा है कि भीषण ठंड के कारण 'एक्सप्लोडिंग ट्री' यानी पेड़ों में विस्फोट की घटनाएं बढ़ रही हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि पेड़ ऐसे फट रहे हैं मानो उनमें बम विस्फोट हो गया हो। वहीं कुछ लोग इसे इंटरनेट पर फैली अफवाह मानते हैं। लेकिन कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि यह महज अफवाह नहीं है, बल्कि असहनीय ठंड में ऐसा वास्तव में होता है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों के मुताबिक जब तापमान 20 डिग्री फारेनहाइट से नीचे चला जाता है, तब ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। पेड़ों के भीतर मौजूद तरल पदार्थ भीषण ठंड के कारण जम जाते हैं और बाहर निकलने के लिए कोशिकाओं पर दबाव डालते हैं।

बजट : भारत की आर्थिक दिशा की अग्निपरीक्षा

सुरेश गांधी

हर साल फरवरी का पहला सप्ताह देश की आर्थिक नब्ज़ टटोलने का समय होता है। संसद में पेश होने वाला आम बजट सिर्फ़ सरकार की आय-व्यय तालिका नहीं होता, बल्कि यह उस सोच का आईना होता है, जिससे आने वाले वर्षों का भारत गढ़ा जाना है। बजट 2026–27 भी इसी कसौटी पर खड़ा है—जहाँ एक ओर वैश्विक अनिश्चितताओं का दबाव है, तो दूसरी ओर देश के भीतर महंगाई, रोज़गार, आय असमानता और विकास की आकांक्षाएँ। यह बजट ऐसे समय आ रहा है जब भारत दुनिया की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, लेकिन आम आदमी की जेब अब भी हल्की महसूस हो रही है। ऐसे में सवाल यही है—क्या यह बजट सिर्फ़ आर्थिक वृद्धि के आंकड़े गिनाएगा या उस वृद्धि को आम जीवन में महसूस कराने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा? सरकारी दावों के मुताबिक भारत की जीडीपी वृद्धि दर दुनिया में अग्रणी बनी हुई है। इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था और निवेश के मोर्चे पर भारत ने बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन इसके समानांतर एक सच्चाई यह भी है कि: महंगाई ने घरेलू बजट बिगाड़ा है, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च लगातार बढ़ा है, रोजगार के अवसर अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़े मध्यम वर्ग पर कर और कर्ज़ दोनों का दबाव है. इसी दोहरी सच्चाई के बीच बजट 2026–27 से यह अपेक्षा है कि वह आंकड़ों की सफलता और ज़मीनी सच्चाई के बीच की दूरी को पाटने का प्रयास करेगा। किसी भी बजट की सफलता का पैमाना शेयर बाज़ार की प्रतिक्रिया से नहीं, बल्कि रसोई और घर के खर्च से तय होता है। आम आदमी के लिए बजट का मतलब सीधा है—क्या इस साल ज़िंदगी थोड़ी आसान होगी? बीते वर्षों में मध्यम वर्ग वह तबका रहा है जिसने कर भी दिया, खर्च भी किया और अर्थव्यवस्था को संभाले रखा। लेकिन बदले में उसे राहत कम और दबाव ज़्यादा महसूस हुआ। इस बजट से मध्यम वर्ग को उम्मीद है: आयकर स्लैब में वास्तविक सुधार, स्टैंडर्ड डिडक्शन में बढ़ोतरी, नई कर व्यवस्था को और सरल व आकर्षक बनाना, स्वास्थ्य बीमा और शिक्षा खर्च में कर राहत. यदि सरकार इन मोर्चों पर ठोस कदम उठाती है, तो इसका सीधा असर खपत पर पड़ेगा। जब जेब में पैसा बचेगा, तो बाज़ार चलेगा—और बाज़ार चलेगा, तो उद्योग भी आगे बढ़ेगा।

महंगाई आज सिर्फ़ आर्थिक नहीं, सामाजिक मुद्दा बन चुकी है। दूध, दाल, सब्ज़ी, दवा और शिक्षा—हर चीज़ महंगी हुई है। लेकिन आमदनी उसी रफ्तार से नहीं बढ़ी। बजट से अपेक्षा है कि आवश्यक वस्तुओं पर कर भार कम हो. आपूर्ति श्रृंखला को मज़बूत किया जाए. ईंधन और परिवहन लागत को नियंत्रित करने के उपाय हों. महंगाई पर नियंत्रण न सिर्फ़ आर्थिक स्थिरता, बल्कि सामाजिक संतोष के लिए भी ज़रूरी है। भारत युवा देश है, लेकिन यह युवा शक्ति तभी वरदान बनेगी जब उसे अवसर मिलें। आज की सबसे बड़ी चिंता यही है कि पढ़ाई के बाद नौकरी कहाँ है? अब तक के बजटों में स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों का ज़िक्र हुआ है, लेकिन ज़मीनी असर सीमित रहा है। **बजट 2026–27 से उम्मीद है कि:** एमएसई सेक्टर को वास्तविक प्रोत्साहन. स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मैन्युफैक्चरिंग में बड़े पैमाने पर निवेश. स्टार्टअप्स के लिए टैक्स और फंडिंग में सहूलियत. जब तक छोटे और मध्यम उद्योग मज़बूत नहीं होंगे, तब तक बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा नहीं हो सकता। भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है। किसान अगर परेशान है, तो शहर भी चैन में नहीं रह सकता। **खेती :** लागत, दाम और सम्मान. किसान की समस्या सिर्फ़ उत्पादन की नहीं, बल्कि लागत और उचित मूल्य की है।

नई पीढ़ी, नया साहस मातृत्व का नया विमर्श

कृति आरके जैन

जिस दिन कोई युवती यह कह देती है—"मुझे माँ नहीं बनना", उस दिन समाज की सबसे सुरक्षित मान्यता असुरक्षित हो जाती है। यह वाक्य भावनाओं से नहीं, चेतना से पैदा होता है, इसलिए डराता है। यह उस अदृश्य स्क्रिप्ट को जला देता है, जिसमें स्त्री का भविष्य जन्म के साथ ही लिख दिया गया था। लोग चौंकते इसलिए हैं कि पहली बार स्त्री अपनी देह को विरासत नहीं, निर्णय का क्षेत्र घोषित करती है। यह इंकार न तो आक्रामक है, न ही विद्रोही दिखता है, फिर भी यह सबसे गहरी बगावत है क्योंकि यह बिना चीखे, बिना अनुमति माँगे, व्यवस्था के केंद्र में सीधा सवाल खड़ा कर देता है।

सदियों से स्त्री को यह पाठ पढ़ाया गया कि उसका अस्तित्व स्वयं के लिए नहीं, दूसरों की जरूरतों के लिए है—पहले परिवार, फिर पति और अंततः संतान के लिए। मातृत्व को इतना ऊँचा उठाया गया कि उसके भार तले स्त्री की पहचान दबकर रह गई। उसे सिखाया गया कि त्याग उसका सौंदर्य है और सहनशीलता उसका स्वभाव। आज की बेटियाँ इसी शिक्षा को जाँच की निगाह से देख रही हैं। वे पूछ रही हैं—यदि त्याग ही स्त्री की नियति है, तो पुरुष की नियति क्या है? यह प्रश्न किसी एक भूमिका पर नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक संरचना पर सीधा प्रहार करता है।

शिक्षा ने इन सवालों को भाषा दी है और चेतना ने उन्हें निडरता। आज की युवा महिलाएँ जीवन को केवल निभाने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीने का अधिकार मानती हैं। वे जानती हैं कि मातृत्व भावनाओं का उत्सव भी हो सकता है, लेकिन प्रायः यह अदृश्य श्रम, लगातार थकान और स्वयं से मिटते जाने की प्रक्रिया भी बन जाता है। वे साफ देखती हैं कि बराबरी के दावे संकट के समय सबसे पहले टूटते हैं। जब मातृत्व की कीमत एकतरफा वसूली जाए, तब उससे इंकार करना स्वार्थ नहीं, बल्कि न्याय की स्पष्ट माँग बन जाता है। आर्थिक यथार्थ इस निर्णय को और ठोस बना देता है। आज का समय महँगा है, अनिश्चित है और अस्थिर है। एक बच्चे का पालन-पोषण अब केवल प्रेम का विस्तार नहीं, बल्कि वर्षों तक चलने वाला आर्थिक दबाव है। नौकरी छोड़ना, अवसर खोना और निर्भरता स्वीकार करना अब भी ज़्यादातर स्त्रियों के हिस्से आता है। युवा महिलाएँ इस गणित को भावनाओं से नहीं, विवेक से हल करती हैं। वे पूछती हैं—क्या मातृत्व का अर्थ आर्थिक असुरक्षा को स्थायी बनाना होना चाहिए? यह सवाल सुंदर नहीं, लेकिन सच है। मानसिक स्वास्थ्य वह सच है जिसे सबसे लंबे समय तक दबाया गया। माँ को देवी बनाकर उसकी थकान को अदृश्य कर दिया गया। प्रसवोत्तर अवसाद, अकेलापन और हर हाल में "अच्छी माँ" बने रहने का दबाव वर्षों तक मौन में छिपा रहा। नई पीढ़ी की महिलाएँ इस चुप्पी को तोड़ रही हैं। वे स्वीकार कर रही हैं कि हर स्त्री माँ बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होती, और यह स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। वे साफ कहती हैं—यदि मातृत्व के नाम पर स्वयं को खोना पड़े, तो स्वयं को बचाना अधिक ज़रूरी है।

पर्यावरणीय चेतना ने इस बहस को निजी दायरे से बाहर निकालकर वैश्विक धरातल पर ला खड़ा किया है। जलवायु संकट, सिकुड़ते संसाधन और भविष्य की भयावह अनिश्चितता के बीच अनेक युवतियाँ यह कठोर प्रश्न उठा रही हैं कि क्या ऐसे संसार में बच्चे को जन्म देना नैतिक रूप से उचित है। उनके लिए माँ न बनना जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे गंभीरता से लेना है। वे मातृत्व को केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि पृथ्वी पर पड़ने वाले उसके प्रभाव के संदर्भ में देखती हैं। यह दृष्टि भावनाओं से नहीं, विवेक से उपजी है, और शायद इसी कारण यह पारंपरिक सोच को असहज करती है। समाज की प्रतिक्रिया आज भी कटु और दंडात्मक है। कहा जाता है कि वे अधूरी हैं, स्वार्थी हैं, या भविष्य में पछताएँगी। लेकिन ये आरोप स्त्री के नहीं, समाज के भय को उजागर करते हैं—उस भय को, जो उसे स्त्री की स्वायत्तता से लगता है। नई पीढ़ी की महिलाएँ अब स्पष्टीकरण नहीं देतीं। वे जानती हैं कि जीवन की पूर्णता किसी एक भूमिका में कैद नहीं होती। वे रिश्तों, सृजन, सामाजिक सहभागिता और आत्मसम्मान में भी जीवन का अर्थ तलाशती हैं। उनका आत्मविश्वास इसलिए चुभता है, क्योंकि यह नियंत्रण और आदेश की भाषा को सिरे से नकार देता है।

यह विमर्श मातृत्व के विरोध में नहीं, बल्कि उसके एकाधिकार के विरुद्ध खड़ा है। नई पीढ़ी माँ बनने की संभावना को नकार नहीं रही, बल्कि उसे अनिवार्यता से मुक्त कर रही है। वे साफ कहती हैं—माँ बनना तभी अर्थपूर्ण है जब वह इच्छा से जन्म ले, भय या दबाव से नहीं। यह सोच स्त्री को पहली बार सम्पूर्ण मनुष्य के रूप में स्वीकार करती है, न कि केवल भविष्य की जननी के रूप में। जब चयन स्वतंत्र होगा, तभी मातृत्व भी सच्चे अर्थों में सम्मान का पात्र बनेगा। "बेटियाँ जो माँ नहीं बनना चाहतीं" कोई क्षणिक फैशन नहीं, बल्कि चेतना की नई क्रांति है। यह बदलाव असहज है, क्योंकि यह उन गहरी और पक्की मान्यताओं को चुनौती देता है जिनमें समाज ने सदियों तक स्त्री को बाँध रखा था। इतिहास सिखाता है कि हर बड़ा परिवर्तन पहले बेचैनी और अव्यवस्था लाता है।

अजित पवार, विजय रूपाणी, राजशेखर रेड्डी...

अब तक कितने नेताओं ने प्लेन क्रैश में गंवाई जान?

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का बुधवार को एक प्लेन क्रैश में निधन हो गया। उनका चार्टर्ड प्लेन बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। देश में पहले भी विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में कई बड़े नेताओं ने अपनी जान गंवाई है। दुर्भाग्य से कई बार तकनीकी खराबी, मौसम या किसी और वजह से कई दुर्घटनाएं हुई हैं। अब तक इस तरह के हादसों में किन-किन नेताओं की मौत हुई है, इस बारे में विस्तार से चर्चा करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी | माधवराव सिंधिया | संजय गांधी | सीएम अजित पवार | मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी | जीएमसी बालयोगी

विजय रूपाणी- 12 जून 2025

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 12 जून 2025 में अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान दुर्घटना में नहीं बचे। विजय रुपाणी अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे, लेकिन इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। ये भारत का एक बड़ा विमान हादसा था, जिसमें प्लेन रनवे से कुछ ही दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त होकर एक कॉलेज हॉस्टल से टकराया और 241 लोगों की जान चली गई। इस हादसे में सिर्फ एक शख्स की जान बची।

वाईएस राजशेखर रेड्डी- 2 सितंबर 2009

आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी हेलीकॉप्टर उड़ाते समय नल्लमाला जंगल में हादसे का शिकार हो गए। उनका विमान मलबे के रूप में मिला। माना जा रहा था कि खराब मौसम की वजह से उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ।

डीओ खंडू- 30 अप्रैल 2011

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री दोरजी खांडू ने भी विमान हादसे में अपनी जान गंवाई। वो 30 अप्रैल, 2011 को हेलीकॉप्टर से ट्रैवल कर रहे थे। उनका पवन हंस हेलीकॉप्टर ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूटने की वजह से हादसे का शिकार हो गया था। ये हादसा तवांग से इटानगर के बीच हुआ। उनका शव 5 दिन बाद में जंगल के पास मिला। पांच दिन बाद विमान का मलबा तवांग में मिला था।

जीएमसी बालयोगी- 3 मार्च 2002

लोकसभा के अध्यक्ष और तेलुगु देशम पार्टी के नेता जीएमसी बालयोगी हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे। हेलीकॉप्टर ऊंचे पेड़ों से टकराने की वजह से क्रैश हो गया।

ओम प्रकाश जिंदल और सुरेन्द्र सिंह- 31 मार्च 2005

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री और जिंदल समूह के चेयरमैन ओपी जिंदल और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेन्द्र सिंह एक हेलीकॉप्टर क्रैश में मारे गए। उनका हेलीकॉप्टर दिल्ली से चंडीगढ़ जा रहा था। इस बीच हेलीकॉप्टर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दुर्घटना का शिकार हुआ।

संजय गांधी- 23 जून 1980

कांग्रेस नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी भी विमान हादसे में मारे गए। उन्हें खुद विमान उड़ाना पसंद था। एक ग्लाइडर उड़ान के दौरान वो कंट्रोल खो बैठे और विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

माधवराव सिंधिया- 30 सितं. 2001

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री माधवराव सिंधिया प्राइवेट प्लेन से रैली के लिए कानपुर जा रहे थे, उस वक्त विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में लगभग सभी सवारियों की मौत हो गई।

सुरेंद्र नाथ- 9 जुलाई 1994

राज्यपाल के रूप में सेवा कर रहे सुरेंद्र नाथ विमान दुर्घटना में मारे गए थे। एक सरकारी विमान हिमाचल प्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमें वो और उनके परिवार के कई सदस्य भी शामिल थे।

हावड़ा अग्निकांड: अब तक 11 की मिली लाश, 20 से अधिक लापता; गोडाउन में खाना बनाते वक्त लगी थी आग

खड़गपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हावड़ा जिला अंतर्गत नरेंद्रपुर थाने के नाजिराबाद इलाके में थर्मोकोल के एक गोडाउन में लगी भीषण आग के बाद स्थिति और भयावह होती जा रही है। मलबे से और जले हुए शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि पूर्व मेदिनीपुर जिले के कम से कम 14 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कुल लापता लोगों की संख्या 20 से अधिक हो सकती है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपए की मुआवजे की घोषणा की है। रविवार देर रात करीब ढाई बजे थर्मोकोल गोडाउन से अचानक धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। थर्मोकल के अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया और पास स्थित एक आनलाइन विपणन कंपनी के गोडाउन तक फैल गई। वहां रखी कोल्ड ड्रिंक्स व अन्य ज्वलनशील सामग्री के कारण विस्फोट जैसी आवाजें सुनाई दीं,

आनंद विहार आईएसबीटी से हटेंगे स्ट्रीट वेंडर, हाईकोर्ट ने एमसीडी को दिया आदेश

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के बाहर संचालित सभी अनाधिकृत स्ट्रीट वेंडरों को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने आनंद विहार आईएसबीटी के पास अत्यधिक भीड़भाड़ और वेंडिंग नियमों के उल्लंघन को देखते हुए यह पाया कि वहां केवल 105 मान्यता प्राप्त विक्रेताओं को ही सख्त शर्तों के तहत वहां अपना व्यवसाय जारी रखने की अनुमति दी जाएगी।

कोर्ट ने एमसीडी को निर्देश दिया कि संबंधित क्षेत्र के एसएचओ या डीसीपी के साथ मिलकर सभी विक्रेताओं को हटाने के लिए उचित कदम उठाएं। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि विक्रेताओं को अपना सामान हटाने के लिए कम से कम पांच से छह दिन का पर्याप्त समय दिया जाएगा। इसलिए, एमसीडी को 30 जनवरी, 2026 तक विक्रेताओं को इस न्यायालय के निर्देशों से अवगत कराने के लिए उचित कदम उठाने का समय दिया जाता है। इसके बाद 31 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताहांत से, वेंडरों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इसके अलावा, पीठ ने कहा कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद, एमसीडी और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) क्षेत्र के लिए एक सौंदर्यीकरण योजना तैयार करेंगे और भोजनालयों, स्वच्छता सुविधाओं और कुछ दुकानों के लिए उचित स्थान आवंटित करेंगे। कोर्ट ने उक्त आदेश महिला हॉकर वेलफेयर एसोसिएशन की एक दशक से लंबित याचिका पर दिया।

सुबह-सुबह चाय की दुकान में सिलिंडर फटने से हुआ धमाका, गंभीर घायल दो लोग हायर सेंटर रेफर

रुड़की, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर चुंगी स्थित एक चाय की दुकान में बुधवार सुबह गैस सिलिंडर फट गया, जिससे आग लग गई। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना सुबह करीब पांच बजे की बताई जा रही है, जब चाय की दुकान पर कुछ लोग मौजूद थे। अचानक गैस सिलिंडर में विस्फोट हुआ, जिससे दुकान का कुछ हिस्सा टूट फूट गया, दुकान में आग की लपटें उठने लगीं। मौके पर मौजूद दो लोग मलबे और आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और उन्हें रुड़की के सिविल अस्पताल पहुंचाया।

द्वारका कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप; पुलिस कर रही जांच

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के द्वारका कोर्ट में आज सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब कोर्ट परिसर में बम रखे होने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गया। बम की धमकी मिलने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं।

साइबर सेल धमकी भरे मेल की जांच कर रही है। साइबर सिटी में 13 निजी स्कूलों में बुधवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी कर दी और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित स्कूलों में पुलिस की टीमों ने पहुंचकर सर्च अभियान शुरू कर दिया। स्कूलों में बुधवार सुबह धमकी भरा ईमेल उस समय मिला, जब बच्चे स्कूल पहुंच रहे थे या पहुंच चुके थे। धमकी भरी ईमेल स्कूलों को अलग-अलग समय में मिली हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीमों के साथ ही बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एसडीआरएफ की टीमों ने संबंधित स्कूलों में पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। जांच टीमों ने स्कूल परिसरों के साथ-साथ आसपास के संवेदनशील इलाकों में भी सघन तलाशी अभियान चलाया।

ठंड में बच्चों को नीचे बिठाया, रद्दी वाले कागज पर परोसा हलवा-पूड़ी, सिस्टम की खुली पोल

मैहर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मैहर के भटगवां सरकारी हाई स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित 'विशेष' मिड डे मील की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया में हड़कंप मच गया। छात्र फर्श पर फटे कागजों पर खाना खाते दिखाई दिए, जिससे नेटिज़न्स ने नाराज़गी व्यक्त की और कांग्रेस ने भी राज्य सरकार पर आलोचना की। सोशल मीडिया पर कुछ सेकंड का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें छात्रों को फर्श पर कागज पर खाना खाते हुए देखा जा सकता है। यह भी पता चला है कि छात्रों को पुरानी नोटबुक के पन्नों को फाड़कर खाना दिया गया। स्थानीय मीडिया सूत्रों के मुताबिक, कड़ाके की ठंड में छात्रों को खुले में खाना खिलाया गया। फर्श पर नोटबुक के पन्ने फाड़कर रखे गए थे। पेन की स्याही से लिखे गए उन पन्नों पर ही पूड़ी और सूजी का हलवा परोसा गया। छात्रों ने उसी तरह खाना शुरू कर दिया।इस पूरी घटना में एक बार फिर मिड डे मील योजना के प्रबंधन, सुरक्षा और सबसे बढ़कर सरकारी स्कूलों के छात्रों के प्रति अभद्र व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं। कई लोगों ने इस बात पर भी गुस्सा जताया है कि पेन की स्याही से लिखे गए कागज पर खाना क्यों परोसा गया। कई लोगों ने चिंता व्यक्त की है कि पेन की स्याही में जहरीले रसायन होते हैं। अगर यह भोजन के साथ पेट में चला जाता है तो बच्चे बीमार हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, पेन की स्याही में हानिकारक रसायन पेट में जाने पर कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की चार साल पहले हुई थी शादी ढाई महीने पहले आई थीं गांव

जौनपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया है। विमान में सवार अन्य चार लोग भी इस हादसे में नहीं बच पाए। यह दुर्घटना तब हुई जब एनसीपी नेता अजित पवार (66) और अन्य लोगों को ले जा रहा विमान बारामती में रनवे के पास क्रैश लैंड हो गया। हादसे में जान गंवाने वालों में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की पिंकी माली भी शामिल हैं। घटना की जानकारी होते ही उनके गांव में लोग हैरान रह गए। लोगों का कहना है कि पिंकी काफी मिलनसार थीं। फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली जिले के केराकत तहसील के भैंसा गांव की रहने वाली थी।

आरजी कर केस: पीड़िता के माता-पिता का दावा: बीजेपी-टीएमसी समेत कई दलों ने दिया चुनाव लड़ने का ऑफर

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त 2024 को महिला डॉक्टर के साथ हुए क्रूर रेप और हत्या की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया था। यह मामला न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल बन गया, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मचा गया। अब विधानसभा चुनाव से पहले मृतक महिला डॉक्टर के माता-पिता ने ऐसे खुलासे किए हैं, जिसने एक बार फिर इस मामले को सुर्खियों में ला दिया है। इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस ने की थी, जिसे बाद में सीबीआई का समर्थन मिला।

केंद्रीय एजेंसी ने भी यही निष्कर्ष निकाला कि इस जघन्य अपराध का दोषी केवल संजय राय है। अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, मृतक महिला डॉक्टर का परिवार इस फैसले से संतुष्ट नहीं है। उनका कहना है कि सच्चाई अभी पूरी तरह सामने नहीं आई है और मामले में

कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।

प्रस्ताव ठुकराने के बाद टूटा संपर्क- पिता का दावा

मृतक महिला डॉक्टर के पिता ने बड़ा राजनीतिक आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी की ओर से एक प्रस्ताव दिया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा,"पहले जैसा कोई संपर्क नहीं है। शुभेंदु अधिकारी ने हमें एक प्रस्ताव दिया था। हमने उसे अस्वीकार कर दिया। शायद इसी वजह से अब वे हमसे उस तरह संपर्क नहीं करना चाहते।" उन्होंने आगे दावा किया कि बीजेपी कार्यालय से उन्हें फोन कर बुलाया गया था। "साल्ट लेक पार्टी ऑफिस में हमें बुलाया गया। हम एक घंटे तक बैठे रहे, लेकिन कोई हमसे मिलने नहीं आया। कॉल रिकॉर्ड आज भी मेरे पास मौजूद है।"

बीजेपी नेतृत्व पर भी गंभीर आरोप

पिता ने आरोप लगाया कि केवल शुभेंदु अधिकारी ही नहीं, बल्कि बीजेपी के अन्य नेता भी उनसे मिलने से बचते रहे। उन्होंने कहा कि उन्हें बुलाकर अनदेखा किया गया, जिससे उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इन आरोपों ने राजनीतिक हलकों में नई बहस को जन्म दे दिया है।

मृतक महिला डॉक्टर की मां ने भी सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ बीजेपी ही नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस और सीपीएम सहित कई राजनीतिक दलों ने उन्हें चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा, "हमें सभी ने चुनाव लड़ने के लिए कहा है। यहां तक कि तृणमूल ने भी पहले पैसे की पेशकश की थी। उसके बाद चुनाव लड़ने को कहा गया।

बीजेपी और सीपीएम ने भी यही कहा।" मां का कहना है कि राजनीतिक दल इस दर्दनाक घटना को अपने-अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं। बेटी अब कभी वापस नहीं आएगी। माता-पिता आज भी न्याय की तलाश में भटक रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें सच जानना है, न कि राजनीतिक प्रस्ताव। यह सवाल अब भी कायम है कि क्या आर जी कर मेडिकल कॉलेज कांड का पूरा सच कभी सामने आएगा? या यह मामला भी राजनीति की भेंट चढ़ जाएगा?

500 करोड़ का विवाद : दिल्ली में दर्ज कराया धोखाधड़ी का केस; हैरान करने वाला मामला

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट से जुड़े विवाद मामले में फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर सिंह की पत्नी जपना सिंह ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में अमानत में खयानत व धोखाधड़ी आदि कई धाराओं के तहत केस दर्ज कराया है। उन्होंने दूसरे पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह (ननद) समेत अन्य पर ट्रस्ट से गैर-कानूनी तरीके से हटाने का आरोप लगाया है। जपना ने शिकायत की कि उनकी शिकायत का आधार पिछले साल 10 जुलाई की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट व प्रोजेक्ट प्रिज्म है, जिसे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म ने तैयार किया था।

रिपोर्ट में सिस्टम में गड़बड़ी, रिकार्ड में हेराफेरी और जानबूझकर की गई कार्रवाइयों का ब्योरा दिया गया है, जिनका मकसद कथित तौर पर सोसाइटी की मेंबरशिप स्ट्रक्चर और गवर्नेंस को गैर-कानूनी तरीके से बदलना था। एफआइआर के मुताबिक, एफएलटी एलटी राजन ढल चैरिटेबल सोसाइटी की संपत्तियों में हॉस्पिटल का इंफ्रास्ट्रक्चर, मेडिकल उपकरण और वसंत कुंज में एक प्राइम प्लाट शामिल है, जिसकी जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये है। फोर्टिस हॉस्पिटल्स लिमिटेड के साथ 2013 के एक एग्रीमेंट के तहत, सोसाइटी हॉस्पिटल के आपरेशन से होने वाले सालाना सरप्लस रेवेन्यू का 15 प्रतिशत पाने की हकदार है।

सोसाइटी सालाना लगभग 30 करोड़ रुपये का नियमित रेवेन्यू कमाती है, जिससे यह आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण संस्था बन जाती है। शिकायत में कहा गया है कि सोसाइटी की गवर्नेंस में मेंबर होने के नाते एक स्टेकहोल्डर के तौर पर उन्हें दस्तावेज में हेरफेर और अन्य गैर-कानूनी तरीकों से हटाया गया। शिकायत में दावा किया गया कि इस तरह कई अन्य वैध सदस्यों को भी हटाया गया। जपना सिंह और अन्य वैध सदस्यों को सोसाइटी की मेंबरशिप से हटाने के पीछे आरोपितों का आपराधिक मकसद बेईमानी और धोखे की नीयत से सोसाइटी की बड़ी संपत्तियों और रेवेन्यू पर गैर-कानूनी तरीके से पूरा कंट्रोल हासिल करना है।

हसबैंड की 17000 रुपये पगार, 400 की एक कॉफी गटक जाती थी बीवी... पति की जीभ काटने वाली की कहानी बेहद अजीब

गाजियाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में एक पत्नी की क्रूरता ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। संजयपुरी इलाके में रहने वाले 26 वर्षीय विपिन अब कभी नहीं बोल पाएगा। पत्नी ईशा ने आपसी विवाद के दौरान विपिन की जीभ को दांतों से काटकर शरीर से अलग कर दिया। डॉक्टर विपिन की जीभ जोड़ने में नाकाम रहे हैं और अब उसकी आवाज हमेशा के लिए छिन चुकी है। यानि अब कितनी भी कोशिश कर ले, मगर विपिन कभी बोल नहीं पाएगा। विपिन के घर का मंजर दिल दहला देने वाला है। विपिन चारपाई पर दर्द से कराह रहा है। जबकि परिवार ने उनकी कटी हुई जीभ के टुकड़े को कपड़े में लपेटकर फ्रिज में रखा हुआ है। विपिन के भाई सनी का कहना है कि उन्होंने यह टुकड़ा इसलिए संभाल कर रखा है ताकि भविष्य में पुलिस या कोर्ट में आरोपी पत्नी के खिलाफ पुख्ता सबूत पेश किया जा सके। विपिन के परिवार और दोस्तों ने ईशा के चरित्र और उसके द्वारा किए जा रहे मानसिक उत्पीड़न को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। विपिन के दोस्त बॉबी के अनुसार, ईशा शादी के पहले दिन से ही विपिन को छूने तक नहीं देती थी। वह अक्सर विपिन को अपमानजनक शब्द (नामर्द) बोलकर प्रताड़ित करती थी। पीड़ित विपिन वेल्डिंग फैक्ट्री में 17-18 हजार की मजदूरी करता था, जबकि ईशा को शराब, सिगरेट और महंगे रेस्टोरेंट में पार्टियों का शौक था। वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ घूमने के लिए विपिन से पैसे मांगती थी और 400 रुपये की कॉफी पीने जैसे ऊंचे शौक रखती थी। विपिन के कमरे की अलमारी से सिगरेट के टुकड़े और गर्भपात की दवाइयां मिली हैं, जिससे परिवार का दावा है कि ईशा कभी मां नहीं बनना चाहती थी। और इस रिश्ते को खत्म करना चाहती थी। विपिन के पिता रामौतार ने बताया कि उन्होंने बैंक से 10 लाख रुपये का लोन लेकर यह शादी की थी। शादी के समय पंडित ने कुंडली मिलान के बाद चेतावनी दी थी कि गुण नहीं मिल रहे हैं,

लेकिन बिचौलिए के दबाव में आकर उन्होंने शादी कर दी। अब उनका बेटा अपाहिज हो चुका है और ऊपर से लड़की पक्ष दहेज का झूठा केस लगाने की धमकी दे रहा है। मेरठ के सुभारती अस्पताल के डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि जीभ की रक्त कोशिकाएं पूरी तरह कट चुकी हैं। टांके लगाकर जख्म तो भर दिया जाएगा, लेकिन प्लास्टिक सर्जरी के बावजूद विपिन पहले की तरह कभी नहीं बोल पाएगा। विपिन की मां गीता की शिकायत पर मोदीनगर पुलिस ने आरोपी पत्नी ईशा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उसे 20 जनवरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पद्म श्री सम्मान की घोषणा के तुरंत बाद गुजरात के लोक कलाकार हाजी रामकडू के नाम पर बीजेपी नेता ने उठाए सवाल

अहमदाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के बीजेपी पार्षद संजय जमनादास मनवर ने प्रदेश में जारी मतदाता संशोधन कार्यक्रम (एसआईआर) के बीच एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। बीजेपी पार्षद ने एक ऐसे शख्स का नाम मतदाता सूची से हटाने की मांग कर दी, जिसे सिर्फ 48 घंटे पहले पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बीजेपी नेता ने हाजी रामकडू का नाम मतदाता सूची से हटवाने की मांग की है, जो लोक कलाकार हैं।

हाजी रामकडू ने अब सरकार से इस मामले में दखल देने और आगे किसी अन्य शख्स के साथ ऐसा न हो इसकी व्यवस्था करने की अपील की है। बीजेपी पार्षद संजय मनवर ने हाजी रामकडू का नाम मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाला फॉर्म 7 दाखिल किया है, जिससे इलाके की राजनीति गरमा गई है। दरअसल, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित मीर हाजीभाई कसमभाई को लोग हाजी रामकडू के नाम से जानते हैं। नेताजी को इसी बात से आपत्ति है।

'भारी मन से प्रयाग से लौटना पड़ रहा, न्याय का इंतजार'

अविमुक्तेश्वरानंद का धरना होगा खत्म, क्यों लिया ये फैसला?

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में माघ मेले के दौरान हुए स्नान विवाद के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने संगम नगरी से वापस लौटने का फैसला कर लिया है। अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या के पावन स्नान से मेला पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस पर आरोप लगे कि उनके शिष्यों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। इस घटना के विरोध में शंकराचार्य बीते 10 दिनों से धरने पर बैठे थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि वे अन्याय को अस्वीकार करते हैं और न्याय का इंतजार करेंगे। आज स्वर बोझिल हैं और शब्द साथ नहीं दे रहे हैं। भारी मन लेकर प्रयाग से लौटना पड़ रहा है। प्रयाग में जो घटित हुआ उसने झकझोर दिया है। मन अत्यंत व्यथित है, बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय की प्रतीक्षा कभी समाप्त नहीं होती, लेकिन आत्मसम्मान से समझौता स्वीकार नहीं है।

'प्रशासन की ओर से एक प्रस्ताव भेजा गया था'

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि आज सुबह प्रशासन की ओर से एक प्रस्ताव भेजा गया था। प्रस्ताव में कहा गया था कि जब भी वे स्नान के लिए जाना चाहें, उन्हें ससम्मान पालकी के साथ स्नान के लिए ले जाया जाएगा। यह भी जिक्र था कि उस दिन मौजूद अधिकारी खुद स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगे और पुष्प वर्षा की जाएगी। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

'प्रस्ताव में क्षमा के कोई शब्द नहीं'

शंकराचार्य ने कहा कि प्रस्ताव में क्षमा के कोई शब्द नहीं थे, जबकि उनके अनुसार मूल मुद्दा यही है कि संतों, सन्यासियों और बटुकों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हुआ, उसके लिए प्रशासन को सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए। अगर आप अपनी गलती के लिए क्षमा याचना कर सकते हैं, तब तो ठीक, नहीं तो कोई अन्य प्रस्ताव मंजूर नहीं। शंकराचार्य के मुताबिक, वे लगभग दस दिन से अपने शिविर के बाहर बैठे रहे और इसी दौरान विरोध जारी रखा। उनका कहना है कि जब उन्होंने लौटने का निर्णय किया, उसके बाद ही प्रशासन की ओर से प्रस्ताव सामने आया। अब भारी मन से जा रहे हैं।

पाकिस्तान की 4 पनडुब्बियों ने बढ़ाई भारत की टेंशन

अरब सागर से हिंद महासागर तक खतरा

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी नौसेना इन दिनों एक क्षेत्र में भारतीय नौसेना से चार गुना आगे निकल गई है। यह क्षेत्र एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम से लैस पनडुब्बियों की तैनाती का है। पाकिस्तानी नौसेना एआईपी तकनीक से लैस चार पनडुब्बियों का संचालन कर रही है। वहीं, भारतीय नौसेना अभी भी इस सिस्टम से लैस पहली पनडुब्बी को पाने के इंतजार में है। पाकिस्तानी नौसेना की एआईपी सिस्टम से लैस ये पनडुब्बियां तेजी से बदलते हालात के दौरान भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। इन पनडुब्बियों को डिटेक्ट करना भारतीय नौसेना के लिए टेढ़ी खीर हो सकता है। ऐसे में पाकिस्तान अरब सागर, हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी तक अपनी पनडुब्बियों को आसानी से तैनात कर सकता है।

एआईपी सिस्टम क्या है

एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को सतह पर आए बिना या स्नोर्कल का उपयोग किए बिना, हफ्तों तक पानी के नीचे रहने और काम करने में सक्षम बनाता है। यह सिस्टम पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की बैटरी को रिचार्ज करके, उन्हें अधिक शांत और दुश्मन के रडार से छिपने में बेहतर बनाता है। एआईपी तकनीक के साथ, पनडुब्बियों को हवा लेने के लिए बार-बार सतह पर आने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे उनकी पानी के भीतर रहने की क्षमता बढ़ जाती है। यह पारंपरिक डीजल इंजनों की तुलना में बहुत कम शोर पैदा करती है, जिससे दुश्मन के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

पनडुब्बी का नाम

1. पीएनएस हैंगोर
2. पीएनएस शुशुक
3. पीएनएस मैंग्रो
4. पीएनएस गाजी

पाकिस्तान वर्तमान में एआईपी सिस्टम से लैस चार पनडुब्बियों का संचालन कर रहा है। ये सभी पनडुब्बियां चीन में बनी हैं। यह चीन की युआन-श्रेणी (टाइप 039ए परिवार) पनडुब्बी का एक्सपोर्ट वेरिएंट है।

पाकिस्तान ने अप्रैल 2015 में चीन से आठ पनडुब्बियों की खरीद स्वीकार की थी। समझौते के अनुसार, चार पनडुब्बियों का निर्माण पाकिस्तान की केएस एंड ईडब्ल्यू फैक्ट्री में किया जाएगा, जबकि अन्य चार का उत्पादन चीन में हो चुका है। शुरुआती योजना के अनुसार 2022 और 2028 के बीच 8 पनडुब्बियां डिलीवरी की जानी थीं, हालांकि अभी तक सिर्फ चार पनडुब्बियों की डिलीवरी हो सकी है। भारतीय नौसेना व्यापक पैमाने पर एंटी सबमरीन वायरफेयर सिस्टम को ऑपरेट करती है। इसमें सोनबॉय, मैग्नेटिक एनोमली डिटेक्शन सिस्टम, एंटी शिप मिसाइलों से लैस पी-8आई पोसाइडन विमान, तटीय निगरानी के लिए विशेष सोनार और टॉरपीडो से लैस स्वदेशी रूप से निर्मित कमोर्ता क्लास के एंटी सबमरीन वारफेयर शिप शामिल हैं।

ट्रम्प बोले- दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा

नए समझौते पर सहमति का दबाव बनाया एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंच चुका है

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ शिकंजा और कसने की तैयारी में है। अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है।

मंगलवार को दिए एक भाषण में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, इसकी उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान को नए समझौते पर सहमत किया जा सकता है।

एक हफ्ते पहले भी ट्रम्प ने इसी तरह का बयान देते हुए कहा था कि एक बड़ा अमेरिकी सैन्य बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' मिडिल ईस्ट में पहुंच चुका है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहा कि ईरान के साथ स्थिति अभी बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास वेनेजुएला से बड़ा आर्मडा (बेड़ा) है।'

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करना चाहते हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बात करने के लिए उत्सुक है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। अगर ईरान संपर्क करता है और शर्तें मानता है तो बात होगी। इस महीने अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने समझौते के लिए शर्तें बताई हैं-

ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते संयुक्त व्यापक कार्य योजना से अमेरिका को पूरी तरह बाहर निकाल लिया था।

यह समझौता ओबामा प्रशासन के समय में जुलाई 2015 में हुआ था, जिसमें ईरान, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ शामिल थे। समझौते के तहत ईरान ने अपनी परमाणु गतिविधियों पर कई सख्त सीमाएं लगाई थीं, जैसेः

ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपनाते हैं ट्रम्प

इसके बदले में ईरान को अमेरिका और अन्य देशों ने लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में छूट दी, खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और व्यापार पर। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ था।

ट्रम्प ने चुनाव प्रचार में ही इस समझौते को दुनिया का सबसे खराब समझौता कहा था। उनका कहना था कि यह समझौता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सिर्फ टालता है, खत्म नहीं करता।

ईरान ने समझौते में बुरे इरादे से हिस्सा लिया और पहले अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम छिपाया था। उन्होंने कहा था कि समझौता ईरान के अन्य बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी ग्रुप्स को समर्थन, आतंकवाद और अमेरिकियों की हिरासत पर रोक नहीं लगाता।

क्यूबा सरकार गिरने के कगार पर

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि 'क्यूबा बहुत जल्दी असफल होने वाला है।' उन्होंने यह बयान इसलिए दिया क्योंकि वेनेजुएला- जो क्यूबा को तेल और धन देता था- अब मदद नहीं कर रहा है। जनवरी की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में एक सैन्य अभियान चलाया और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को एक ऑपरेशन में पकड़ लिया।

ट्रंप का कहना है कि इसके बाद वेनेजुएला अब क्यूबा को तेल और पैसा नहीं भेज रहा है- और यही क्यूबा की अर्थव्यवस्था का बड़ा सहारा था। उन्होंने कहा कि क्यूबा 'असल में एक ऐसा देश है जो लगभग फेल होने वाला है।'

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि वेनेजुएला में मादुरो की गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी। मानवाधिकार विशेषज्ञों ने ट्रंप की प्रतिक्रिया को साम्राज्यवाद जैसा बताया और कहा कि अमेरिका मुख्य रूप से तेल और सत्ता को नियंत्रित करने पर ध्यान दे रहा है। जब ट्रंप ने सुझाव दिया था कि कम्युनिस्ट शासित द्वीप को अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहिए, इस पर क्यूबा के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के पास क्यूबा के साथ कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि वह उसे किसी समझौते के लिए मजबूर करे।

क्यूबा पहले से अर्थव्यवस्था संकट में है, बिजली कटौती और तेल की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मेक्सिको ने हाल ही में तेल सप्लाई रद्द कर दिया, जिससे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं। पर्यटन भी घट गया है, जिससे राजस्व में भारी गिरावट हुई है। अपने गहरे होते ऊर्जा और आर्थिक संकट में, क्यूबा मैक्सिको, रूस और - पहले - वेनेजुएला जैसे सहयोगियों से मिलने वाली विदेशी सहायता और तेल शिपमेंट पर काफी हद तक निर्भर रहा है।

जेल में अंधे हो सकते हैं इमरान खान

पीटीआई बोली– पूर्व पीएम को तुरंत इलाज की जरूरत, देर हुई तो रोशनी खो देंगे

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने गंभीर चेतावनी दी है।

पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा है कि अगर इमरान खान को तुरंत और सही इलाज नहीं मिला, तो उनकी एक आंख की रोशनी स्थायी रूप से जा सकती है और वे अंधे भी हो सकते हैं।

पीटीआई के मुताबिक इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन (सीआरवीओ) नाम की बीमारी पाई गई है। जेल में डॉक्टरों की जांच में इस बीमारी को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया गया है।

पार्टी ने कहा कि मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय में सही इलाज नहीं मिलने पर इमरान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी का आरोप है कि मेडिकल सलाह के बावजूद रावलपिंडी की अडियाला जेल का प्रशासन इमरान खान का इलाज जेल के अंदर ही कराने पर अड़ा हुआ है।

पीटीआई ने डॉक्टरों के हवाले से कहा है कि इस बीमारी के इलाज के लिए ऑपरेशन थिएटर और विशेष सुविधाओं की जरूरत होती है, जो अडियाला जेल में उपलब्ध नहीं हैं।

पार्टी ने मांग की है कि इमरान खान को उनकी पसंद के किसी बड़े अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। पार्टी ने विशेष तौर पर शौकत खानम अस्पताल या किसी अन्य अच्छे अस्पताल में इलाज कराने की बात कही है।

साथ ही परिवार और करीबी लोगों से बिना रोक-टोक मिलने की अनुमति देने की मांग भी की गई है।

सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन (सीआरवीओ) आंख की एक गंभीर बीमारी है। इसमें आंख के अंदर मौजूद रेटिना से खून बाहर ले जाने वाली मुख्य नस में ब्लॉकेज हो जाता है। रेटिना आंख का वह हिस्सा है, जो देखने का काम करता है।

नस बंद होने के बाद खून रेटिना में जमा होने लगता है। इससे सूजन आती है और खून का रिसाव भी हो सकता है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो रेटिना को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सीआरवीओ में आंखों की रोशनी जाने का खतरा तब ज्यादा होता है, जब इलाज में देरी हो जाए।

नेतन्याहू बोले- गाजा में अमेरिका के कारण हमारे सैनिक मरे

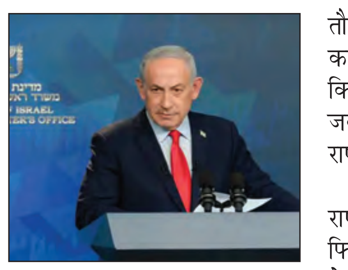

तेल अवीव, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की वजह से इजराइल के कई सैनिक मारे गए। उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ गाजा जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की सप्लाई रोक दी गई थी। नेतन्याहू ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इजराइल के पास जरूरी गोला-बारूद खत्म हो गया था, इस वजह से कुछ सैनिकों की जान चली गई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस वजह से कितने सैनिकों की मौत हुई। इजराइली पीएम ने सीधे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि यह हथियार रोक तब खत्म हुई जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बने।

उनके मुताबिक, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही इजराइल को फिर से हथियार मिलने लगे। नेतन्याहू ने कहा कि विदेशी सैन्य सहायता पर निर्भरता कम करने के लिए वे एक मजबूत और स्वतंत्र घरेलू हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे।

नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध में सैनिकों की मौत आम बात है, लेकिन कुछ मौतों को टाला जा सकता था। गोला-बारूद की कमी के कारण सैनिकों को घरों में घुसकर लड़ना पड़ा और कई सैनिक मारे गए। लेकिन अब ऐसा दोबारा कभी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि अगले दशक के भीतर इजराइल अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम कर दे।

रूसी सैनिकों को कपड़े उतारकर पेड़ से बांधा

मुंह में बर्फ ठूंसी, यूक्रेन पर हमले से इनकार करने पर सजा

मास्को, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने से मना करने वाले रूसी सैनिकों को उनके ही कमांडर बहुत बुरी तरह सजा दे रहे हैं। इसके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। ऐसे ही एक वीडियो में कुछ सैनिकों को कपड़े उतारकर ठंड में पेड़ों से बांध दिया गया है।

वे कड़ाके की ठंड में कांपते नजर आते हैं। एक वीडियो में एक सीनियर अधिकारी एक सैनिक के मुंह में जबरदस्ती बर्फ डालता है, जबकि सैनिक माफी मांगता है। अधिकारी उस पर चिल्लाते हुए कहता है कि उसने आदेश नहीं माना और अपनी पोस्ट छोड़ने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सैनिकों ने यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। इसी वजह से उन्हें यह सजा दी जा रही है। यूक्रेन के चैनल बुतुसोव प्लस ने इस हालात की तुलना जॉर्ज ऑरवेल की किताब एनिमल फार्म से की है और कहा है कि रूस में लोगों के साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

इसी बीच रूस के यूक्रेन पर हमले जारी हैं, जबकि तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर गया है। हाल ही में हुए हमले के बाद खारकीव शहर के लगभग 80% हिस्से में बिजली नहीं है।

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि करीब 24 घंटे से बिजली नहीं है और बाहर माइनस 18 डिग्री की ठंड है। यूक्रेन अधिकारियों ने कहा है कि ऊर्जा व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है और उसे ठीक करने का काम चल रहा है।

48 घंटे बाद किशोर का शव बरामद

जमशेदपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के डोंगा घाट से घटना के 48 घंटे बाद बुधवार को 11 वर्षीय बालक अंकुश कालिंदी का शव बरामद किया गया। अंकुश 26 जनवरी को पानी में डूब गया था। बुधवार को NDRF की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को बरामद किया। यह घटना जमशेदपुर के बरिडीह क्षेत्र स्थित बजरंग चौक के डोंगा घाट में 26 जनवरी को दोपहर करीब 2 बजे हुई थी।

बिरसानगर निवासी अंकुश कालिंदी पानी में डूब गया था। घटना की सूचना तत्काल सिदगोड़ा थाना और स्थानीय प्रशासन को दी गई थी। समय पर प्रभावी खोज-बचाव अभियान शुरू नहीं हो सका। स्थानीय लोगों और परिजनों ने लगातार गोताखोरों और आधुनिक उपकरणों के साथ सर्च ऑपरेशन की मांग की।

चीन की पीएल-17 किलर मिसाइल की पहली बार करीब से झलक

पीएल–15 से ज्यादा खतरनाक, 400किमी है रेंज

बीजिंग, 28 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ने पाकिस्तान को पीएलए एयरफोर्स के लिए जो पीएल-15 बनाया गया था, वो पाकिस्तान को सौंपा था। इसकी रेंज 200 किलोमीटर से थोड़ी ज्यादा है। जबकि पीएल-15 के एक्सपोर्ट वैरिएंट की रेंज 150 किलोमीटर के आसपास है। बाद में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पता चला था कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पीएल-15 मिसाइल का इस्तेमाल किया है। अब हम आपको पीएल-17 मिसाइल के बारे में एडवांस जानकारी देने जा रहे हैं। क्या पता, अगले भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इस मिसाइल का भी इस्तेमाल हो ही जाए।

पीएल-17 को पीपल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएएफ) का सबसे रहस्यमय हथियार माना जाता है। ये हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, ठीक पीएल-15 जैसे ही, लेकिन इसकी क्षमता और रेंज काफी ज्यादा है। इस मिसाइल को पहली बार काफी करीब से देखा गया है। हालांकि यह मिसाइल काफी समय से मौजूद है, लेकिन इसके बारे में लगभग कोई भी आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। इस मिसाइल को लेकर चर्चा इसलिए भी तेज है, क्योंकि अमेरिकी वायुसेना ने इन मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के उत्पादन में तेजी ला दी है।

पीएल-17 की यह तस्वीर असली लगती है, लेकिन हम इस बारे में पक्का नहीं कह सकते। तस्वीर की तारीख और जगह भी साफ नहीं है, लेकिन इसमें एक पीएल-17 के पूरे साइज का मॉडल दिख रहा है। द वॉर जोन ने लिखा है कि ऐसा लग रहा है कि इसे चीन में किसी ट्रेडशो या प्रदर्शनी के दौरान डिस्प्ले स्टैंड पर रखा गया था। एक आदमी मिसाइल के सामने पोज देते हुए फोटो खिंचवा रहा है। इस आदमी का चेहरा धुंधला किया हुआ है जबकि हथियार के पीछे जे-20 स्टील्थ फाइटर को प्रमोट करने वाला एक बोर्ड लगा है। पीएल-17 की पहली धुंधली तस्वीर करीब 10 साल पहले सामने आई थी, इसीलिए अभी इस तस्वीर का सामने आना थोड़ा चौंकाने वाला भी है।

माना जा रहा है कि इसका गाइडेंस दो-तरफा डेटा लिंक और एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) सीकर के कॉम्बिनेशन से हासिल किया जाता है, जो इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमेजर के प्रति बहुत ज्यादा प्रतिरोधी बताया जाता है।

तूफान चंद्रा का खौफ, देश भर में 100 से ज्यादा बाढ़ का अलर्ट

लंदन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। तेज हवाओं, भारी बारिश और बर्फबारी लेकर पहुंचे तूफान चंद्रा ने ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। देश के ज्यादातर हिस्से में तूफान का असर पड़ा है। पूरे ब्रिटेन में 100 से ज्यादा बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने देश के ज्यादातर हिस्सों में बर्फबारी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बुधवार को देश के कुछ हिस्सों में बर्फ के लिए दो येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तरी आयरलैंड, इंग्लैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों में रात भर में जगह-जगह बर्फ जमने की संभावना है, क्योंकि तापमान फ्रीजिंग पॉइंट से नीचे जाने वाला है। तूफान चंद्रा ने जनवरी में रोजाना बारिश के रेकॉर्ड तोड़ दिए। तेज हवाओं के कारण मंगलवार को स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। कई जगहों पर भयानक बाढ़ आई है जिसमें गाड़ियां फंस गईं। यातायात बाधित हो गया है और स्कूलों को बंद कर दिया गया है। तूफान चंद्रा जनवरी में ब्रिटेन से टकराने वाला तीसरा बड़ा तूफान है, जो इंग्रिड और गोरेटी के तुरंत बाद आया है।

नेशनल रेल ने चेतावनी दी है कि खराब मौसम की वजह से इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में शुक्रवार तक यात्राओं पर असर पड़ सकता है।

रूस-यूक्रेन जंग में हताहत हुए 20 लाख जवान

अमेरिकी थिंक टैंक का अब तक का सबसे बड़ा खुलासा

वाशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग चार साल के अधिक वक्त से जारी है। दोनों ही देश एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच एक ताजा रिपोर्ट ने इस युद्ध की भयावहता को दुनिया के सामने रखा है। अमेरिकी थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि फरवरी 2022 से जारी इस जंग में अब तक रूस और यूक्रेन दोनों देशों के मिलाकर करीब 20 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं।

अमेरिकी थिंक टैंक की ओर से प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार रूस के यूक्रेन पर लगातार हमले के कारण दोनों देशों के बीच लगभग दो मिलियन यानी 20 लाख सैनिक हताहत (मारे गए, घायल हुए या लापता) हुए हैं। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) ने पाया कि मॉस्को की सेना को सबसे अधिक नुकसान हुआ है।

सीएसआईएस की ओर से मंगलवार (27 जनवरी) को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि इस जंग में रूस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन पर लगभग चार साल पहले हमला करने के बाद से अनुमानित 1.2 मिलियन (12 लाख) हताहतों में से 3,25,000 मारे गए हैं। सीएसआईएस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किसी भी युद्ध में किसी भी बड़ी शक्ति को इतने ज्यादा हताहतों या मौतों का सामना नहीं करना पड़ा है। स्टडी में कहा गया कि इतनी भारी कीमत चुकाने के बावजूद रूस की सैन्य बढ़त बेहद धीमी रही है। थिंक टैंक ने कहा कि फरवरी 2022 से दिसंबर 2025 के बीच यूक्रेनी सेना को भी भारी नुकसान हुआ है। 5 से 6 लाख लोग हताहत हुए, जिनमें से एक लाख से 1.4 लाख सैनिकों की मौत हो चुकी है। सीएसआईएस ने बताया कि रूसी और यूक्रेनी दोनों तरफ के हताहतों की कुल संख्या 1.8 मिलियन तक हो सकती है और 2026 के वसंत तक कुल हताहतों की संख्या दो मिलियन तक पहुंच सकती है।

इराक में अपनी पसंद का पीएम चाहते हैं ट्रम्प

कहा- नूरी-मलिकी को फिर प्रधानमंत्री बनाया तो कोई मदद नहीं करेंगे, उसकी नीतियां पागलों वाली

बगदाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर इराक पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल-मलिकी को फिर से प्रधानमंत्री बनाता है, तो अमेरिका इराक से अपना समर्थन वापस ले लेगा।

ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट में लिखा, मैं सुन रहा हूं कि महान देश इराक बहुत गलत फैसला ले सकता है और नूरी अल-मालिकी को फिर से प्रधानमंत्री बना सकता है। उन्होंने कहा कि मलिकी के पिछले कार्यकाल में इराक गरीबी और हिंसा में डूब गया था। ऐसा दोबारा नहीं होने देना चाहिए।

ट्रम्प ने आगे कहा कि मलिकी की नीतियां और विचारधारा पागलों वाली है। अगर वे चुने गए, तो अमेरिका इराक की मदद नहीं करेगा। बिना अमेरिकी सहायता के इराक के पास सफलता, समृद्धि या आजादी की कोई संभावना नहीं रहेगी। मलिकी ने 2006 से 2014 तक इराक के प्रधानमंत्री के रूप में काम किया।

माना जाता है कि उनके समय में ही इराक में संप्रदायिक हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता और आईएसआईएस जैसे उग्रवादी समूहों का उदय हुआ था। इससे पहले रविवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मौजूदा इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी से फोन पर बात की। रुबियो ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि अगली सरकार मिडिल ईस्ट में शांति लेकर आए। मलिकी शिया नेता हैं और ईरान के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते हैं। ट्रम्प ईरान को अपना बड़ा दुश्मन मानता है। उनको डर है कि मलिकी की वापसी से इराक में ईरान का प्रभाव और बढ़ जाएगा।

इराक में संसदीय चुनाव 11 नवंबर 2025 को हो चुके हैं। यह इराक के 329 सदस्यों वाली संसद के लिए चुनाव था, जो राष्ट्रपति चुनती है और फिर प्रधानमंत्री की नियुक्ति होती है।

अपर्णा यादव तलाक विवाद

पति प्रतीक ने रिश्ते सुधारने वाले वीडियो में कर दी बड़ी भूल, किसे दी गाली?

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और उनके पति प्रतीक यादव के बीच तलाक विवाद सुलझ गया है। हालांकि इस तलाक विवाद के ठीक होने की जानकारी भी विवादों में घिर गई है। प्रतीक यादव का एक विवाद वीडियो भी सामने आया, जिसमें वो जलनखोरों को भाड़ में जाने के लिए कह रहे है। साथ ही वीडियो में गाली यानि अभद्र भाषा का इस्तेमाल प्रतीत हो रहा है। इससे पहले प्रतीक यादव ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पत्नी अपर्णा यादव के लिए 'ए फैमिली डिस्ट्रॉयर' लिखा था।

प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव के साथ फोटो पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। वहीं इस मामले पर प्रतीक यादव का एक वीडियो बयान भी सामने आ गया है। अपने बयान में प्रतीक यादव ने विरोधियों पर निशाना साधा है। प्रतीक यादव ने दो टूक में कहा कि हमारे साथ आने से जो परेशान हैं, वो लोग भाड़ में जाए।

जलनखोरों पर प्रतीक यादव का हमला

प्रतीक यादव ने इंस्टाग्राम पर बुधवार शाम को एक बार फिर पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'जलनखोरों मुझे खुशी है कि तुम जैसे लोगों के दिल में इतनी नफरत है। तुम्हारा जीवन इतनी नफरत के कारण तकलीफों से भरा पड़ा है।

तुम्हें प्रतिदिन कितनी मानसिक तकलीफ होती है, दूसरे की खुशी देखकर, तुम इसके हकदार हो। मुझे खुशी है कि तुम जैसे लोग खुद को इतनी पीड़ा देते हो। ईश्वर करे तुम सब नफरतखोर हमेशा इतनी पीड़ा में रहो।

अपर्णा-प्रतीक के रिश्ते में गुस्सा, लड़ाई और समझौता

दरअसल समाजवादी पार्टी के संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने बीते दिनों पत्नी से विवाद को लेकर पोस्ट किए थे। इसमें प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव पर अति गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा था। प्रतीक यादव के एक के बाद एक दो पोस्ट करने के बाद से तलाक को लेकर चर्चा चलने लगी थी।

प्रतीक यादव ने पोस्ट में ऐलान किया था कि जल्द ही इस महिला (अपर्णा यादव) से तलाक लेने वाला हूं। मुझे परिवार से अलग कर दिया। ये सिर्फ फेमस होना चाहती है। वहीं बुधवार को एक पोस्ट के जरिए प्रतीक यादव ने लिखा, ऑल इज गुड। इसके साथ ही पत्नी अपर्णा यादव के साथ रिश्ते सुधरने का ऐलान किया।

पत्नी से बहुत भयानक विवाद हो गया था: प्रतीक यादव

मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव ने अपने वीडियो बयान के जरिए बताया कि 19 जनवरी 2026 को मेरे और मेरी पत्नी के बीच एक बहुत भयानक विवाद हो गया था, जिसके कारण मैंने दो पोस्ट डाले थे। प्रतीक यादव ने कहा कि हम दोनों ने मिलकर विवाद को सुलझा लिया है, खत्म कर लिया है।

इतना ही नहीं, इस वीडियो बयान के जरिये प्रतीक यादव ने अपने विरोधियों को गंदी गाली देते हुए कहा कि जिन लोगों को इस विवाद के सुलझने या हमारे साथ आने से दिक्कत हो रही है, वो सबके सब भाड़ में जाए।

पत्नी सुनेत्रा पवार, बेटा पार्थ पवार या दोस्त प्रफुल्ल पटेल, कौन होगा अजित पवार का उत्तराधिकारी

मुंबई/पुणे, 28 जनवरी (एजेंसियां)। 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बगावत कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का नेतृत्व हासिल किया था। बाद के चुनावों में उन्होंने अपनी रणनीति से पार्टी को सत्ता का हिस्सा बनाया और बड़ी जीत हासिल की। पिछले कई महीनों से एनसीपी के दोनों गुटों में एकजुटता की चर्चा चल रही थी। निकाय चुनाव और नगर परिषद चुनाव में ज्यादा हासिल नहीं होने के बाद अजित जिला परिषद चुनावों के लिए ताकत झोंक रहे थे। बुधवार सुबह अचानक बारामती में चार्टर्ड प्लेन क्रैश हुआ और पांच लोगों के साथ अजित पवार की भी मौत हो गई। पवार फैमिली में अचानक आई दुख की घड़ी में उनकी पार्टी के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हुई। अब एनसीपी का उत्तराधिकारी कौन होगा? महायुति सरकार में नए मुखिया का क्या रोल होगा? शरद पवार के जमाने से एनसीपी परिवारवादी पार्टी रही है, इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि उत्तराधिकारी का पद उनके परिवार को जा सकता है। इसके अलावा पार्टी में उनके साथ प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे और धनंजय मुंडे जैसे दिग्गज हैं, जिनकी सलाह पर अजित पवार ने पार्टी तोड़ने और महायुति से जुड़ने जैसे बड़े फैसले किए थे। ये सभी नेता बगावत के दौरान भी दादा के साथ ही रहे।

सुनेत्रा पवार: उत्तराधिकारी के क्रम में पहला नाम सुनेत्रा पवार का है, जो अजित पवार की पत्नी है। उनका प्रोफाइल बड़े पॉलिटिकल नेता वाली तो नहीं है, मगर पवार फैमिली की सदस्य होने के कारण वह बारामती में काफी सक्रिय रही हैं। उनकी राजनीतिक पारी 2024 में शुरू हुई, जब उन्होंने बारामती लोकसभा सीट से सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा। हार के बावजूद वह अपना पहचान बनाने में सफल रहीं। बारामती में कार्यकर्ताओं की वफादारी भी पवार सरनेम में ही है। सुनेत्रा पवार मार्च 2024 में महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए चुनी गईं। उनमें विधायी या प्रशासनिक अनुभव की कमी है, मगर पार्टी के भीतर उनका पवार नाम काम कर सकता है।

पार्थ पवार: राजनीतिक वारिस के तौर पर दूसरा नाम पार्थ पवार का है, जिसे खुद अजित पवार ने राजनीति में उतारने का प्रयास किया था। पवार फैमिली की तीसरी पीढ़ी के पार्थ पवार को 2019 के लोकसभा चुनावों में मावल से मैदान में उतारा था। मगर पार्थ चुनाव नहीं जीत पाए। पार्थ को चुनाव में तब उतारा गया था, जब शरद पवार ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। तब माना गया कि अजित अपनी राजनीतिक विरासत बेटे पार्थ के हाथ में सौंपना चाहते हैं। पार्थ के साथ दिक्कत यह है कि उन्हें पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं का भरोसा हासिल नहीं है। अभी उनके समर्थक खुले तौर से कभी सामने नहीं आए। उनकी संभावना भी पवार सरनेम के कारण ही बनती है।

प्रफुल्ल पटेल: शरद पवार के खास रहे प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के संस्थापक सदस्यों में एक रहे। 2023 में पार्टी के विभाजन के दौरान उन्होंने अजित पवार का साथ दिया। प्रफुल्ल पटेल के पास लंबा राजनीतिक और चुनावी अनुभव है। उन्हें पार्टी का संकटमोचक भी माना जाता है। अन्य पार्टियों में उनके दोस्त हैं, जिसके दम पर वह राजनीति को साधते रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस के साथ उनकी ट्यूनिंग भी अच्छी मानी जाती है। वह लंबे समय तक दिल्ली में शरद पवार के निकट आदमी के तौर पर जाने जाते रहे। गठबंधन के दौर में उनकी कुशलता जांची परखी है मगर उनके पास जनाधार नहीं है। वह राज्यसभा के जरिये ही महाराष्ट्र से दिल्ली तक राजनीति करते रहे।

सुनील तटकरे: कोंकण में एनसीपी की ताकत माने जाने वाले सुनील तटकरे मुंबई में अजित पवार का दायां हाथ माने जाते रहे। अजित पवार ने हमेशा उन्हें मजबूत मंत्रालय की जिम्मेदारी दी। वह महाराष्ट्र में जल संसाधन और ग्रामीण विकास जैसे विभागों को संभाला। उनके पास शासन और संगठन का लंबा अनुभव है। 2023 में पार्टी के विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष बने, जिससे वह पार्टी संगठन के प्रभारी हो गए। उनमें कमी यह है कि उनका राजनीतिक प्रभाव कोंकण तक सीमित है। सुनील तटकरे के पास अजित पवार जैसा प्रदेश स्तर पर जनाधार नहीं है।

भुजबल और धनंजय भी हैं बड़े नेता

इसके अलावा छगन भुजबल और धनंजय मुंडे भी अजित पवार के करीबियों में शुमार रहे। शिवसेना और कांग्रेस छोड़ने के बाद छगन भुजबल ने शरद पवार के साथ लंबे समय तक काम किया। उनके पास डिप्टी सीएम समेत बड़े मंत्रालय संभालने का अनुभव है।

ओबीसी चेहरे के तौर पर पहचान बनाने वाले भुजबल को जिम्मेदारी मिल सकती है, मगर वह पार्टी में निर्विवाद नहीं रह सकते हैं। उन्हें एनसीपी के भीतर ही चुनौती होगी।

एक अन्य नाम धनंजय मुंडे का भी है, जो काफी लोकप्रिय हैं। मगर बीड में हत्या के मामले में उनके नाम उछलने से नेतृत्व की संभावना कम हो गई है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करता था घांची

ऐसे बनाया था प्लान, एनआईए कोर्ट ने 5 साल की सुनाई सजा

विशाखापत्तनम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशाखापत्तनम कोर्ट ने जासूसी मामले में एक दोषी को साढ़े पांच साल की सजा सुनाई है। इस मामले में दोषी अल्ताफ हुसैन घांची उर्फ शकील ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के रूप में भारतीय सिम कार्ड का गलत इस्तेमाल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया था।

एनआईए के अनुसार, शकील ने सुनवाई के दौरान अपना जुर्म कबूल किया। हालांकि, इस मामले में पहले ही 37 गवाहों से पूछताछ की गई थी। शकील को सिम कार्ड और ओटीपी समेत यूनिक पहचान सुविधाओं के साथ-साथ सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने का दोषी ठहराया गया है। स्पेशल कोर्ट ने उसे यूएपीए एक्ट की धारा 18 के तहत पांच साल और छह महीने की जेल और 5 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं, आईटी एक्ट, 2000 की धारा 66सी के तहत 2.5 साल की जेल और 5 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी, जिसकी अधिकतम अवधि 5.5 साल होगी।

जांच एजेंसी ने बताया कि सीमा पार साजिश के मामले में उन भारतीय सिम कार्ड का इस्तेमाल शामिल था, जो गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान पाकिस्तानी नौसेना की ओर से गिरफ्तार किए गए मछुआरों के थे। इन मछुआरों के मोबाइल फोन और सिम कार्ड पाक नौसेना ने जब्त कर लिए थे और बाद में शकील ने भारत में जासूसी गतिविधियों को आसान बनाने के लिए उन्हें एक्टिवेट किया था।

साजिश की एनआईए जांच में पुष्टि हुई कि शकील ने भारतीय सिम कार्ड अपने मोबाइल हैंडसेट में डाले थे और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) जेनरेट किए थे, जिन्हें उसने पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव (आईपीओ) के साथ शेयर किया था, जिससे पाकिस्तान से भारतीय व्हाट्सएप नंबर ऑपरेट किए जा सकें।

बाद में इन भारतीय नंबरों का इस्तेमाल पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव ने नकली पहचान के तहत भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान के कर्मियों से संपर्क करने के लिए किया, जिसका मकसद संवेदनशील और प्रतिबंधित रक्षा-संबंधी जानकारी हासिल करना था, जिससे भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता को खतरा हो।

जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एनआईए साइबर-सक्षम और अन्य सीमा पार आतंकवादी और जासूसी गतिविधियों का मुकाबला करने व ऐसे सभी अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अपने अथक प्रयास जारी रखे हुए है।

गिरिडीह से अपहृत दो नाबालिग सहेलियां बरामद

गिरिडीह, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के तिसरी थाना क्षेत्र से दो नाबालिग सहेलियों को बहला-फुसला कर पश्चिम बंगाल ले जाने और उनके साथ रेप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

तिसरी थाना प्रभारी की तत्परता से पुलिस ने दोनों नाबालिग लड़कियों को बरामद कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल ट्रक ड्राइवर और खलासी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

बुधवार को एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि सरस्वती पूजा के दिन तिसरी थाना क्षेत्र के एक गांव से दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण की सूचना मिली थी। इस संबंध में तिसरी थाना कांड संख्या 8/26 दर्ज कर थाना प्रभारी रंजय कुमार के नेतृत्व में जांच शुरू की गई।

शुरुआत में अपहरण के एंगल से जांच करते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन के आधार पर आरोपियों का पीछा किया। इसी क्रम में तिसरी पुलिस पश्चिम बंगाल के हल्दिया तक पहुंची, लेकिन पुलिस के वहां पहुंचने से पहले आरोपी लड़कियों को लेकर स्थान बदल चुके थे।

शंकराचार्य निश्चलानंद बोले- अविमुक्तेश्वरानंद तामझाम के कारण रोके गए

कहा- विवाद को गलत तरीके से पेश किया गया, हिंदू राष्ट्र अभियान के लिए दुर्ग पहुंचे

दुर्ग-भिलाई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गोवर्धन मठ, पुरी के पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े विवाद को लेकर कहा कि उन्हें स्नान के लिए नहीं रोका गया था, बल्कि वहां अत्यधिक तामझाम और अव्यवस्था के कारण उन्हें रोका गया।

दुर्ग आगमन के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया गया।

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती बुधवार को दुर्ग पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। स्वामी निश्चलानंद सरस्वती भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत दुर्ग आए हैं। वे यहां भक्तों से मिलेंगे और आध्यात्मिक ज्ञान पर प्रवचन देंगे।

प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के पवित्र स्नान के दिन स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पुलिस ने रथ के साथ संगम तक जाने से रोक दिया था। इसके बाद पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी बहस हो गई थी और भक्तों से दुर्व्यवहार के वीडियो भी सामने आए थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि उन्हें संगम में स्नान करने से रोका गया। अब बुधवार, 28 जनवरी को उन्होंने घोषणा की कि वे इस माघ मेला में स्नान नहीं करेंगे और उन्हें दुखी मन से मेले से जाना पड़ रहा है। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि हिंदू राष्ट्र का विचार किसी के विरोध में नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को मजबूत करने के लिए है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म दुनिया को शांति, सह-अस्तित्व और नैतिक मूल्यों का रास्ता दिखाता है। दुर्ग प्रवास के दौरान वे संतों, बुद्धिजीवियों और आम श्रद्धालुओं से मिलेंगे और हिंदू राष्ट्र अभियान के उद्देश्यों पर चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम दुर्ग जिले के अंडा ग्राम में आयोजित किया जा रहा है।

साउथ के साथी ने बढ़ा दी मुसीबत

अब क्या होगा कांग्रेस आलाकमान का फैसला? आखिर कहां से शुरू हुई खींचतान

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कई राज्यों में हार का मुंह देखने वाली कांग्रेस आलाकमान के लिए तमिलनाडु में भी मुश्किलें खड़ी होती दिख रही हैं। दरअसल, डीएमके ने कांग्रेस को जोरदार झटका देते हुए सत्ता में हिस्सेदारी की मांग को सिरे से खारिज कर दिया है। डीएमके का कहना है कि तमिलनाडु की जनता इस तरह की व्यवस्था को कभी स्वीकार नहीं करेगी। यह डीएमके नेताओं या कार्यकर्ताओं की सोच का सवाल नहीं है, बल्कि तमिलनाडु के भविष्य का सवाल है। तमिलनाडु में गठबंधन की संस्कृति स्वीकार्य नहीं है।

कहां से शुरू हुआ विवाद

यह जुबानी जंग तब शुरू हुई जब कनिमोझी को राहुल गांधी से मुद्दों को सुलझाने के लिए भेजा गया था। चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए कनिमोझी ने कहा कि मैं संसद में भाग लेने के लिए दिल्ली जा रही हूं और वहां राहुल गांधी से मिलूंगी।

वहीं, डीएमके, राहुल गांधी द्वारा टीवीके के विजय से संपर्क साधने और फिर सत्ता-साझाकरण के प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस से नाराज है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ सांसदों ने इस दरार को कम करके आंका। उन्होंने कहा यह गठबंधन 22 वर्षों से मजबूत बना हुआ है।

दरअसल, मणिकम टैगोर कुछ दिनों से डीएमके के कुछ नेताओं के बयान से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। लगातार पलटवार करते भी नजर आ रहे हैं।

अब यह बात डीएमके के नेताओं को नागवार गुजर रही है। एक जनसभा में बोलते हुए डीएमके नेता थलपति ने यहां तक कह दिया कि डीएमके को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विरुधनगर के सांसद मणिक्कम टैगोर और उनकी करूर सांसद ज्योतिमणि को अगले लोकसभा चुनावों में टिकट न मिले।

उन्होंने कहा कि ये दोनों इंडिया ब्लॉक के समर्थन से सांसद बने हैं, लेकिन कांग्रेस के किसी भी विधायक के बनने और सत्ता में हिस्सेदारी का मुद्दा उठाने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। इंडिया ब्लॉक का अस्तित्व ही एमके स्टालिन, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं पर निर्भर था। इसके बाद कांग्रेस सांसद टैगोर ने पलटवार करते हुए कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस नेतृत्व को गठबंधन सहयोगियों द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा पर ध्यान देना चाहिए। एक सर्वदलीय बैठक के दौरान बातचीत में उन्होंने कहा कि हम ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करते। उन्हें सावधान रहना चाहिए।

डीएमके ने कांग्रेस को निगमों में जगह देने का दिया भरोसा

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की चिंताओं का समाधान जमीनी स्तर पर किया जा सकता है। डीएमके पदाधिकारी ने कहा कि उन्हें निगमों में जगह दी जा सकती है। लगभग 40 निगम हैं जहां सीटों का बंटवारा किया जा सकता है। यह नया फॉर्मूला मदुरै के विधायक जी थलपति द्वारा कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर और ज्योतिमणि पर हमला बोलने के कुछ दिनों बाद आया है।

बेटे की मौत की खबर मां को न मिले इसलिए नौकरों ने टीवी केबल काटा

मैनेजर संपत ने बताया, "माताजी को यह भी लगा कि उन्हें हल्की-फुल्की चोट लगी होगी

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। जिस वक्त हादसा हुआ, उनकी मां आशा बारामती के फार्महाउस में टीवी देख रही थीं। फार्महाउस के मैनेजर संपत धायगुडे ने बताया कि आशा ताई ने पूछा- क्या दादा का एक्सीडेंट हो गया?

बेटे की मौत की खबर मां को ना मिले इसलिए हम लोगों ने बंगले का टीवी केबल तुरंत काट दिया। उनका मोबाइल फोन भी फ्लाइट मोड पर डाल दिया। हम उन्हें बता रहे थे कि कुछ नहीं हुआ है। मैनेजर संपत ने बताया, "माताजी को यह भी लगा कि उन्हें हल्की-फुल्की चोट लगी होगी।

तभी टीवी पर खबर आई कि दादा को बारामती अस्पताल ले जाया गया है। हम आशा ताई को बता रहे थे कि कुछ नहीं हुआ है।

लेकिन वह पहले ही फार्महाउस के बाहर चलने लगीं और कह रही थीं कि उन्हें दादा से मिलना चाहिए। उन्होंने किसी की नहीं सुनी। आखिरकार, हम अनिच्छा से उन्हें बारामती के बंगले तक ले गए।"

मैनेजर संपत ने बताया कि 4 दिन पहले अजीत दादा अपनी मां से मिलने अपने फार्म हाउस आए थे। शनिवार को सुबह 7:30 बजे वे फार्म हाउस पहुंचे। उन्होंने अपनी मां से करीब 15 मिनट तक बातचीत की।

इसके बाद उन्होंने फार्म के सभी मजदूरों को निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों से नए पेड़ लगाने को भी कहा था।

कोयला घोटाला: सौम्या-रानू और सूर्यकांत को एससी से रेगुलर जमानत

रायपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रमुख आरोपी सौम्या चौरसिया, रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी समेत अन्य आरोपियों को रेगुलर जमानत दे दी है। इससे पहले ये सभी आरोपी अंतरिम जमानत पर बाहर थे।

यह जमानत मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाला बगाची की पीठ से मिली है। कोर्ट ने जमानत देते हुए आरोपियों को राज्य से बाहर रहने जैसी शर्तें भी बरकरार रखी हैं। सौम्या चौरसिया, रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी लंबे समय से अंतरिम जमानत पर बाहर थे। वहीं ईडी ने शराब घोटाले मामले में सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। अब सुप्रीम कोर्ट से रेगुलर जमानत मिलने के बाद इन आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे, हर्षवर्धन परघनीया, शशांक मिश्रा, तुषार गिरी और मुक्त गुप्ता ने कोर्ट में पक्ष रखा। वहीं राज्य शासन की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और अतिरिक्त महाधिवक्ता रवि शर्मा ने पैरवी की।

हाइवा की टक्कर से युवक की मौत

धनबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया अंतर्गत चापापुर टू कोलियरी मार्ग पर बीती रात एक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक मिथुन कुंभकार की मौके पर ही मौत हो गई।

मिथुन सोनवाद पंचायत के कोड़ाडंगाल निवासी था। देर रात 11 से 12 बजे के बीच वह अपने घर लौट रहा था, तभी एक अज्ञात हाइवा वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि ईसीएल प्रबंधन इस ग्रामीण सड़क का उपयोग भारी वाहनों के आवागमन के लिए कर रहा है, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं।

जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

अम्बिकापुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सरगुजा जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से बुधवार को प्रशासनिक अमला सतर्क हो गया। यह धमकी जिला न्यायाधीश की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर प्राप्त हुई, जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया।

सूचना मिलते ही सरगुजा एसपी, एएसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ जिला न्यायालय परिसर पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीमों द्वारा पूरे न्यायालय परिसर की गहन तलाशी ली गई। इस दौरान न्यायालय में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। साथ ही, आने-जाने वाले वाहनों की भी सघन तलाशी ली गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक की जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति सामने नहीं आया है।

सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82,344 पर बंद हुआ

> निफ्टी में भी 167 अंक की तेजी रही

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार आज यानी 28 जनवरी (बुधवार) को तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 487 अंक चढ़कर 82,344 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी भी 167 अंक चढ़ा, ये 25,342 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स अपने दिन के ऊपरी स्तर से करीब 650 अंक और निफ्टी भी डे हाई से 185 अंक गिरा था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,503 का और निफ्टी ने 25,372 का हाई बनाया था। ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.4% की तेजी देखने को मिली। फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो, आईटी, मीडिया, मेटल, सरकारी बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी 2.5% तक की तेजी रही। सेंसेक्स 30 में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिल रही है। बीईएल, जोमैटो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 9% तक की तेजी है।

एलन मस्क ला रहे हैं आईपीओ का 'बाप'

एक झटके में बन जाएंगे दुनिया के पहले ट्रिलिनेयर

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप कंपनी स्पेसएक्स धमाका मचाने की तैयारी में है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी इसी साल जून में अपना आईपीओ ला सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी इसके जरिए करीब 50 अरब डॉलर जुटाने की तैयारी में है। इस आईपीओ से स्पेसएक्स का वैल्यूएशन लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरामको का था जिसने 2019 में 29 अरब डॉलर जुटाए थे।

1.5 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर कंपनी में मस्क की हिस्सेदारी की वैल्यू 625 अरब डॉलर होगी। इससे उनकी कुल नेटवर्थ 1,000 अरब डॉलर यानी एक ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अभी 677 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 57.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। माना जा रहा है कि स्पेसएक्स आईपीओ से जुटाई गई कुछ रकम का इस्तेमाल स्पेस-आधारित डेटा सेंटर विकसित करने में करेगी। इसमें उन्हें चलाने के लिए जरूरी चिप्स खरीदना भी शामिल है।

कब आएगा आईपीओ?

रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसएक्स के सीएफओ ब्रेट जॉनसन पिछले साल दिसंबर से ही इस बारे में पुराने निवेशकों से बात कर रहे हैं। वह जून 2026 तक आईपीओ लाने की संभावना तलाश रहे हैं। जून का महीना इसलिए चुना जा रहा है क्योंकि 28 जून को एलन मस्क का जन्मदिन होता है।

'भारत कुछ समय के लिए खुद को दुनिया से अलग कर ले'

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी जिसमें अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए सुधारात्मक उपायों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

इस बीच आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सुझाव दिया है कि आगामी बजट को एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक जुझारू एवं स्वतंत्र बनाया जा सके। साथ ही वृद्धि को गति दी जा सके क्योंकि दुनिया एक बेहद खतरनाक दौर से गुजर रही है। राजन ने कहा कि पहले भारत में पंचवर्षीय योजनाएं थीं लेकिन तब भी देश का बजट अच्छी तरह से एकीकृत नहीं था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि 2026-27 का केंद्रीय बजट एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत होना चाहिए।

नई ऊंचाई पर पहुंचे सोने-चांदी के भाव

सोने की कीमत 1,62,429 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी 3,77,655 रुपये प्रति किलो

प्रमुख शहरों में सोने के भाव

देश के प्रमुख महानगरों में 24 कैरेट सोने की कीमतें इस प्रकार रहीं-

> **हैदराबाद :** 1,58,420 रुपये प्रति 10 ग्राम
> **मुंबई :** 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम
> **कोलकाता :** 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम
> **दिल्ली :** 1,57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम
> **चेन्नई :** 1,58,630 रुपये प्रति 10 ग्राम
> **बगलूरू :** 1,58,300 रुपये प्रति 10 ग्राम

दक्षिण भारत के बाजारों में सोने की कीमतें देश के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक बनी हुई हैं।

प्रमुख शहरों में चांदी के भाव

औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी, खासकर एआई डेटा सेंटर और सौर ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग, तथा सीमित आपूर्ति के कारण चांदी की कीमतों में तेजी जारी है।

> **हैदराबाद :** 3,56,710 रुपये प्रति किलोग्राम
> **मुंबई :** 3,56,140 रुपये प्रति किलोग्राम
> **दिल्ली :** 3,55,530 रुपये प्रति किलोग्राम
> **चेन्नई :** 3,57,180 रुपये प्रति किलोग्राम
> **बंगलूरू :** 3,56,430 रुपये प्रति किलोग्राम
> **कोलकाता :** 3,55,670 रुपये प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया रिकॉर्ड बनाया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। खास बात यह रही कि चांदी ने लगातार एक और सत्र में सोने से बेहतर प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ से जुड़े मामले की सुनवाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी ब्याज दर फैसले को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी कारण निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। विश्लेषकों ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि इस सप्ताह कीमती धातुओं की कीमतें मजबूत बनी रह सकती हैं।

भारत में सोना-चांदी के ताजा भाव

घरेलू बाजार में नया रिकॉर्ड बनाते हुए आज सोने की कीमत 1,62,429 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का भाव 3,77,655 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।वहीं इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को 99.9% शुद्धता वाला सोना : 1,59,027 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। 99.5% शुद्धता वाला सोना : 1,58,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदी : 3,42,507 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

बैंकिंग हड़ताल से 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटके

> मैरिको को 460 करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की हड़ताल के चलते देशभर में कई जगहों पर जमा और निकासी जैसी शाखा बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटक गए। यूनियन की मांग सप्ताह में पांच कार्य दिवस को लागू करने की है। नौ यूनियनों के समूह यूएफबीयू की ओर से आयोजित यह हड़ताल 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई बैठक के विफल होने के बाद हुई।

यूएफबीयू की हड़ताल में सरकारी बैंकों की विभिन्न यूनियनों के 8 लाख कर्मचारियों ने भाग लिया। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉई एसोसिएशन के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया, नकद लेनदेन प्रभावित हुए और बिल ट्रेडिंग, बिल डिस्काउंटिंग और ट्रेडिंग पर असर पड़ा। सरकारी बैंकों में कई जगहों पर ट्रेजरी संचालन भी बंद रहा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन के महासचिव रूपम रॉय ने बताया, दिसंबर, 2023 में हुई चर्चाओं के बाद यह सहमति बनी थी कि सोमवार से शुक्रवार तक दैनिक कार्य समय में 40 मिनट की वृद्धि की जाएगी। शेष शनिवार को अवकाश घोषित किया जाएगा।

एशियन पेंट्स का लाभ घटकर 1,128 करोड़ नए श्रम संहिता के लागू होने के चलते एशियन पेंट्स का मुनाफा दिसंबर तिमाही में 4 फीसदी घटकर 1,073.92 करोड़ रुपये रह गया है। राजस्व 3.71 फीसदी बढ़कर 8,867 करोड़ रुपये हो गया। 157.61 करोड़ ग्रेच्युटी में वृद्धि के लिए और 63.74 करोड़ के एकमुश्त खर्च व 93.87 करोड़ के व्हाइट टीक के अधिग्रहण जैसे खर्चों से लाभ में कमी आई।

टाटा कंज्यूमर का फायदा 36 फीसदी बढ़ा

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को तीसरी तिमाही में 384.52 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 36.4 फीसदी अधिक है। राजस्व 15 फीसदी बढ़कर 5,112 करोड़ हो गया। खर्च 4,582.24 करोड़ रहा, जो 12.11 फीसदी अधिक है। अन्य आय सहित टाटा कंज्यूमर की आय 14 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 5,145.01 करोड़ रही। मैरिको लि. को दिसंबर तिमाही में 460 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह 13.3 फीसदी अधिक है। राजस्व 26.6 फीसदी बढ़कर 3,537 करोड़ रुपये हो गया। खर्च 29.8 फीसदी बढ़कर 3,009 करोड़ हो गया।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत को सालाना 145 अरब डॉलर निवेश जुटाने की जरूरत

सतत आर्थिक विकास और शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत को ऊर्जा क्षेत्र में 145 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश जुटाने की जरूरत होगी। वुड मैकेन्जी के एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष जोशुआ न्गु ने इंडिया एनर्जी वीक में कहा, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए पूंजी का उपयोग रणनीतिक रूप से बिजली उत्पादन, ऊर्जा भंडारण और ग्रिड के तत्काल आधुनिकीकरण पर केंद्रित होना चाहिए।

भारत ने चीन को दिया झटका

ऑटो और ईवी स्कीम के खिलाफ जांच पैनल बनाने से रोका

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जेनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन में भारत ने चीन के एक बड़े कूटनीतिक दांव को रोक दिया है। भारत ने अपनी ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोत्साहन योजनाओं के खिलाफ 'विवाद निपटान पैनल' गठित करने की चीन की मांग को आधिकारिक तौर पर 'ब्लॉक' कर दिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

चीन का आरोप है कि भारत की ये नीतियां चीनी सामानों के साथ भेदभाव करती हैं, जबकि भारत अपने 'मेक इन इंडिया' और पीएलआई (पीएलआई) स्कीम्स के जरिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर अडिग है। यह मामला भारत की महत्वाकांक्षी 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' योजनाओं से जुड़ा है।

चीन का आरोप : पिछले साल अक्टूबर में बीजिंग ने आरोप लगाया था कि एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली भारत की नीतियां वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन करती हैं। चीन का दावा है कि ये शर्तें चीनी उत्पादों के खिलाफ भेदभावपूर्ण हैं।

कॉपर की कीमतों में उछाल एसी-फ्रिज हो गए महंगे

लोगों को नहीं मिल रहा जीएसटी रिफॉर्म का फायदा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की सोच रहे हैं तो एक बुरी खबर है। कॉपर (तांबा) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब सीधे बाजार में दिखने लगा है। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में हर हफ्ते कीमतों में बदलाव हो रहा है। इससे कारोबारियों की टेंशन बढ़ गई है दावा है कि जनवरी में ही एसी, फ्रिज समेत कई इलेक्ट्रॉनिक आइटम के दाम में तेजी आ चुकी है। साथ ही आने वाले दिनों में कॉपर से बने हर आइटम की कीमत में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यानी बढ़ती महंगाई की वजह से जीएसटी रिफॉर्म का फायदा लोगों को नहीं मिल सकेगा।

जानकारी के मुताबिक, एसी, फ्रिज, पंखे समेत कई ऐसे आइटम हैं, जिनका इस्तेमाल हर घर में होता है। पिछले साल केंद्र सरकार ने जीएसटी रिफॉर्म का तोहफा दिया था, जिससे कार से लेकर एसी टीवी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक आइटम की कीमतों में गिरावट आई है। लोगों ने सरकार की इस पहल की जमकर तारीफ भी की लेकिन अब यह राहत मिलना मुश्किल हो जाएगा। यह कहना है कि कमला नगर मार्केट के इलेक्ट्रॉनिक आइटम के कारोबारी विकास तनेजा का। उन्होंने बताया कि बीते दो महीने में कॉपर के रेट में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है यानी एक हजार रुपये प्रति किलो मिलने वाला कॉपर अब लगभग 1400 रुपये का हो गया है। इसका असर अब बाजार पर पड़ने लगा है।

मर्सिडीज-बीएमडब्ल्यू की इम्पोर्टेड कारें भारत में सस्ती होंगी

यूरोपीय कारों पर ड्यूटी 110% से घटकर 10% हुई; फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में ऐलान

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में अब यूरोप से इम्पोर्ट होने वाली कारें सस्ती हो जाएंगी। भारत सरकार ने यूरोप से आने वाली कारों पर लगने वाले इम्पोर्ट ड्यूटी को 110% से घटाकर 10% कर दिया है।

ये फैसला भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का हिस्सा है। इस एग्रीमेंट का ऐलान आज (27 जनवरी) को भारत-ईयू समिट में किया गया। 18 साल चली लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। इसे 2027 तक लागू किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने इसके लिए 2.5 लाख गाड़ियों की सालाना लिमिट तय की है। यानी सालभर में यूरोप से इम्पोर्ट होने वाली अधिकतम 2.5 लाख गाड़ियों पर ही ड्यूटी कम लगेगी। ये टैरिफ रेट क्वोटा (टीआरक्यू) सिस्टम है, जिसे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) और कस्टम्स डिपार्टमेंट मॉनिटर करती है। कस्टमर को डायरेक्ट पता चलने का कोई पब्लिक तरीका फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

यहां असेंबल होने वाली कारों की कीमत नहीं घटेंगी

भारत में मर्सिडीज बेंज और बीएमडब्ल्यू की ज्यादातर पॉपुलर कारें पहले से ही लोकल असेंबली के जरिए बनती हैं। यानी पार्ट्स इम्पोर्ट करके यहां जोड़कर बनाई जाती हैं। इन पर इम्पोर्ट ड्यूटी केवल 15-16.5% तक लगती है, इसलिए ईयू के साथ एफटीए होने से इनकी कीमत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

मत्स्य विभाग ने अंडमान-निकोबार में 199.24 करोड़ रुपए की फिशिंग हार्बर परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन मंत्रालय के मत्स्य विभाग ने मंगलवार को अंडमान-निकोबार प्रशासन के मायाबंदर में स्मार्ट और एकीकृत फिशिंग हार्बर के विकास के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत शत-प्रतिशत केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ 199.24 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर मंजूरी दे दी है।

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने बताया कि ब्लू पोर्ट पहल के अनुरूप विकसित स्मार्ट और एकीकृत फिशिंग हार्बर में नवीनतम तकनीक और आईओटी-सक्षम प्रणालियों द्वारा समर्थित सुरक्षित लैंडिंग और बर्थिंग सुविधाएं शामिल होंगी। यह फिशिंग हार्बर सतत मत्स्य प्रबंधन, बढ़ी हुई मछलियों की हैंडलिंग क्षमता, बेहतर संचालन सुरक्षा, ऊर्जा-कुशल प्रणालियों और डिजिटल ट्रेसबिलिटी को एकीकृत करता है। इससे रोजगार सृजन, हितधारकों की आय में वृद्धि, आजीविका में मजबूती और पर्यावरण के अनुकूल

तरीकों के माध्यम से अवैध, अलिखित और अनियमित (आईयूयू) फिशिंग से निपटने में योगदान मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति करने में सहायता मिलेगी। स्मार्ट और एकीकृत फिशिंग हार्बर के विकास से मछली पकड़ने वाले 430 जहाजों के लिए सुरक्षित लैंडिंग और बर्थिंग सुविधाएं बनेंगी और प्रति वर्ष 9,900 टन मछली की लैंडिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसर पैदा होने और मत्स्य पालन क्षेत्र को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 6 लाख वर्ग किलोमीटर के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के साथ विशाल समुद्री संसाधन भंडार मौजूद है, जिसमें अनुमानित 60,000 मीट्रिक टन टूना और टूना जैसी प्रजातियों की मछलियों का भंडार है, जिसमें 24,000 मीट्रिक टन येलोफिन टूना और 2,000 मीट्रिक टन स्किपजैक टूना शामिल हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, मछली उत्पादन पिछले एक दशक में दोगुने से भी अधिक बढ़कर 2013-14 में 96 लाख टन से लगभग 2024-25 में 197.75 लाख टन हो गया है। समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात भी मूल्य में दोगुना होकर 62,408 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें 350 से अधिक प्रकार के उत्पाद लगभग 130 देशों को निर्यात किए जाते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर....	05-55 बजे
चंद्र	वृष	मे	कुंभ....	07-46 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-24 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	11-00 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-45 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-45 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-57 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-10 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-16 बजे
			तुला----	23-21 बजे
			वृश्चिक..	01-32 बजे
			धनु.....	03-45 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-53**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874** सूर्यास्त. **18-03**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष गुरुवार **29 January 2026**
तिथि - एकादशी **13-55** रात तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - रोहिणी **07-31** तक उपरान्त आर्द्रा
योग - ऐन्द्र **20-27** रात तक उप. वैधृति
करण - विष्टी **13-55** तक बव
जया एकादशी व्रत सर्वे
भीष्म द्वादशी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-54 से
15-19 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06-53 - 08-15	शुभ	अमृत	18-03 - 19-44	शुभ
रोग	08-15 - 09-40	अशुभ	चंचल	19-44 - 21-19	शुभ
उत्पात	09-40 - 11-05	अशुभ	रोग	20-19 - 22-54	अशुभ
चंचल	11-05 - 12-29	शुभ	काल	22-54 - 00-29	अशुभ
लाभ	12-29 - 13-52	शुभ	लाभ	00-29 - 02-04	शुभ
अमृत	13-52 - 15-19	शुभ	उत्पात	02-04 - 03-40	अशुभ
काल।	15-19 - 16-44	अशुभ	शुभ.	03-40 - 05-19	शुभ
शुभ	16-44 - 18-03	शुभ	अमृत	05-19 - 06-53	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी रचनात्मकता और तीक्ष्ण सोच आपको आसानी से सीखने और विचारों को व्यक्त करने में मदद करती है। आप जानकारी को जल्दी से अवशोषित करते हैं और सीखने के माहौल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव संचार को प्रभावित कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें। आपके पास मजबूत प्रेरक क्षमताएं हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें। प्रेरक ऊर्जा प्रबल है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है, वहीं भावनात्मक आवेग गलत कदम उठाने का कारण बन सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आपका आत्मविश्वास सबसे अलग है, इसलिए यह काम पर अपने कौशल दिखाने का एक शानदार समय है। अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे आपको रचनात्मक समाधान खोजने में मदद कर सकती हैं। अपनी साहसी ऊर्जा को दयालुता के साथ संतुलित करें, खासकर समूह सेटिंग में।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपका स्वाभाविक करिश्मा आपको काम पर अलग दिखने में मदद करता है, जबकि एक अनुशासित मानसिकता आपको केंद्रित रखती है। करियर में वृद्धि आशाजनक लगती है, जो आशावाद और विस्तार लाती है। रिश्तों में तनाव उभर सकता है, लेकिन शांत और चतुराईपूर्ण संचार किसी भी संघर्ष को कम कर सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आप काम पर भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं, जिससे सकारात्मक और सहायक माहौल बनेगा। नए विचार सामने आने की संभावना है, जो आपको नए और आविष्कारशील तरीकों से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण संचार आपको अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें, धैर्य में शक्ति पाएं। चुनौतियाँ आ सकती हैं, फिर भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी भी बाधा का डटकर सामना कर पाएंगे। बाधाओं पर काबू पाने में धैर्य रखें। संतुलन बनाए रखें, और आपका समर्पण आपको काम और अध्ययन की मांगों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

गेहूं के आटे से इस तरह बनाएं रोटी, कॉन्स्टिपेशन का होगा इलाज और आंत की सेहत भी रहेगी दुरुस्त

क़ब्ज़ एक ऐसी परेशानी है जो हर किसी को कभी न कभी ज़रूर परेशान करती है। कब्ज़ एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी इंसान का मल बहुत टाइट हो जाता है और मल त्याग करते समय परेशानी होती है, इस स्थिति को कब्ज कहा जाता है। कब्ज होने पर पाचन तंत्र खराब हो जाता है। पाचन तंत्र के खराब होने के कारण शरीर से मल निकलने की मात्रा बहुत कम हो जाती है और मल डिस्चार्ज करने के लिए अधिक जोर लगाना पड़ता है। लंबे समय तक क़ब्ज़ की परेशानी पाइल्स का कारण बन जाती है।

वैज्ञानिक तौर एक स्वस्थ्य इंसान को 7 दिनों में कम से कम 12 बार मल डिस्चार्ज करना चाहिए, जिन लोगों को इससे कम मल डिस्चार्ज हो उन्हें क़ब्ज़ की परेशानी संभव है। जिन लोगों को क़ब्ज़ परेशान करता है वह सबसे पहले अपनी डाइट पर ध्यान दें। डाइट में अनाज हमारी डाइट का प्रमुख हिस्सा है। गेहूं हमारी प्रमुख डाइट है जिसका सेवन हम दिन में तीन बार करते हैं। अगर गेहूं का सेवन ख़ास तरीक़े सी किया जाये तो ना सिर्फ़ क़ब्ज़ से निजात पा सकते हैं बल्कि बॉडी को हेल्दी भी रख सकते हैं। आइए जानते हैं कि गेहूं का सेवन कैसे करें कि कब्ज़ से निजात मिलें।

कैसे कब्ज़ का इलाज करता है?

डाइट में फाइबर का कम सेवन करना कब्ज का कारण बनता है। फाइबर खाने के जरिए आंतों में जाकर अपनी जगह बनाता है और भोजन को पचाने में आंतों की मदद करता है। भोजन में फाइबर की मात्रा को बढ़ाने के लिए आप गेहूं के आटे का सेवन चोकर के साथ करें। अक्सर हमारे घरों में आटा बनाते समय आटा छाना जाता है। आटा छानने से आटे के साथ भूसी चली जाती है और सिर्फ फोक रह जाता है जिसे पकाकर हम खा लेते हैं।

गेहूं की भूसी गेहूं के दाने की बाहरी परत होती है जो पीसने पर गेहूं की अंदर की परतों से अलग हो जाती है। आप जानते हैं कि जिसे आप आटे से निकालकर फेंक रहे हैं वो यह घुलनशील और अघुलनशील फाइबर से भरपूर भूसी है जो आपके पेट के लिए सोना है। गेहूं की भूसी पोषक तत्वों का भंडार होती है जिसमें प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज , विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। ये सभी पोषक तत्व पाचन को दुरुस्त करते हैं और कब्ज से निजात दिलाते हैं।

गेहूं में ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो मल की मात्रा और आंतों की सेहत को दुरुस्त रखते हैं। गेहूं की भूखी का सेवन कब्ज, बवासीर और इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम का इलाज करने में असरदार है। गेहूं की भूसी का सेवन कोलन कैंसर,डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में जादुई असर करता है। आटे के साथ भूसी का सेवन करने से कब्ज का इलाज होता है और आंतों की सेहत दुरुस्त रहती है। गेहूं के साथ भूसी का सेवन करने से बवासीर का खतरा टल जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार चोकर खून में इम्यूनोग्लोब्यूलीन्स की मात्रा को बढ़ाता है, जो इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग बनाने में मददगार है। गेहूं के आटे का सेवन कर रहे हैं तो चोकर के साथ करें।

गेहूं का सेवन चोकर के साथ करने से सेहत को होने वाले फायदे

गेहूं का सेवन चोकर के साथ करने से बॉडी को भरपूर फाइबर मिलता है और कब्ज की बीमारी दूर होती है।

दिल और दिमाग को हेल्दी रखने में चोकर युक्त आटा दवाई की तरह असर करता है।

इस आटे की रोटी बनाकर खाने से पाइल्स,अपेंडिसाइटिस, बड़ी आंत और मलाशय के कैंसर से बचाव होता है।

पाचन को दुरुस्त करने में ये आटा बेहद असरदार साबित होता है।

मोटापा को कंट्रोल करना चाहते हैं तो गेहूं के आटा का सेवन चोकर के साथ करें। इसका सेवन करने से भूख कम लगती है और आप ओवर इटिंग से बचते हैं और मोटापा कंट्रोल रहता है।

चोकर युक्त आटा एनेमिया का उपचार करता है। रोजाना आप चोकर के साथ रोटी बनाकर खाएं आपकी सेहत को अनगिनत फायदे होंगे।

नेचुरल तरीके से बढ़ाना चाहते हैं विटामिन बी-12 इन चीजों को डाइट में करें शामिल

विटामिन बी-12, जिसे 'कोबालामिन' भी कहा जाता है, हमारे शरीर के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है जो रेड ब्लड सेल्स के निर्माण और नर्वस सिस्टम को अच्छे से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्सर यह माना जाता है कि विटामिन बी-12 केवल मांसाहारी भोजन में ही पाया जाता है, जिसके कारण शाकाहारी लोगों में इसकी कमी का जोखिम काफी बढ़ जाता है। शरीर में इस विटामिन की कमी से थकान, कमजोरी, याददाश्त में कमी और नसों में झुनझुनी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

चूंकि हमारा शरीर इस विटामिन को खुद नहीं बना सकता, इसलिए इसे आहार के माध्यम से लेना बहुत जरूरी है। जो लोग शाकाहारी हैं उनके लिए अच्छी बात यह है कि नेचर ने उन्हें कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ प्रदान किए हैं, जो नेचुरल रूप से बी-12 के लेवल को बढ़ाने में काफी मदद करते हैं। सही चुनाव और संतुलित आहार के जरिए आप बिना किसी सप्लीमेंट के इस कमी को पूरा कर सकते हैं और अपने मस्तिष्क व शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

डेयरी उत्पाद और फोर्टिफाइड अनाज

दूध, दही और पनीर विटामिन बी-12 के सबसे सुलभ शाकाहारी स्रोत हैं। एक गिलास दूध या एक कटोरी दही शरीर की दैनिक आवश्यकता का काफी हिस्सा पूरा कर सकती है।

इसके अलावा, बाजार में उपलब्ध 'फोर्टिफाइड सीरियल्स' (जैसे कॉर्नफ्लेक्स या ओट्स) एक बेहतरीन विकल्प हैं, जिनमें निर्माण के दौरान विटामिन बी-12 अलग से मिलाया जाता है। यह उन लोगों के लिए कॉफी फायदेमंद हो सकता है जो डेयरी उत्पादों का सेवन कम करते हैं।

खमीरयुक्त भोजन और मशरूम की ताकत

कुछ शोध बताते हैं कि कुछ प्रकार के मशरूम, विशेषकर 'शिटाके मशरूम', में विटामिन बी-12 की पाई जाती है। साथ ही खमीरयुक्त फूड प्रोडक्ट जैसे इडली, डोसा और किमची भी पाचन तंत्र में गुड बैक्टीरिया बढ़ाकर इस विटामिन के अवशोषण में मदद करते हैं। हालांकि इन चीजों में जिनता विटामिन-बी-12 मिलता है वो नॉन वेज में मिलने वाले विटामिन बी-12 से काफी कम होता है, लेकिन इसके नियमित सेवन से शरीर का पोषण लेवल स्थिर बना रहता है।

टेम्पेह और न्यूट्रिशनल यीस्ट

सोयाबीन से बना 'टेम्पेह' एक ऐसा फर्मेंटेड उत्पाद है जिसमें फर्मेंटेशन प्रक्रिया के दौरान बी-12 का निर्माण होता है। वहीं, 'न्यूट्रिशनल यीस्ट' शाकाहारी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। इसका स्वाद पनीर जैसा होता है और इसे सूप या सलाद पर छिड़क कर खाया जा सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि विटामिन बी-12 का एक पावर हाउस भी माना जाता है।

सही चुनाव है जरूरी

विटामिन बी-12 की कमी को दूर करने के लिए केवल सही भोजन खाना काफी नहीं है, बल्कि आपके पेट का स्वास्थ्य भी अच्छा होना चाहिए ताकि शरीर इसे सोख सके। अगर आपको गंभीर लक्षण महसूस हों, तो डॉक्टर से परामर्श कर ब्लड टेस्ट जरूर कराएं, डॉक्टर आपको सप्लीमेंट खाने के लिए दे सकते हैं। इन सब से साथ एक चीज जो बहुत जरूरी है कि अपनी डाइट में विविधता लाएं ये शरीर के पोषक तत्वों को बनाए रखने का सबसे शानदार तरीका है।

रात का खाना खाते ही पेट फूलकर बन जाता है गुब्बारा, तो अपनाएं ये टिप्स

अक्सर लोग दिनभर कुछ भी खा लें उनके पाचन पर ज्यादा असर नहीं पड़ता,लेकिन रात का खाना पेट में अफारा पैदा कर देता है। रात में पेट में गैस बनने का सबसे बड़ा कारण आपकी खराब डाइट और बिगड़ता लाइफस्टाइल है। हम रात का खाना पूरे सुकून के साथ खाते हैं और भरपेट खाते हैं, जो मन होता है वो सब खाते हैं। ज्यादातर लोग सोने से एक से डेढ़ घंटे पहले खाना खाते हैं और खाते ही सीधे बिस्तर पर चले जाते हैं।

खाकर सीधे बिस्तर पर जाने से पाचन पर सीधा असर पड़ता है। रात में मेटाबॉलिज्म की दर कम होती है, इससे भारी भोजन का पाचन कठिन हो जाता है। पेट में गैस बनने से बार-बार डकार आती है,पेट में दर्द और ऐंठन होती है। पेट में गांठ जैसा महसूस होता है। कभी-कभी पेट में दबाव या सूजन भी महसूस होती है। गैस की वजह से पेट हल्का फैलने लगता है।

अगर आप खाने के बाद तुरंत बेड पर चले जाते हैं तो इससे पाचन बिगड़ने लगता है। बॉडी एक्टिविटी में कमी होने से आपका खाना ठीक से पचता नहीं है और पेट में सड़ता रहता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपना लें तो असानी से पेट फूलने की परेशानी का चुटकियों में होगा उपचार।

धनिया और मिश्री

पेट की गैस और अपच का रामबाण इलाज है धनिया। जिन लोगों को एसिडिटी,पेट फूलने की समस्या है या खाना खाते ही पेट फूलकर कुप्पा हो जाता है वो धनिया और मिश्री का सेवन करें। धनिया और मिश्री का सेवन करने के लिए आप दो भाग मिश्री और एक भाग धनिया मिलाएं और दोनों को पीसकर उसका पाउडर बना लें। सुबह शाम इस पाउडर का सेवन करें आपका पाचन पूरी तरह दुरुस्त रहेगा। इसका सेवन करने से खट्टी डकारें,पेट की जलन और एसिडिटी और कब्ज से निजात मिलती है।

इसबगोल

अगर आपका पाचन खराब है और कब्ज की शिकायत रहती है तो आप इसबगोल का सेवन रात के खाने से 20 मिनट पहले करें। आप रात में इसका सेवन करेंगे तो आपको कब्ज से निजात मिलेगी और आपकी पाचन से संबंधित परेशानियां भी दूर होंगी।

अजवाइन और काला नमक

पेट फूलने, गैस और एसिडिटी की समस्या से परेशान हैं तो अजवाइन और काला नमक का सेवन करें। अजवाइन और काला नमक का सेवन आप खाने के बाद करें तो खाने के बाद गैस नहीं बनेगी। आप एक चम्मच अजवाइन लें और उसे तवे पर भून लें। भुनी हुई अजवाइन में एक चुटकी काला नमक मिलाएं और दोनों को अच्छे से मिक्स करें और उसका सेवन करें।

नींबू पानी

रात का खाना खाने के बाद अगर आपका पेट फूल जाता है और पेट में अफारा बनने लगता है तो आप खाने से पहले एक गिलास पानी में नींबू को निचोड़कर पिएं। नींबू पानी पेट के लिए काफी अच्छा है। इसका सेवन करने से पाचन तंत्र ठीक रहता है और पीएच लेवल संतुलित होता है।

क्या आपको भी नींद में महसूस होता है 'भूत' का साया? जान लें क्या है इसके पीछे का मूल कारण

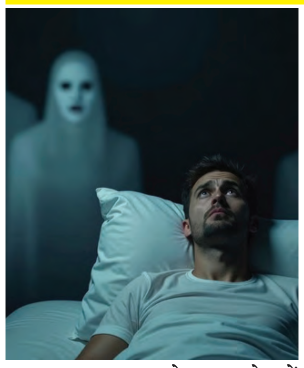

अक्सर रात के सन्नाटे में अचानक नींद खुलने पर ऐसा महसूस होता है कि शरीर पूरी तरह पत्थर सा हो गया है। आप चिल्लाना चाहते हैं, हाथ-पांव हिलाना चाहते हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे किसी भारी साये ने आपको जकड़ रखा है। सदियों से लोग इसे 'भूत' का साया या किसी बुरी शक्ति का हमला मानते आए हैं, लेकिन विज्ञान की भाषा में इस डरावने अनुभव को 'स्लीप पैरालिसिस' कहा जाता है। यह एक ऐसी अवस्था है जिसमें मस्तिष्क तो जाग जाता है, लेकिन शरीर की मांसपेशियां अभी भी गहरी नींद में रहती हैं।

क्यों महसूस होते हैं डरावने साये और दबाव?

स्लीप पैरालिसिस के दौरान मतिभ्रम होना बहुत सामान्य है। जब व्यक्ति जाग जाता है लेकिन हिल नहीं पाता, तो उसका मस्तिष्क 'फाइट या फ्लाइट' मोड में चला जाता है। अत्यधिक डर के कारण दिमाग आस-पास की छाया को किसी इंसान या साये के रूप में देखने लगता है। छाती पर भारी दबाव महसूस होना श्वसन मांसपेशियों के अस्थायी रूप से रिलैक्स होने के कारण होता है, जिसे प्राचीन लोककथाओं में 'चुड़ैल की सवारी' कहा जाता था।

स्लीप पैरालिसिस के पीछे की मुख्य वजहें क्या हैं?

इसके होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण नींद की कमी और अनियमित 'स्लीप साइकिल' है। अत्यधिक तनाव, मानसिक चिंता, पीठ के बल सोना और कुछ विशेष दवाओं का सेवन इस स्थिति को बढ़ा सकता है। अगर आप शिफ्ट में काम करते हैं या आपका सोने का समय हर दिन बदलता है, तो मस्तिष्क और शरीर का तालमेल बिगड़ने की संभावना अधिक हो जाती है, जिससे स्लीप पैरालिसिस की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

इस डरावनी स्थिति से बचने के लिए क्या करें?

विज्ञान कहता है कि स्लीप पैरालिसिस जानलेवा नहीं है, केवल डरावना है। इससे बचने के लिए प्रतिदिन 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेना जरूरी है। सोते समय करवट लेकर लेटने का प्रयास करें, क्योंकि पीठ के बल लेटने पर इसके मामले अधिक देखे जाते हैं। शाम के समय कैफीन और अल्कोहल से परहेज करें और सोने से पहले रिलैक्सेशन तकनीक या ध्यान का सहारा लें।

डॉक्टर से परामर्श लें

स्लीप पैरालिसिस कोई अलौकिक घटना नहीं, बल्कि एक न्यूरोलॉजिकल अवस्था है। देखा जाए तो इस विषय के बारे में सही जानकारी होना ही डर का सबसे बड़ा इलाज है। अगर यह समस्या बार-बार हो रही है और आपकी दिनचर्या को प्रभावित कर रही है, तो यह 'नारकोलेप्सी' या किसी अन्य स्लीप डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से मिलें और अपने लक्षणों के बारे में विस्तार से बताकर परामर्श लें।

चाइनीज फूड खाने का कर रहा है मन तो छुट्टी वाले दिन घर पर बनाएं टेस्टी गोभी मंचूरियन

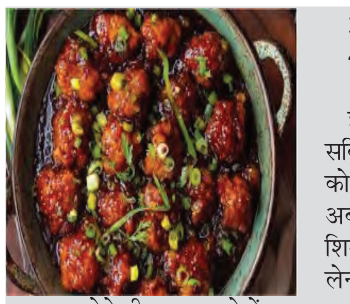

शाम होते ही अक्सर लोगों का कुछ गर्मागर्म चटपटा खाने का मन करने लगता है। ऐसे चाइनीज का नाम आते ही जेहन में नूडल्स और मंचूरियन का ख्याल आने लगता है। ये खाने में तो टेस्टी लगते हैं लेकिन हेल्थ के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं। बाजार में मिलने वाले मंचूरियन में बहुत तेल-मसाले यहां तक की कलर भी मिलाया जाता है। आप रेस्टोरेंट जैसा स्वादिष्ट गोभी मंचूरियन घर पर बड़ी आसानी से बना सकते हैं। आइए जानें इसकी रेसिपी। छुट्टी वाले दिन आप भी इसे घर पर बनाकर सभी को खुश कर सकते हैं।

सामग्री

500 ग्राम फूलगोभी
50 ग्राम मैदा
50 ग्राम मक्के का आटा
1 कप रिफाइंड ऑयल
4 चम्मच टमेटो कैचअप
4 सूखी लाल मिर्च
3 चम्मच लहसुन का पेस्ट
3 चम्मच अदरक का पेस्ट
100 ग्राम हरा प्याज
10 कटी हुई हरी मिर्च
2 मध्यम शिमला मिर्च
1/2 छोटा चम्मच अजीनोमोटो
2 चम्मच नमक (स्वादानुसार)
2 चम्मच मसाला मिर्च पाउडर
4 चम्मच सोया सॉस

गोभी मंचूरियन की रेसिपी

इसे बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को धो लें। फिर फूलगोभी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब आपको प्याज, हरी मिर्च, शिमला मिर्च को भी बारीक काट लेना है। साथ ही लहसुन और अदरक का पेस्ट भी तैयार कर लेना है। जब सभी मसाले तैयार हो जाएं तो मंचूरियन के लिए घोल तैयार करने की बारी आती है। इसके लिए एक कटोरा लें। उसमें मैदा, मक्के का आटा, अदरक व लहसुन का पेस्ट डालें।

फिर नमक, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। अब इसमें पानी डालकर घोल तैयार कर लें। फिर एक कड़ाही में रिफाइंड तेल डालकर उसे गर्म करें। अब तैयार घोल इसमें डाल दें। जब यह गोल्डन ब्राउन हो जाए तो इसे निकालकर रख दें। फिर कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। फिर इसमें थोड़ा अदरक और लहसुन का पेस्ट डालें। अब सूखी लाल मिर्च, हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भूनें।

कटी हुई शिमला मिर्च और थोड़ा सा नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब एक पैन में सॉस के साथ अजीनोमोटो डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं। जब शिमला मिर्च आधी पक जाएतो कढ़ाई में फूलगोभी डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह पकाएं। इसके बाद हरे प्याज से गार्निश करें। आपका गोभी मंचूरियन तैयार है।

बालों को मजबूत बनाने के लिए कैसे करें ऑयलिंग?

आज के समय में तेजी से बदलती लाइफस्टाइल, गलत खानपान, तनाव और प्रदूषण के कारण बालों की समस्याएं आम हो गई हैं। बालों का कमजोर होना, झड़ना और रूखापन कई लोगों को परेशान करता है। ऐसे में बालों को मजबूत बनाए रखने के लिए हेयर ऑयलिंग करना काफी बेहतर माना जाता है। एक रिसर्च के मुताबिक, बालों में तेल लगाने से बाल हेल्दी और चमकदार होते हैं। वहीं, कई लोग बालों में हेयर ऑयलिंग तो करते हैं, लेकिन सही तरीके से नहीं कर पाने के कारण इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे में अगर आप भी सही तरीके से अपने बालों में तेल लगाते हैं, तो यहां इसके सही तरीके के बारे में जान सकते हैं।

बालों में लगाएं सही तेल

बालों की मजबूती के लिए सही तेल का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। नारियल तेल, बादाम तेल, आंवला तेल और कैस्टर ऑयल बालों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। इसके लिए आप किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं।

तेल को करें हल्का गुनगुना

बालों में तेल लगाने से पहले आप इसे हल्का गुनगुना कर सकते हैं। इससे तेल स्कैल्प में आसानी से पहुंचता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहता है। इससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं। नॉर्मल तेल लगाने के बाद आप बालों को गर्म तौलिए से भांप भी दे सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी में तौलिए को भिगोकर निचोड़ लें और उसे बालों के ऊपर रखें।

स्कैल्प की करें सही मसाज

बालों में तेल लगाते समय उंगलियों की मदद से हल्के हाथों से मसाज करें। इस दौरान गोल-गोल घुमाते हुए 10-15 मिनट तक मसाज करने से स्कैल्प में ब्लड फ्लो बेहतर होता है, जिससे बालों को पोषण मिलता है। मसाज के दौरान ज्यादा जोर नहीं डालें। इससे बाल टूट सकते हैं।

तेल लगाने के तुरंत बाद न धोएं

ऑयलिंग के बाद कम से कम 1 से 2 घंटे तक तेल को बालों में लगा रहने दें। आप इसे सोने से पहले लगाकर रात भर भी छोड़ सकते हैं। इससे तेल अच्छी तरह बालों में समा जाता है।

आदर्श मनुष्य के रूप में श्रीराम

पुस्तक समीक्षा

भारतीय सभ्यता और संस्कृति मानव मूल्यों के उच्चतम आदर्श स्थापित करने व उसका पालन करने की प्रेरणा देती है जिससे मनुर्भवः की संकल्पना चरितार्थ हो सके। भारतीय संस्कृति के इतिहास में अनेकों महापुरुषों ने अपने जीवन को इन्हीं मानव मूल्यों के संस्थान के रूप में विकसित किया जिनका जिनका व्यक्तित्व कृतित्व सभी काल खंडों में प्रासंगिक बना ऐसे ही पुरुषोत्तम चरित्र को जीने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम आज भी भारतीय सभ्यता के मेरुदंड हैं।

श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय समाज के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, स्थितप्रज्ञ शासक और आदर्श नागरिक हैं। इसी विचार को केंद्र में रखकर लेखक श्री अजय पाठक की पुस्तक “श्री रामचंद्र शरणं प्रपद्ये” एक गहन वैचारिक कृति के रूप में सामने आयी है। यह पुस्तक श्रीराम को साधारण मानव के रूप में जीवन जीते हुए ईश्वर के रूप में ईश्वर के रूप में परिवर्तित होने की विराट व्याख्या तो करती ही है, बल्कि पहले मनुष्य के रूप में समझने और उन्हें आत्मसात करने का आग्रह करती है। लेखक का मानना है कि यदि श्रीराम को केवल पूजा तक सीमित कर दिया गया, तो उनका जीवनदर्शन समाज के व्यवहार में कभी उतर नहीं पाएगा। यही कारण है कि पुस्तक का पूरा विमर्श कर्तव्य, त्याग, संयम और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुशासन में घूमता है।

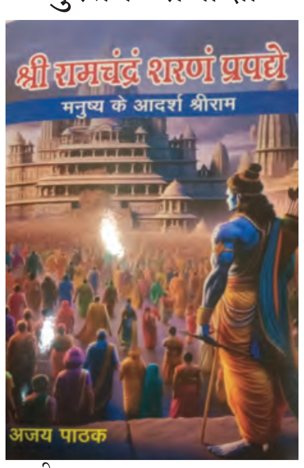

श्रीराम का वनगमन इस पुस्तक का केंद्रीय बिंदु है।

जिसमें लेखक की अंतर्दृष्टि पुस्तक में कैकेयी, दशरथ और भरत के चरित्रों का विश्लेषण भी अत्यंत संतुलित रूप में किया गया है। कैकेयी को खलनायिका के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय लेखक उनके निर्णयों के पीछे की मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक परिस्थितियों को समझने का प्रयास करते हैं। माता कैकेई की रणनीति, दूरदृष्टी , एवं लोक कल्याण के लिए सर्वप्रिय पुत्र राम को तैयार करना ,उनके अवतरण का उद्देश्य निर्धारण करने की असाधारण दृष्टि माता कैकेई से मिलती है ऐसा लेखक द्वारा पुस्तक में अत्यंत सूक्ष्म समीक्षा किया गया है।

सामान्यतः इसे एक ऐतिहासिक या भावनात्मक घटना के रूप में देखा जाता है, किंतु अजय पाठक जी इसे आत्मानुशासन और मर्यादा की सर्वोच्च परीक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। पिता की आज्ञा, माता की इच्छा और राज्य की स्थिरता इन तीनों के बीच संतुलन साधते हुए राम का निर्णय यह सिखाता है कि जीवन में कई बार व्यक्तिगत सुख से ऊपर कर्तव्य का पालन ही धर्म है।

वहीं भरत का त्याग यह स्पष्ट करता है कि रामराज्य केवल राम के कारण नहीं, बल्कि परिवार और समाज के सामूहिक कर्तव्यों के निर्वहन के श्रेष्ठ चरित्र से संभव होता है।

अजय पाठक जी इस पुस्तक के माध्यम से रामराज्य की अवधारणा को भी समकालीन संदर्भों से जोड़ते हैं। उनके अनुसार रामराज्य किसी कल्पनालोक की व्यवस्था नहीं, बल्कि कर्तव्य प्रधान एक शासन प्रणाली है, जो भोग पर नहीं बल्कि योग , त्याग, और आत्मानुशासन पर आधारित है जहाँ राजा स्वयं को जनता का सेवक मानता है। आज के लोकतांत्रिक भारत में, जब सत्ता और सेवा के बीच संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है, तब श्रीराम का राजधर्म एक मार्गदर्शक के रूप में हमें स्तंभ की भांति खड़ा दिखता है ।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह श्रीराम को युद्ध विजेता के रूप में नहीं, बल्कि आत्मसंयम, विवेक और नैतिक साहस के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है । रावण वध से पहले राम का आत्ममंथन और धर्म विचार आज के समाज को यह संदेश देता है कि किसी भी संघर्ष में नैतिक आधार सबसे महत्वपूर्ण होता है।

भाषा की दृष्टि से यह पुस्तक सरल, प्रवाहपूर्ण और ओजस्वी है ,जिसे पाठक सहजता से समझ सकते हैं ।यह न तो उपदेशात्मक है और न ही क्लिष्ट है। वहीं गंभीर अध्येता के लिए भी इसमें विचार मंथन सामग्री प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

कुल मिलाकर “श्री रामचंद्र शरणं प्रपद्ये” केवल एक धार्मिक या साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्रबोध की वैचारिक हस्ताक्षर है ।

यह पुस्तक विशेष रूप से आज के युवाओं, नीति निर्माताओं और सामाजिक नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी है। संघर्ष प्रबंधन शांति विकास की पाश्चात्य व्याख्या के विपरीत यह पुस्तक भारतीय व्याख्या को परिभाषित करती है । श्रीराम का जीवन यह सिखाता है कि सच्ची महानता सत्ता प्रदत्त शक्ति के भोग में नहीं, बल्कि कर्तव्य और मर्यादा के पालन में निहित है और यही इस पुस्तक का मूल संदेश है। हमें पूर्ण विश्वास है वर्तमान राजनीतिक ,सामाजिक, सांस्कृतिक , आर्थिक इन सभी चातुर्यायामों की दृष्टि से यह पुस्तक समाज में आदर्श नेतृत्व विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, मेरी अनंत शुभकामनाएं हैं।

पुस्तक का नाम
श्री रामचंद्र शरणं प्रपद्ये
अजय पाठक द्वारा लिखित

गौरव मिश्रा, वाराणसी

अक्षय कुमार से लेकर संजय दत्त तक, सिनेमा की इन हस्तियों ने डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर जताया दुख

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को निधन हो गया। वह एक प्लेन में सफर कर रहे थे जो बारामती में क्रैश हो गया। उनके निधन से सभी को झटका लगा है। सिनेमा की कई हस्तियां उनके निधन पर दुख जता रही हैं। इसमें बॉलीवुड से लेकर साउथ के कलाकार शामिल हैं। आइए डालते हैं एक नजर।

अक्षय कुमार ने एक्स पर लिखा 'अजित पवार जी के दुखद निधन के बारे में सुनकर सदमे में हूं और दुखी हूं। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।

संजय दत्त ने डिप्टी सीएम अजित पवार की फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा 'इस हादसे से हैरान हूं। वह बहुत अच्छे नेता थे। मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। दुआ करता हूं कि उन्हें हिम्मत मिले। ओम शांति।'

आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और एक्टर पवन कल्याण ने एक्स पर लिखा 'आज प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की दुखद खबर से गहरा सदमा लगा है। महाराष्ट्र के लोगों के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।'

रितेश देशमुख ने ट्वीट किया, 'यह जानकर बहुत सदमा लगा और दिल टूट गया कि हमने एक हादसे में अजित दादा को खो दिया है। महाराष्ट्र के सबसे अच्छे नेताओं में से एक, उन्हें काम में लापरवाही बिल्कुल पसंद नहीं थी और वह अपने आस-पास के लोगों को हमेशा बेहतर करने के लिए प्रेरित करते थे। वह अपनी बात कहने में कभी हिचकिचाते नहीं थे। उनकी हाजिरजवाबी बेमिसाल थी। पूरे राज्य में उन्हें बहुत प्यार किया जाता था।'

शिल्पा शेट्टी ने लिखा 'पवार परिवार के प्रति हार्दिक संवेदनाएं। अजीत दादा, आपकी आत्मा को शांति मिले। आप एक अच्छे और साहसी नेता थे। ओम शांति।'

दिग्गज एक्टर अनुपम खेर ने एक्स पर लिखा 'महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार दादा के निधन से सदमे में हूं और दुखी हूं। वह बहुत सज्जन और दयालु थे! मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ओम शांति!'

फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने एक्स पर लिखा 'अजित पवार जी के अचानक निधन से बहुत सदमे में और दुखी हूं। उनका जाना एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। इस बेहद मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं सुनेत्रा जी, पार्थ, जय और पूरे पवार परिवार के साथ हैं। उन्हें हिम्मत मिले। ओमशांति।'

अजय देवगन ने लिखा 'माननीय उप मुख्यमंत्री अजित पवार जी के दुखद निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। उनके परिवार, प्रियजनों और इस अपार क्षति से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति।'

अभिनेत्री और राजनेता स्मृति ईरानी ने एक्स पर लिखा 'दुखद विमान दुर्घटना में अजित पवार जी के असामयिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। लोगों के लिए उनकी सेवा को सम्मान के साथ याद किया जाएगा। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं। ओम शांति।'

अभिनेत्री और राजनेता कंगना रनौत ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर कहा 'यह बहुत ही हैरान कर देने वाली खबर है। इसे बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।' अभिनेता और राजनेता रवि किशन ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर कहा 'महाराष्ट्र की राजनीति और देश के लिए इससे बड़ा नुकसान नहीं हो सकता। मैं उन्हें पर्सनली जानता था और उन्हें 'बारामती का राजा' कहा जाता था।'

क्या रवि किशन सुलझाएंगे 'जन नायकन' का सेंसर विवाद? बोले- 'चिंता न करें, मैं खुद सूचना मंत्रालय से बात करूंगा'

एक्टर थलपति विजय अब अभिनय से राजनीति में कदम रख चुके हैं। बतौर एक्टर उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' है, जो 09 जनवरी को रिलीज होनी थी। मगर, सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिलने के चलते अब तक यह दर्शकों तक नहीं पहुंची है। मेकर्स ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मगर, अभी तक रिलीज डेट स्पष्ट नहीं हो पाई है। इस बीच एक्टर रवि किशन ने फिल्म को लेकर चल रहे सेंसर विवाद पर रिएक्शन दिया है। साथ ही उन्होंने इस मामले को सुलझाने की पेशकश भी की है।

रवि किशन बोले- 'मैं सिर्फ एक कॉल की दूरी पर हूं'

अभिनेता रवि किशन ने फिल्म 'जन नायकन' के सेंसर विवाद पर बात की है। उन्होंने कहा कि वह बस एक फोन कॉल की दूरी पर हैं। रवि किशन ने कहा, 'मुझे इसके बारे में आपसे पता चल रहा है। वैसे, मुझे कोई शिकायत नहीं मिली है। लेकिन एक सांसद होने के नाते, सिनेमा वाले सीधे मुझसे संपर्क कर सकते हैं। वे मुझे लिख सकते हैं या मुझे कॉल कर सकते हैं। अगर कोई फिल्म अटकी हुई है, तो मैं निश्चित रूप से सेंसर बोर्ड को कॉल कर सकता हूं'।

सेंसर बोर्ड पर वर्कलोड की बात कही

रवि किशन ने आगे बताया कि फिल्म के सर्टिफिकेशन में देरी इतनी आम क्यों हो गई है? उन्होंने सेंसर बोर्ड पर बढ़ते वर्कलोड और जांच की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'देरी का कारण यह हो सकता है कि उन्हें एक फिल्म में कई चीजों को स्कैन करना पड़ता है। उन्हें यह पक्का करना होता है कि भाषा सही हो, किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों और असल जिंदगी की घटनाओं को गलत तरीके से पेश न किया जाए। इस प्रक्रिया में बहुत कुछ होता है। असली सवाल यह है कि पैनल के सदस्य एक दिन में असल में कितनी स्क्रीनिंग कर सकते हैं'। एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, 'आपके जरिए मैं यह बात अपने परिवार- फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचाना चाहता हूं। वे सीधे मुझसे संपर्क कर सकते हैं। यह सब हमारी सरकार के सत्ता में रहते हुए हो रहा है, इसलिए यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपनी इंडस्ट्री का ख्याल रखूं। उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है'।

बोले- 'संसद में उठाएंगे मुद्दा'

एक्टर ने आगे बताया कि वह इस मुद्दे को पार्लियामेंट लेवल पर उठाने का प्लान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद निजी रूप से सूचना मंत्रालय से बात करूंगा। संसद का सेशन जल्द ही शुरू होगा और मैं यह पक्का करूंगा कि हम सेंसर बोर्ड को बड़ा, बेहतर सुविधाओं वाला और सर्टिफिकेशन प्रक्रिया को सहज बनाकर कैसे सुधार सकते हैं, ताकि प्रोड्यूसर समय पर फिल्में रिलीज कर सकें'।

सारा अली खान से ओरी ने इसलिए बनाई दूरी, अमृता सिंह को लेकर कही ये बात

इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर ओरी इन दिनों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान को लेकर सुर्खियों में हैं। वह एक समय सारा अली खान के साथ काफी क्लोज थे। हालांकि, अब खबरें हैं कि दोनों के बीच अनबन हो गई है। उनके बीच मनमुटाव तब शुरू हुआ जब ओरी ने सारा, पलक और अमृता सिंह पर तंज कसा। इसके बाद सारा और इब्राहिम ने ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया।

सारा की मां से ओरी हुए परेशान

ओरी ने हाल ही में एचटी से अपने झगड़े पर बात की है। उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने सारा अली खान की मां की वजह से सारा से दूरी बनाई है। उन्होंने बताया कि सारा की मां अमृता सिंह ने उन्हें परेशान किया। ओरी ने कहा 'मैंने कुछ समय पहले सारा को अनफॉलो कर दिया था। मैंने वर्षों से इब्राहिम को फॉलो नहीं किया है। सारा के साथ दोस्ती रखने का मतलब है कि परेशानी को नजरअंदाज करना। उनकी मां ने मुझे परेशान किया। मुझे नहीं लगता कि मैं अब और ऐसा कर पाउंगा।'

ख्याल रहे कि हाल ही में सारा अली खान और इब्राहिम अली खान ने कथित तौर पर ओरी को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि बीते दिनों ओरी ने सारा अली खान और पलक तिवारी के नाम को लेकर खराब कमेंट किया था।

जेनिफर संग शादी की खबरों पर आया करण वाही का रिएक्शन, हाथ जोड़कर कह डाली ऐसी बात

करण वाही और जेनिफर विंगेट की शादी की अफवाहें चल रही हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि दोनों जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी की खबरों पर करण वाही ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। जानिए एक्टर ने क्या रिएक्शन दिया है?

करण वाही ने क्या कहा?

करण वाही ने आज बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'फ्री की पीआर के लिए बहुत बहुत शुक्रिया'। उन्होंने सीधे तौर पर शादी का जिक्र नहीं किया है। मगर, यह पोस्ट ऐसे वक्त में आई है, जब उनका नाम जेनिफर के साथ जोड़ा जा रहा है और शादी तक के दावे किए जा रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई है।

साथ काम कर चुके हैं करण और जेनिफर

जेनिफर विंगेट और करण वाही काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों साथ काम भी कर चुके हैं। साल 2007 के पॉपुलर शो 'दिल मिल गए' में जेनिफर विंगेट ने डॉक्टर रिद्धिमा गुप्ता का किरदार अदा किया था। इसी शो में करण वाही को डॉ. सिद्धांत मोदी रोल में देखा गया था। साल 2024 में सोनी लिव की वेब 'सीरीज रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी' में ये साथ नजर आए थे। इस बीच ऐसी खबरें आईं कि दोनों अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए शादी करने जा रहे हैं।

जेनिफर विंगेट की करण सिंह ग्रोवर से हुई थी शादी

बता दें कि जेनिफर विंगेट की पहली शादी साल 2012 में एक्टर करण सिंह ग्रोवर के साथ हुई थी। हालांकि, महज दो साल में ही दोनों का तलाक हो गया। करण सिंह ग्रोवर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और उन्होंने साल 2016 में बिपाशा बसु के साथ शादी रचाई है।

38 साल के अरिजीत सिंह चंद मिनट के करते हैं करोड़ों चार्ज 400 करोड़ की है नेटवर्थ; कारों का है जबरदस्त कलेक्शन

अरिजीत सिंह ने बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में गाने गाए हैं और हर उम्र के लोगों के दिलों पर राज किया है। वहीं, आज अरिजीत ने एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि उन्होंने प्लेबैक सिंगिंग की दुनिया से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन इससे उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। अरिजीत सिंह की सादगी और गाने फैंस को पसंद हैं। जानिए उनकी नेटवर्थ।

कई भाषाओं में गाने गाए

अरिजीत सिंह ने हिंदी के साथ-साथ बंगाली और दूसरी भारतीय भाषाओं में भी गाने गाए हैं। वे अलग-अलग तरह के म्यूजिक के लिए जाने जाते हैं और आज की पीढ़ी के सबसे बेहतरीन गायकों में गिने जाते हैं। शायद ही कोई ऐसी फिल्म हो जिसमें उनका गाना न सुनाई देता हो।

करियर की शुरुआत

अरिजीत ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में रियलिटी शो फेम गुरुकुल से की थी। साल 2011 में फिल्म 'मर्डर 2' के गाने 'फिर मोहब्बत' से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली। इसके बाद 'राब्ता', 'उसका ही बनाना', और 'दुआ' जैसे हिट गानों ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

कितनी फीस लेते हैं?

अरिजीत सिंह काफी प्रसिद्ध सिंगर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह एक गाने के लिए करीब 1.5 करोड़ रुपये से लेकर 2 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। वहीं, अगर लाइव परफॉर्मेंस की बात करें, तो वह करोड़ों रुपये चार्ज करते हैं।

सादगी भरी लाइफस्टाइल

इतनी दौलत और नाम के बावजूद अरिजीत खुद को स्टार नहीं मानते। वे बहुत सादा जीवन जीते हैं। कई बार उन्हें चप्पल पहने, हाथ में झोला लिए बस या ट्रेन से सफर करते देखा गया है। वे अक्सर दोपहिया वाहन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि उनके पास कई महंगी और लग्जरी कारों का कलेक्शन है।

नेटवर्थ और संपत्ति

कथित तौर पर अरिजीत सिंह की कुल संपत्ति करीब 414 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनके पास मुंबई में करीब 8 करोड़ रुपये का घर है। उनके कार कलेक्शन में रेंज रोवर और मर्सिडीज जैसी लग्जरी गाड़ियां भी हैं, फिर भी वे सादगी को ही प्राथमिकता देते हैं। इसके अलावा अरिजीत कई बड़े ब्रांड्स के प्रचार से भी कमाई करते हैं।

'पेट भरने के लिए किया सी ग्रेड फिल्मों में काम', क्यों पति को काम करने से मना करती थीं अर्चना पूरन सिंह?

अर्चना पूरन सिंह फिल्मों और 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अलावा अपने वीडियो व्लॉग्स को लेकर भी चर्चाओं में रहती हैं। साथ ही अर्चना अपने यूट्यूब चैनल पर भी अपने बारे में बात करती रहती हैं। अब अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी ने अपनी शादी, करियर, संघर्ष और आर्थिक चुनौतियों के बारे में बात की। साथ ही उस वक्त को भी याद किया जब उन्होंने अपना जीवन गुजारने के लिए सी ग्रेड फिल्मों में भी काम किया।

शादी के बाद क्यों अर्चना को लगा था वो ही कमाएंगी?

अर्चना पूरन सिंह ने अपनी शादी के एक चुनौतीपूर्ण दौर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने माना कि इस दौर ने उनके रिश्ते को गहराई से प्रभावित किया, लेकिन साथ ही उनके साथ के सफर को भी आकार दिया। अर्चना ने परमीत सेठी से बात करते हुए बताया कि जब मैंने आपसे शादी की, तो मुझे लगा, 'हां, मैं ही कमाने वाली हूं'। लेकिन कहीं न कहीं मैंने अपने उस स्त्रीत्व को दबा रखा था, जो चाहता था कि कोई सहारा दे, कोई ऐसा हो जिस पर मैं निर्भर रह सकूं। उसे अपना आदर्श मान सकूं। ठीक वैसे ही जैसे मेरी मां मेरे पिता को अपना आदर्श मानती थीं। कभी-कभी मैं कहती थी कि मेरे कमाने से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन कभी-कभी मैं तुम्हें कमाने के लिए प्रेरित करती थी और प्रोजेक्ट्स को मना करने के लिए उकसाती थी।

इसलिए किया सी-ग्रेड फिल्मों में काम

इस दौरान अर्चना पूरन सिंह ने मुंबई में अपने सफर और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी बात की। अभिनेत्री ने कहा कि मेरा एक और मंत्र था कि मैं कभी काम को ना नहीं कहती थी। इसका नतीजा यह हुआ कि मैंने बहुत खराब फिल्में कीं। मैंने सी-ग्रेड फिल्में कीं। मेरी सोच बस पेट भरने की थी। उस समय मुझे लगता था कि अगर तुमने बेहतर काम किया होता, तो मुझे वो काम नहीं करना पड़ता। लेकिन धीरे-धीरे चीजें समझ में आने लगीं।

हीरो बनने की कोशिश में लगे थे परमीत

बातचीत के दौरान परमीत सेठी ने भी कहा कि वो इसलिए फिल्मों को मना करने में क्योंकि वो अर्चना से छोटे थे और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में लगे थे। एक्टर ने कहा कि उस समय मेरा नजरिया यह था कि तुम्हारा करियर तो खत्म हो चुका था, लेकिन मेरा करियर अभी बन रहा था। मुझे लगता था कि अगर मैंने एक भी गलती की तो मैं पूरी तरह से इंडस्ट्री से बाहर हो जाऊंगा। मैं लंबे समय से हीरो बनने की कोशिश कर रहा था। जब अर्चना ने जवाब दिया कि वह भी हीरोइन बनना चाहती थी, तो परमीत ने समझाया लेकिन तुम मुझसे सात साल बड़ी थीं और अपने करियर में मुझसे आगे थीं।

साल 1992 में हुई थी अर्चना और परमीत की शादी

'मोहब्बतें' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जानी वाली अर्चना पूरन सिंह ने साल 1992 में परमीत सेठी से शादी की थी। अब दोनों की शादी को लगभग 34 साल होने को आए हैं। अब कपल दो बेटों आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी के माता-पिता हैं। अर्चना अक्सर अपनी फैमिली की तस्वीरें भी साझा करती रहती हैं।

चर्चा में रहते हैं विजय देवरकोंडा 'राणा बाली' अभिनेता की नेटवर्थ

विजय देवरकोंडा अपनी फिल्मों, अपने अलग अंदाज और रश्मिका मंदाना के साथ डेटिंग को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। विजय की सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग काफी बड़ी है। हाल ही में उनकी आने वाली फिल्मों और निजी जिंदगी को लेकर भी खूब बातें हो रही हैं।

विजय देवरकोंडा की आने वाली फिल्में

विजय देवरकोंडा आने वाले समय में कई नई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनका लुक और किरदार पहले से काफी अलग होगा। फैंस उनकी अगली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में विजय की फिल्म 'राणा बाली' का टीजर रिलीज किया गया, जिसे पहले VD14 के नाम दिया गया था। फैंस को उनकी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

विजय देवरकोंडा की फिल्म 'राणा बाली'

'राणा बाली' विजय देवरकोंडा की एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है। ब्रिटिश राज के दौर पर आधारित यह फिल्म दमन और विद्रोही पुरुषों की कहानी बयां करती है। एक्शन और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राहुल सांकृत्यान कर रहे हैं। यह फिल्म 11 सितंबर 2026 को थिएटर में रिलीज होगी।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी की खबरें

पिछले कुछ समय से विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी को लेकर अफवाहें तेज हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दोनों कलाकारों को कई बार वेकेशन पर भी साथ देखा गया है, जिस वजह से यह चर्चाएं और बढ़ गई हैं।

विजय देवरकोंडा की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय देवरकोंडा की कुल संपत्ति करोड़ों रुपये में बताई जाती है। फिल्मों के अलावा, वह ब्रांड एंडोर्समेंट और विज्ञापनों से भी अच्छी कमाई करते हैं। विजय एक फिल्म के लिए 15 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। उनकी कुल संपत्ति 50-70 करोड़ रुपये के बीच होने का अनुमान है।

दूर-देशों तक दहाड़ रही 'धुरंधर'; विदेशों में 300 करोड़ क्लब के करीब पहुंची

बीते वर्ष दिसंबर में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ डाले। महीनेभर से ज्यादा वक्त तक इसने बॉक्स ऑफिस पर एकछत्र राज किया। आलम यह रहा कि इसने अपने साथ और अपने बाद रिलीज होने वाली सभी फिल्मों को घुटनों पर ला दिया। हालांकि, 'बॉर्डर 2' इसके सामने मजबूती से टिक गई। 'बॉर्डर 2' की मजबूत पकड़ के बावजूद भी 'धुरंधर' का कमाल देश और विदेश में जारी है।

कितना हुआ ओवरसीज कलेक्शन?

फिल्म 'धुरंधर' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर तो कमाल दिखाया ही है, साथ ही विदेशों में भी यह धमाल कर रही है। विदेशी कलेक्शन के मामले में यह 300 करोड़ क्लब के नजदीक पहुंच चुकी है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म के ओवरसीज कारोबार कि जानकारी साझा की है। फिल्म 'धुरंधर' विदेश में अब तक 32.573 मिलियन डॉलर कमा चुकी है यानी भारतीय मुद्रा में 298 करोड़ रुपये। यह कारोबार ग्रॉस कलेक्शन के आधार पर है।

यूएसए और कनाडा में सबसे ज्यादा भौकाल

फिल्म 'धुरंधर' को सबसे ज्यादा प्यार यूएस और कनाडा में मिल रहा है। फिल्म ने कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन (32.573 मिलियन डॉलर) में से 18.45 मिलियन डॉलर तो अकेले सिर्फ यूएस और कनाडा से कमाया है। फिल्म 'धुरंधर' 05 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस स्पाई एक्शन फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे हैं।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत स्थिति

फिल्म 'धुरंधर' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूती से टिकी हुई है। हालांकि, अब यह सीमित स्क्रीन्स पर ही दिखाई जा रही है। 'बॉर्डर 2' अब अच्छा प्रदर्शन कर रही है, मगर इसके बावजूद 'धुरंधर' भी कमाई कर रही है।

तरण आदर्श ने इस फिल्म की कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं। इसके मुताबिक यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ क्लब के नजदीक है। आठवें सप्ताहांत और फिर गणतंत्र दिवस की छुट्टी पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म का नेट कलेक्शन 890.80 करोड़ रुपये हो गया है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की मृत्यु पर राजस्थान की राजनीति में शोक की लहर

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया। इस दुर्घटना की जानकारी के बाद राजस्थान में शोक की लहर दौड़ गई है। राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा सहित विभिन्न पार्टियों के नेताओं तथा नागरिकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया अकाउंट X पर लिखा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में निधन की सूचना अत्यंत दुखद और स्तब्धकारी है।

एक कुशल प्रशासक, दूरदर्शी नेता और समर्पित जनसेवक के रूप में उन्होंने महाराष्ट्र के विकास एवं जनकल्याण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। सीएम भजनलाल ने आगे लिखा कि उनका जाना महाराष्ट्र की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। इस दुःख की घड़ी में मेरी गहन संवेदनाएं उनके परिजनों, समर्थकों के साथ हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल पवार परिवार को यह असीम पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शान्ति!

अजित पवार के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद - दिया कुमारी

इस सूचना के बाद राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने X पर लिखा कि बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिजनों व कार्यकर्ताओं को संबल प्रदान करें। ॐ शांति..

मन अत्यंत व्यथित है - वासुदेव देवनानी

राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी सोशल मीडिया अकाउंट X पर लिखा कि विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित अन्य जनों के असामयिक निधन की खबर से मन अत्यंत व्यथित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। विनम्र श्रद्धांजलि !!

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार का बुधवार सुबह बारामती हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में निधन हो गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अधिकारियों ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीएसआर एविएशन द्वारा संचालित निजी विमान लियरजेट 45 सुबह करीब पौने नौ बजे बारामती हवाई पट्टी पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इस विमान में अजित पवार के साथ एक निजी सुरक्षा अधिकारी, एक सहायक और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार विमान में सवार सभी पांच लोगों की इस हादसे में मौत हो गई है।

अहमदनगर जिले के राहुरी तालुका के देवलाली प्रवरा में 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजीत पवार महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनीतिक नेता थे, जिन्हें उनके समर्पण और गतिशील नेतृत्व के लिए जाना जाता था।

बजट सत्र से पहले गरमाई सियासत

सर्वदलीय बैठक के बाद जूली बोले 'वही घोड़े वही मैदान'

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी, "जवाब न मिला तो वही घोड़े वही मैदान।" जूली ने बीजेपी पर सदन को जानबूझकर बाधित करने का आरोप लगाया और कहा कि वे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण और अन्य जनहित के मुद्दों पर विधानसभा में लड़ाई जारी रखने का भी भरोसा दिलाया। जनता की निगाहें विधानसभा पर हैं।

राजस्थान विधानसभा सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। जूली ने कहा, "सरकार जवाब चाहे जैसे भी दे, लेकिन जवाब तो दिया जाए।" उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जवाब नहीं मिला तो

"वही घोड़े वही मैदान" वाली स्थिति पैदा होगी। जूली ने कहा कि प्रदेश का किसान, युवा, गरीब और महिलाएं विधानसभा की हर बात देख रहे हैं और उम्मीद भरी नजरों से सुनते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का कैमरे को लेकर मुद्दा भी स्पीकर के सामने रखा गया।

नेता प्रतिपक्ष ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी विधानसभा को जानबूझकर बाधित कर रही है। जूली ने कहा, "पहली बार एक दलित नेता प्रतिपक्ष बना है, और बीजेपी इसे हजम नहीं कर पा रही। मेरी हर कोशिश को कमजोर करने की योजना बन रही है।" उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल छवि बनाने के लिए आरोप लगाती है और जनता के सवालों से भागती है। जूली ने स्पष्ट किया कि वे डरने वाले नहीं हैं और विधानसभा में जनता की आवाज़ उठाना जारी रखेंगे।

टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण और अन्य जनहित के मुद्दों पर विधायक दल की बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। जूली ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में सभी मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन यदि सरकार जवाब नहीं देती है, तो परिणाम वही होगा-"वही घोड़े वही मैदान।"

जूली ने कहा कि बीजेपी केवल छवि बनाने के लिए बेवजह आरोप लगाती है कि विपक्ष हंगामा कर रहा है। असल मकसद तो अपना बजट पास कराना है। उन्हें राजस्थान की जनता की कोई परवाह नहीं। हम जनता की आवाज़ उठाते हैं तो उन्हें बुरा लगता है। जानबूझकर ऐसा माहौल बनाया जाता है कि विपक्ष सदन को बाधित कर रहा है। जब जनहित के मुद्दे पर सदन बाधित हुआ, तो कुछ समय के लिए ही हुआ। रात तीन-तीन बजे तक भी सदन चलता है। सरकार की जिम्मेदारी है कि जनता के सवालों का जवाब दे, लेकिन वे इससे भागना चाहते हैं।

एयर इंडिया के विमान की लैंडिंग फेल

दहशत में आए यात्री, कांग्रेस के बड़े नेता भी सवार थे

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। विमान हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के बाद अब राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। जयपुर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को एयर इंडिया के विमान की लैंडिंग फेल हो गई। जिससे विमान में सवार यात्री दहशत में आए गए। हालांकि, दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। बड़ी बात ये रही कि विमान में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मौजूद थे। एयर इंडिया का विमान दिल्ली से उड़ान भरकर दोपहर करीब एक बजे जयपुर पहुंचा। जयपुर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 1.05 बजे पायलट ने लैंडिग की कोशिश की। लेकिन, लैंडिंग में दिक्कत आने की वजह से विमान ने रनवे टच करते ही वापस उड़ान भर ली। ऐसे में करीब 10 मिनट तक विमान आकाश में मंडराता रहा। विमान की लैंडिंग फेल होने

से यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, दूसरे प्रयास में विमान को सुरक्षित रनवे पर उतारा गया।

इस दौरान विमान में पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम और राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे। वहीं, एयरपोर्ट पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा के स्वागत के लिए आए हुए थे। पहले प्रयास में विमान की लैंडिंग असफल होने की खबर से कांग्रेस नेताओं की सांसें फूल गई थी। हालांकि, दूसरे प्रयास में सफल लैंडिंग के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी राहत की सांस ली। इस घटना से एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कंप मच गया। फिलहाल, मामले की जांच जारी है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश में जुटे हुए है कि आखिर क्या वजह रही कि पहले प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग नहीं हो सकी।

निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत की साड़ी बनी आकर्षण का केंद्र

मामले को जानकर चौंके लोग

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान वधिानसभा बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। बयाना से निर्दलीय वधिायक ऋतु बनावत भी बजट सत्र में हिस्सा लेने के लिए वधिानसभा पहुंचीं। तो हर कोई उनको देखकर चौंक रहा था। ऋतु बनावत की साड़ी आकर्षण का केंद्र बन गई। हर कोई उस साड़ी की चर्चा करने लगा। जब लोगों ने साड़ी को ध्यान से देखा तो उन पर सरकार के खिलाफ कई रोचक लाइनें लिखी हुईं थी। एक लाइन थी कि विधायक निधि मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए।

राजस्थान वधिानसभा बजट सत्र में पहुंची बयाना से निर्दलीय

वधिायक ऋतु बनावत ने कहा, भ्रष्टाचार का मुझ पर जो आरोप लगा, उसकी जांच सीबीआई से कराई जाए। अगर सीबीआई से जांच नहीं कराई जाती है तो हाईकोर्ट के सिटिंग जज इस प्रकरण की जांच करें। ऋतु बनावत पर वधिायक नधिि में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

सीबीआई जांच के बाद होगा इस मामले का सही खुलासा

ऋतु बनावत ने कहा, जब सीबीआई से जांच होगी, तब ही इस मामले का सही खुलासा हो सकेगा। नहीं तो ब्लैकमेलिंग का यह खेल चलता रहेगा। मैं इस मामले को जनता के समक्ष रखना चाहती हूं। जनता भी जानती है कि किस तरह का खेल उनके जनप्रतिनिधियों के साथ किया जा रहा है। आज इसीलिए मैं यह कपड़े पहन कर आई हूं। जब तक मुझे न्याय नहीं मिलेगा, मैं यह मामला उठाती रहूंगी।

मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास

ऋतु बनावत ने आगे कहा, मामले में कहीं कोई एग्रीमेंट साइन नहीं हुआ न कोई लेटर, न कोई पैसा दिया गया, लेकिन कुछ लोग लगातार मेरी छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

6 माह से पीछे लगा था

ऋतु बनावत ने कहा, जो व्यक्ति मिलने आया था, उसने खुद कहा कि वह तो 6 माह से पीछे लगा था, जब वह मेरे पास आया और उसने वीडियो रिकॉर्डिंग की बात कही तो मैं यह जानना चाहती हूं कि वह कितने लोगों के पास गया? कितने लोगों की रिकॉर्डिंग थी और उस रिकॉर्डिंग में क्या था?

स्लीपर कोच बस-कैंटर में भीषण भिड़ंत

1 की मौत, आधा दर्जन यात्री घायल, मची चीख-पुकार

श्रीगंगानगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर मोकलसर के नजदीक बुधवार को घने कोहरे के कारण स्लीपर कोच बस और कैंटर में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बस में सवार करीब आधा दर्जन यात्री भी घायल हुए, जिन्हें राजियासर चिकित्सालय में इलाज के लिए ले जाया गया।

मौके पर अफरा-तफरी मची

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कैंटर का केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गया, जबकि बस के ड्राइवर साइड का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही राजियासर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारु करवाया।

राजियासर थाना सहायक उप निरीक्षक सज्जन मीणा ने बताया कि अहमदाबाद से श्रीगंगानगर जा रही स्लीपर कोच बस आगे चल रहे एक वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण मोकलसर के पास सामने से आ रहे कैंटर से टकरा गई। कैंटर अबोहर से किन्नू भरकर गुजरात की ओर जा रहा था। हादसे में कैंटर चालक महेंद्र सिंह (30 वर्ष), पुत्र दुर्गाराम, निवासी सुथारों का बास, गांव गंगाणी (जोधपुर) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बस चालक के पैरों और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। बस में सवार छह अन्य यात्री भी घायल हुए।

कब होगा शिक्षकों का प्रमोशन? शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा बयान आया सामने

पाली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग में अध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक सहित अन्य पदों की डीपीसी शेष है। इससे रिक्त पदों का गणित गड़बड़ा रहा है। इस साल 31 मार्च तक डीपीसी नहीं की जाती है तो 1 अप्रेल से बकाया डीपीसी में एक और डीपीसी जुड़ जाएगी। शिक्षा विभाग में सरकार की ओर से कई पदों की डीपीसी की गई, इसके बावजूद अभी बड़ी संख्या में अध्यापक और अधिकारी पदोन्नति की राह देख रहे हैं।

पदोन्नति के अभाव में रिक्त पदों का गणित भी गड़बड़ा रहा है। इस सत्र में उप प्राचार्य के साथ अन्य करीब 50 हजार पदों की डीपीसी की गई थी। इसके बाद भी अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता सहित अन्य पदों की डीपीसी का

शिक्षक अभी इंतजार कर रहे हैं।

अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक की 5 सत्र की डीपीसी बकाया है। करीब 25,000 अध्यापक इंतजार कर रहे हैं।

वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की 2 सत्र से पदोन्नति नहीं होने से करीब 10,000 इंतजार कर रहे हैं। उप प्राचार्य से प्राचार्य की 1 सत्र की डीपीसी के कारण करीब 2,500 उप प्राचार्य इंतजार कर रहे हैं। दो सत्र की पदोन्नति हो चुकी है। उप प्राचार्य पद को डाइंग कैडर कर दिया गया है। व्याख्याता से वीपी/वरिष्ठ व्याख्याता के लिए पद निर्धारित नहीं किए गए हैं।

1 अप्रैल को अगले सत्र की डीपीसी बकाया हो जाएगी। ऐसे में यदि 31 मार्च तक सभी डीपीसी नहीं होती हैं तो 1 अप्रेल से बकाया डीपीसी में एक और डीपीसी जुड़ जाएगी।

शिक्षा विभाग में तृतीय श्रेणी से वरिष्ठ अध्यापक के पदों पर पिछले 5 सत्र की पदोन्नतियां बकाया चल रही हैं। व्याख्याताओं की 3 सत्र की डीपीसी बकाया है। अन्य सभी वर्गों की बकाया पदोन्नतियां कर दी जाएं तो सीधी भर्ती की राह आसान होगी। विभाग को शीघ्र सभी बकाया डीपीसी करनी चाहिए।

मनरेगा पर आर-पार की लड़ाई

गैंती-फावड़े लेकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेसी विधायक

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बाहर गहमागहमी का माहौल बन गया, जब कांग्रेस विधायकों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में किए गए बदलावों के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक हाथों में गैंती, तगारी और फावड़े लेकर विधानसभा गेट तक पहुंचे।

कांग्रेस विधायकों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जब विधायक इन औजारों के साथ सदन में प्रवेश करने लगे, तो सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें विधानसभा गेट पर ही रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने गैंती-फावड़े बाहर छोड़कर सदन में प्रवेश किया।

प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज देश के किसान, मजदूर और गरीब वर्ग के काम करने के संवैधानिक अधिकार पर संकट मंडरा रहा है। जिस समय लोगों को रोजगार की सबसे अधिक आवश्यकता है, उस समय सरकार उनसे काम छीनने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब मनरेगा कानून लागू किया गया था, तब पूरे देश में खुशी की लहर थी। यह कानून लोकसभा, राज्यसभा और सभी विधानसभाओं की सहमति से पारित हुआ था, लेकिन वर्तमान सरकार इसे कमजोर करने और खत्म करने पर आमादा है, जो बेहद गंभीर और चिंताजनक संकेत है।

खेलते समय टैंक में गिरा 7 साल के बालक की मौत

झालावाड़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झालावाड़ के मनोहरथाना कस्बे की गणेश आयल मिल कॉलोनी के मकान में खेलने के दौरान पानी के टैंक में गिरने से 7 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बालक के माता-पिता किसी काम से दिल्ली गए हैं। घर पर उसकी चाची ही थी। इस पर तुरंत दुकान से चाचा को बुलाया, जो बालक को टैंक से निकाल कर सीएचसी ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशल लोधा ने बताया कि मूलतः आंवल हेड़ा ग्राम पंचायत के खाकरां लोधान निवासी हॉल मुकाम मनोहरथाना गणेश ऑयल मिल कॉलोनी निवासी दिव्यांश लोधा 7 वर्ष, पुत्र कमलेश लोधा को सीएच सी पर लेकर आए थे।

भाषण देते समय मंच पर गिरे पूर्व सरपंच, हार्ट अटैक से हुई मौत

उदयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के फलासिया ब्लॉक में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एक हृदयविदारक घटना सामने आई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरादीत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाषण देते समय पूर्व सरपंच को हार्ट अटैक आ गया। वे मंच पर ही लड़खड़ाकर गिर पड़े। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने पूर्व सरपंच को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे पूर्व सरपंच

जानकारी के अनुसार, खाटी कमदी पंचायत के पूर्व सरपंच भैरूलाल गोदड़ा (55) 26 जनवरी को विद्यालय में आयोजित

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। मार्च-पास्ट के दौरान वे लगभग दो मिनट 13 सेकंड तक चले। इसके बाद जैसे ही उन्होंने भाषण प्रारंभ किया, अचानक असहज महसूस करने लगे और मंच पर ही गिर पड़े।

चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

घटना के तुरंत बाद मंच पर मौजूद प्रधानाचार्य लक्ष्मण गमेर एवं अन्य शिक्षकों ने उन्हें संभाला। प्रधानाचार्य लक्ष्मण गमेर ने बताया कि तत्काल सीपीआर दी गई और उन्हें विद्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर मादड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तीन बार रह चुके थे सरपंच

भैरूलाल गोदड़ा खाटी कमदी पंचायत के तीन बार सरपंच रह चुके थे और क्षेत्र में सामाजिक रूप से सक्रिय थे। उनके बड़े पुत्र गणेश मीणा ने बताया कि चिकित्सकों ने मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है।

रेडीमेड कपड़ों की दुकान में भीषण आग

लाखों का सामान जलकर राख

बालोतरा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बालोतरा जिले के सिवाना कस्बे में अफरा-तफरी मच गई, जब सिवाना-बालोतरा रोड पर स्थित एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। शाम करीब 5 बजे लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी दुकान इसकी चपेट में आ गई। आग इतनी तेज थी कि देखते-देखते दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगने के वक्त दुकान बंद थी। दुकान मालिक ललित ओझा किसी निजी काम से शटर बंद कर घर गए हुए थे। उनके जाने के कुछ ही समय बाद दुकान के अंदर से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद आग की लपटें बाहर तक नजर आने लगीं। जैसे ही आसपास के लोगों ने दुकान से उठता धुआं और आग की लपटें देखीं, तुरंत दुकानदार को सूचना दी गई। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सिवाना नगर पालिका को सूचना दी गई, जिसके बाद पानी का टैंकर मौके पर पहुंचा। नगर पालिका कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि प्रयास नाकाफी साबित हुए।

राजस्थान क्रिकेट- बिना सिलेक्शन टीम में शामिल हुए 2 खिलाड़ी

एक फोन कॉल पर ड्रेसिंग रूम तक पहुंचे, साथ में प्रैक्टिस की; हेड कोच सस्पेंड

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की अंडर-14 टीम में दो ऐसे खिलाड़ी शामिल हो गए, जिनका चयन समिति ने सिलेक्शन ही नहीं किया था। ये दोनों खिलाड़ी सीधे सेंट्रल जोन अंडर-14 टूर्नामेंट में पहुंच गए। चौंकाने वाली बात यह है कि इन्होंने डिस्ट्रिक्ट और चैलेंजर लेवल पर भी क्रिकेट नहीं खेला है। दोनों खिलाड़ी टीम के साथ आरसीए की ड्रेस और किट के साथ वॉर्मअप सेशन में शामिल हुए। खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम और डगआउट भी साझा किया। मामले का खुलासा होने के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी ने राजस्थान अंडर-14 टीम के हेड कोच अजहरुद्दीन को सस्पेंड कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, सेंट्रल जोन अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन इंदौर (मध्य प्रदेश) में किया जा रहा है। इसमें राजस्थान की टीम भी हिस्सा लेने पहुंची है। 24 जनवरी को विदर्भ के खिलाफ मैच से पहले राजस्थान टीम में दो ऐसे खिलाड़ी शामिल हो गए, जिन्हें आरसीए की चयन समिति ने सिलेक्ट ही नहीं किया था।

आरसीए से जुड़े सूत्रों के अनुसार, दोनों खिलाड़ी राजस्थान के अलग-अलग जिलों से बतौर गेस्ट प्लेयर टीम में शामिल हुए थे। एक खिलाड़ी के पिता आरसीए की एक टीम के साथ सपोर्ट स्टाफ के रूप में जुड़े हुए हैं। वहीं, दूसरे खिलाड़ी की एंट्री बड़ी सिफारिश के जरिए कराई गई।

हेड कोच अजहरुद्दीन ने सफाई देते हुए कहा कि मुझे इस बारे में कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। मुझे आरसीए की ओर से एक फोन कॉल आया था, जिसमें कहा गया था कि दो बच्चे टीम के साथ आएंगे। उन्हें वॉर्मअप सेशन में शामिल करना है। दोनों खिलाड़ियों के पास आरसीए की आधिकारिक ड्रेस और किट बैग थे, इसलिए मुझे किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। बता दें कि अजहरुद्दीन ने 10 साल तक राजस्थान के लिए अलग-अलग एज ग्रुप में 50 से ज्यादा मैच खेले हैं। पिछले 4 साल में राजस्थान की अंडर-16 और अंडर-14 टीम के कोच व मैनेजर रह चुके है।

आरसीए एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने कहा- पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद तुरंत टीम के हेड कोच को सस्पेंड कर वापस बुला लिया गया है। उन्होंने कहा- बिना चयन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में भेजना एक बेहद गंभीर मामला है। जो भी लोग इसमें शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। निष्पक्ष जांच कराई जाएगी कि बिना चयन के खिलाड़ियों के पास आरसीए की ड्रेस और किट बैग कैसे पहुंचे। इस पूरे मामले में किन-किन लोगों की भूमिका रही।

केंद्र ने जेल आधुनिकीकरण के लिए 950 करोड़ रुपये आवंटित किए : बंडी संजय

केन्द्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय जेल अधिकारियों को संबोधित किया

विशाखापत्तनम, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को कहा कि नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली केंद्रीय सरकार देशभर में जेल सुधार, सुरक्षा उन्नयन और कैदियों के पुनर्वास को प्राथमिकता दे रही है। जेल आधुनिकीकरण परियोजना के तहत कुल 950 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। एक रिसॉर्ट्स में दो दिवसीय 9 वीं राष्ट्रीय जेल अधिकारियों की कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि ध्यान उच्च सुरक्षा जेलों के निर्माण सहित सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने पर है, साथ ही कैदियों के मानवतावादी व्यवहार और पुनर्वास को सुनिश्चित करना भी उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि केवल 2025-26 के लिए ही जेल आधुनिकीकरण के लिए 101.45 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

यह सम्मेलन पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो और आंध्र प्रदेश जेल एवं सुधारात्मक सेवाओं विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। बीपीआरएंडडी निदेशक आलोक रंजन, एपी जेल डीजी अंजनी कुमार, तेलंगाना जेल डीजी सौम्या मिश्रा और विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल हुए। बंडी संजय ने कहा कि 'गरीब और कमजोर कैदियों की देखभाल', "मॉडल जेल मैनुअल - 2016", मॉडल जेल और सुधारात्मक सेवाएं अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन और आधार सत्यापन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और टेलीमेडिसिन जैसी तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गरीब कैदियों के लिए सहायक योजना के तहत केंद्र प्रत्येक वर्ष 20 करोड़ रुपये आवंटित कर रहा है, जिससे अब तक 16 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में 237 कैदियों को लाभ मिला है। उन्होंने बीपीआरएंडडी की जेल प्रणाली को सुधार-उन्मुख और अधिकार आधारित बनाने में भूमिका की सराहना की, 1997 से अब तक 701 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 15,875 जेल अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। हालांकि जेल प्रशासन राज्य का विषय है, मंत्री ने सुरक्षित, मानवतावादी और पुनर्वास-केंद्रित जेल प्रणाली के निर्माण के लिए केंद्र-राज्य समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

करमनघाट श्री आईमाता मंदिर का नवां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित अलमासगुड़ा सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी मंदिर के दो दिवसीय नवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह 27 जनवरी जागरण व 28 जनवरी प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सहसचिव गजाराम सेणचा ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य में नौवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह आयोजित किया गया। 27 जनवरी पूजा-अर्चनाकर रात्रि 9.15 बजे से श्री आईमाताजी भजन मंडली द्वारा जागरण का आयोजन किया गया । माघ सुदी दसम 28 जनवरी को प्रात: वेला मे पुजारी अम्बारामजी सोलंकी द्वारा पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा बडंगपेट के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाता मंदिर लाई गयी। श्री आईमाता मंदिर की ध्वजा हिरालाल, ओगड़राम सैणचा, श्री सोनाणा खेतलाजी की ध्वजा मनाराम, हंसाराम आगलेचा, श्री शीतला माताजी की ध्वजा रामलाल सीरवी व श्री बाबा रामदेवजी की ध्वजा समाज बन्धुओफ्क द्वारा चढायी गयी। महाआरती के पश्चात् पधारे सभी समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया।

सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने पधारे सभी समाज बन्धुओं को 9वें वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह की शुभकामनाँए देते हुए भरोसा दिलाया कि मंदिर के चहुमुखी विकास के लिए सभी समाज बन्धुओं के सहयोग से मिलझुलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम वरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सह सचिव गजाराम सैणचा, सह कोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, खेल मंत्री धनराज वरपा, सह खेल मंत्री मोतीराम सोयल, मीडिया प्रभारी गोविन्दराम पंवार, सलाहकार मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, हंसाराम आगलेचा, चौथाराम पंवार, पूर्व सचिव हीरालाल सैणचा, नेमाराम काग, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

डायल 100 शिकायत पर त्वरित प्रतिक्रिया, घर तक पहुंची एफआईआर कापी

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डायल 100 पर प्राप्त शिकायत मिलते ही बालानगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। बालानगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर टी. नरसिंहा राजू द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बालानगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के माधवी नगर में स्थित इलेक्ट्रिक पैनल बोर्ड बनाने वाली एक छोटी औद्योगिक इकाई से बीती रात अज्ञात व्यक्तियों ने लगभग 40 हजार मूल्य के 14 कॉपर वायर बंडलों की चोरी कर ली। इस संबंध में डायल 100 पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस तुरंत शिकायतकर्ता की वर्कशॉप पर पहुंची और मौके पर ही लिखित शिकायत प्राप्त की। इसके बाद उस शिकायत को पुलिस स्टेशन भेजकर कानून के अनुसार मामला दर्ज किया गया। पुनः शिकायतकर्ता की वर्कशॉप पहुंचकर एफआईआर की मूल प्रति उन्हें सौंपी गई। बालानगर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया पर पीड़ित ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अपराध होने के तुरंत बाद पीड़ितों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस स्वयं उनके पास आकर शिकायत दर्ज कर रही है और एफआईआर की प्रति उपलब्ध करा रही है। इस व्यवस्था से पीड़ितों का मानसिक तनाव कम हो रहा है और पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बढ़ रहा है। इंस्पेक्टर ने कहा कि पीड़ितों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करते हुए जनता को तेज़, पेशेवर और प्रभावी सेवाएं प्रदान करना ही साइबराबाद पुलिस का उद्देश्य है।

ईसीआईएल में "कौशल एवं नेतृत्व क्षमता' विशेषांक का विमोचन

कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित भारत की आधारशिला है अनुराग कुमार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अनुराग कुमार ने ईसीआईएल गौरव, अंक-25 "कौशल एवं नेतृत्व क्षमता' विशेषांक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि "कौशल एवं नेतृत्व क्षमता' किसी भी संगठन की स्थायी प्रगति, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और राष्ट्र निर्माण में योगदान की आधारशिला होती है। आज का युग केवल तकनीकी दक्षता का नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, नैतिक मूल्यों, टीम भावना और प्रभावी निर्णय क्षमता से युक्त नेतृत्व का युग है। इस अवसर पर डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (तकनीकी); पी कृष्णा कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी; प्रोतीक कुमार चक्रबोर्ती, निदेशक (वित्त) सहित ईसीओए के अध्यक्ष तथा ईसीआईएल मजदूर संघ के अध्यक्ष उपस्थित थे। यह विशेषांक वर्तमान प्रतिस्पर्धी एवं तकनीक-प्रधान युग में कौशल विकास, प्रभावी नेतृत्व, नवाचार, संगठनात्मक उत्कृष्टता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसका संपादन डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के मार्गदर्शन में किया गया है, जिनके नेतृत्व में संपादकीय टीम ने इसे एक समग्र, विचारोत्तेजक एवं प्रेरणास्पद अंक का स्वरूप प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त ईसीआईएल - भारत के स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अग्रणी, भारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी तथा भारत की प्रथम हवाई यात्रा: साहस, तकनीक और संचार क्रांति जैसे लेखों के माध्यम से तकनीकी प्रगति, भाषायी नवाचार और ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

कृषि अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के हैदराबाद शाखा कार्यालय ने बुधवार को बोवेनपल्ली स्थित प्रधान प्रशिक्षण संस्थान में कृषि एवं विपणन विभाग के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र से संबंधित भारतीय मानकों और गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रंगारेड्डी, हैदराबाद, महबूबनगर, मेडक, संगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों से लगभग 65 अधिकारियों ने भाग लिया। उद्घाटन भाषण में बीआईएस हैदराबाद शाखा के निदेशक एवं प्रमुख (वैज्ञानिक-ई) पी.वी. श्रीकांत ने कृषि में गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने में भारतीय मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय मानकों को अपनाने से किसानों, उपभोक्ताओं और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को लाभ होता है।

उन्होंने अधिकारियों से केवल आईएसआई चिन्हित उत्पादों का उपयोग और उनकी खरीद पर जोर देने का आग्रह किया।

प्रधान प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य बी.वी. कृष्णारेड्डी ने उत्पादकता बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और कृषि उत्पादों की बाजार पहुंच में मानकीकरण के महत्व पर जोर दिया और बीआईएस की इस पहल की सराहना की।

तकनीकी सत्रों में बीआईएस के संकाय सदस्य डॉ. डी. श्रीनिवास राव ने मानकीकरण प्रक्रिया, प्रमाणन योजनाओं और कृषि इनपुट, उपकरण, भंडारण और विपणन से संबंधित भारतीय मानकों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।

विश्वकर्मा महाराजका तेरहवां विशाल जागरण

हैदराबाद हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद हमीदुल्ला नगर स्थित जाट समाज तेलंगाना सर्वे नंबर 4971 में वीर तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण में श्री विश्वकर्मा महाराज के भव्य जागरण 30 जनवरी 2026 को होगी राजस्थान प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार दिनेश नागौरी एंड पार्टी नागौरी म्युजिकल ग्रुप द्वारा राजस्थानी भजन प्रस्तुत किये जायेंगे व अन्तर्राष्ट्रीय डांसर अनु सोलंकी, मंटकी डांसर मैना राजस्थानी, सुप्रसिद्ध डांसर पुजा चौधरी द्वारा राजस्थानी डांसर किया जायेंगे। कार्यक्रम स्थल पर महा प्रसादी व्यवस्था रहेगी।निवेदक विश्वकर्मा जयंती मारवाड़ी समिति हाईटेक सिटी गच्छीबावली द्वारा कार्यक्रम आयोजित होगा

ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में ग्यारस उद्यापन कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां प्रदान कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थानी मित्र मंडल, जगदगिरीगुट्टा, आलविन कॉलोनी सहित सर्व समाज के गणमान्य पदाधिकारी एवं सर्व समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

असाधारण
भाग-।।-धारा 3-उप-धारा (ii)
रेल मंत्रालय
(दक्षिण मध्य रेलवे)
अधिसूचना
सिकंदराबाद, 23 जनवरी, 2026

PUB/1835/26

एस.ओ.363(इ)-रेलवे अधिनियम, 1989 (24/1989) की धारा 20ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, केंद्र सरकार ने जन उध्देश्य हेतु संतुष्टि व्यक्त करने के बाद, भूमि का विवरण जिसे निम्न प्रकार संलग्न व दर्शाया गया है, तत्संबंधित भूमि 1x25 केवी से 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य (अपग्रेडेशन वर्क) हेतु आवश्यकता है तथा उक्त भूखण्ड तेलंगाना राज्य के वरंगल जिले के गांव व मंडल नेक्कोण्डा पर काजीपेट-डोर्नकल सेक्शन स्थित है, उक्त भूखण्ड नेक्कोण्डा टीएसएस के 3000 एमटी लोडिंग टारगेट या लदान लक्ष्य को पूरा करने हेतु चाहिए। इसके दृष्टिगत उपरोक्त भूखण्ड के अधिग्रहण हेतु यह घोषणा की जाती है। इसके चलते कोई भी व्यक्ति उक्त भूखण्ड के प्रति रूचि रखते हैं तो वे, आफिशियल गजट के इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से लेकर 30 (तीस) दिनों के भीतर, उपरोक्त अधिनियम की धारा 20 डी-उप-धारा (1) के तहत उक्त उध्देश्य हेतु तत्संबंधित भूमि अधिग्रहण के बारे में अपनी आपत्ति जता सकते हैं।

इस बारे में जोभी आपत्ति हो, उसे काम्पीटन्ट एथारिटी (एलए), जैसे रेवेन्यु डिवीजनल आफिसर, नरसमपेट डिवीजन के प्रति लिखित रुप में देना होगा व इसका आधार बताया जाए तथा काम्पीटन्ट एथारिटी, रेवेन्यु डिवीजनल आफिसर, नरसमपेट डिवीजन द्वारा आपत्ति जतानेवाले या आब्जेक्टर को, व्यक्तिगत रूप में या लीगन प्रैक्टिशनर द्वारा अपनी आपत्ति के कथन करने का सुअवसर प्रदान किया जायेगा एवम् तत्संबंधित आपत्तियों की सुनवाई के बाद तथा संबंधित आगे की जांच के पश्चात् यदि कोई हो तो, इस बारे में सक्षम प्राधिकारी- भूमि अधिग्रहण (सीएएलए) या काम्पीटंट एथारिटी -लैण्ड एक्वीजीशन (सीएएलए), यदि आवश्यक होने पर, आदेश द्वारा, उक्त आपत्तियों की अनुमति दे सकते हैं या नहीं दे सकते हैं। इस बारे में, उक्त अधिनियम की धारा 20 (डी) की उप धारा (ii) के तहत सक्षम प्राधिकारी -भूमि अधिग्रहण द्वारा जारी आदेश अंतिम माना जायेगा।

इस अधिसूचना के तहत तत्संबंधित भूमि योजनाएं तथा अन्य विवरण उपलब्ध है तथा इसे किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा उपरोक्त काम्पीटन्ट एथारिटी (एलए) कार्यालय पर निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

अधिग्रहण से जुडी भूमि का विवरणः- तत्संबंधित भूखण्ड 1x25 केवी से 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन कार्य (अपग्रेडेशन वर्क) एवम् भूखण्ड नेक्कोण्डा टीएसएस के 3000 एमटी लदान लक्ष्य को पूरा करने हेतु--- तथा उक्त भूखण्ड तेलंगाना राज्य के वरंगल जिले के गांव व मंडल नेक्कोण्डा पर काजीपेट-डोर्नकल सेक्शन पर नेक्कोण्डा का निर्माण कार्य।

क्रम संख्या	मंडल व गांव का नामः	सर्वे नंबर	विस्तार	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि उपभोग कर्ता या एंजायर का नाम	विस्तार (एकड-गुंटाज)	संरचना/टिप्पणिया
1	नेक्कोण्डा	25	0.23	पट्टा	सूखा	वाकिटी गौरम्मा धर्मपत्नी सम्माय्या (स्व.)	0.0625	इलेक्ट्रिकल हाय-टेन्शन पोल
						वाकिटी रजिथा धर्मपत्नी सुनिल (स्व.) वाकिटी यमुना धर्मपत्नी सुनिल (स्व.)	0.10	
						वाकिटी सारय्या सुपुत्र सम्माय्या (स्व.)	0.0475	
						वाकिटी गौरम्मा (डोंका) धर्मपत्नी सम्माय्या (स्व.) वाकिटी सारय्या (डोंका) सुपुत्र सम्माय्या (स्व.)	0.02	प्रस्तावित डोन्का दारी
						उप-योग	0.23	
2	नेक्कोण्डा	13	0.39	पट्टा	सूखा	वाकिटी गौरम्मा धर्मपत्नी सम्माय्या (स्व.)	0.15	
						गोसुला भद्रय्या सुपुत्र वीरय्या गोसुला मधुकर व देवेंदर सुपुत्र वीरय्या	0.24	
						उप-योग	0.39	
3	नेक्कोण्डा	32/1	0.16	सरकारी	सूखा	वाकिटी गौरम्मा धर्मपत्नी सम्माय्या (स्व.)	0.06	
						गोसुला भद्रय्या सुपुत्र वीरय्या	0.01	
						गोसुला मधुकर व देवेंदर सुपुत्र वीरय्या	0.09	
						उप--योग	0.16	
						कुल	एकड 1.38 गुंटाज	

फाइल संख्याःडब्ल्यू.कान/182/एसआरपी/टीएसएस/एनकेडी/20ए}
हस्ता./- मुख्य अभियंता/निर्माण-IV- सुनिल कुमार वर्मा

A2322

चौथा टी-20; न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रन से हराया:सैंटनर ने 3 विकेट झटके;

टिम साइफर्ट ने 62 रन बनाए

विशाखापट्टनम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत पर 50 रन की जीत हासिल की। बुधवार को विशाखापट्टनम में 216 रन का टारगेट चेज कर रही टीम इंडिया 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।

शिवम दुबे ने 23 बॉल पर 65 रन की पारी खेली। जबकि रिंकू सिंह ने 39 और संजू सैमसन ने 24 रन बनाए। न्यूजीलैंड से कप्तान मिचेल सैंटनर ने 3 विकेट झटके। जबकि जैकब डफी और ईश सोढ़ी को 2-2 विकेट मिले। एक-एक विकेट मैट हेनरी और जैक फाउलकस के खाते आए। एक बैटर रनआउट हुआ।

इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए। टिम साइफर्ट ने 62 और डेवोन कॉन्वे ने 44 रन बनाए। कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह को 2-2 विकेट मिले।

इस जीत से न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-3 से वापसी की है। आखिरी 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदेवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला अशोक कुमार सरायवाला पी सी जैन भोज रेड्डी प्रवीण कुमार अग्रवाल पी जी आर मूर्ति रामनिवास पंडित सुदर्शन अशोक कुमार रूंगटा अशोक कुमार लाखोटिया सेसैया डॉ राधा कृष्ण दुर्गा संध्या रानी अग्रवाल विजया लक्ष्मी विजया रेड्डी थंबी पद्मा किरेन व अन्य।

एक शाम पाबुजी महाराज के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर बन्डलागुड़ा स्थित श्री आईमाता वडेर मे समस्त नायक समाज विकास समिति हैदराबाद समाज बन्धुओफ्क के सानिध्य मे मंगलवार 27 जनवरी रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम पाबुजी महाराज के नाम भव्य जागरण का आयोजन किया गया ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अशोक दायमा ने बताया कि तेलंगाना की पावन धरा पर प्रथम भव्य जागरण समाज बन्धुओफ्क के सानिध्य मे आयोजित किया गया । शाम 6.15 बजे पूजा-अर्चना, महाआरती, ज्योत प्रज्वलितकर, पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। रात्रि 9.15 बजे एक शाम पाबुजी महाराज के नाम भव्य जागरण मे मरुधरा की भूमि से जोगराजसिंह राठौड़, पारस देवड़ा, चौथाराम चिरपटिया व विशाल श्रीमाली ने राजस्थानी अंदाज़ मे भजनोफ्क के पुष्प अर्पित किये जिसका समाज बन्धुओफ्क ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया ।

कार्यक्रम मे पधारे पाबूजी महाराज उपासक वेनारामजी चौधरी, नायक समाज जिलाध्यक्ष जीवाराम राठौड़ धनला, विभिन्न संस्थाओफ्क के पद्धिकारियोफ्क, एल.बी.नगर. वेलफेयर एसोसिएशन सीरवी समाज अध्यक्ष वेनाराम चोयल, खंगारराम मुलेवा, जाट समाज ट्रस्ट उपाध्यक्ष कैलाश सारण, श्री खेतेश्वर सेवा दल के विजयसिंह बलाड़ा, धर्मराज सांडिया, श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मंडल के महेन्द्रसिंह आगलेचा, आनन्द लिम्बा, भँवरलाल, भैराराम काग, आईजी साउंड के पारस सीरवी, पत्रकार परबत सोलंकी का राजस्थानी परमपरा साफे व शॉल से विशेष सम्मान किया गया । अध्यक्ष अशोक दायमा ने प्रथम विशाल जागरण मे पधारे सभी समाज बन्धुओफ्क का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि दूसरा विशाल जागरण अतिशीघ्रकिया जाएगा । कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष अशोक दायमा, सचिव तरुण दायमा, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौहान, उपाध्यक्ष दिनेश पंवार, सहसचिव रमेश देवड़ा, सलाहकार पारस सिन्दल, सभी युवा कार्यकर्ताओफ्क व समाज बन्धुओफ्क का विशेष सहयोग रहा ।

मंच का संचालन विशाल श्रीमालि ने किया । यूट्यूब पर सीधा प्रसारण व साउंड की व्यवस्था पी.एम.एल सीरवी द्वारा की गयी । आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

आईपीएल 2026 से पहले बीसीसीआई ने बनाई ऑक्शन में अनसोल्ड रहे 1307 खिलाड़ियों की लिस्ट

मिल सकता है खेलने का मौका

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी में हुए आईपीएल 2026 के ऑक्शन में जो खिलाड़ी नहीं बिके, बीसीसीआई ने उनमें से 1307 खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार की है, जिसे आरएपीपी यानी रजिस्टर्ड अवेलेबल प्लेयर पूल कहा जाता है. इंडियन प्रीमियर लीग में आरएपीपी शब्द भले ही उतना पॉपुलर ना हो, लेकिन ऑक्शन के बाद फ्रेंचाइजी के लिए ये बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है. आरएपीपी में शामिल खिलाड़ियों को रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर खेलने का मौका मिल सकता है.

क्या है आरएपीपी ?

आरएपीपी यानी रजिस्टर्ड अवेलेबल प्लेयर पूल में शामिल वो खिलाड़ी होते हैं, जिन्होंने ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था और उस प्रक्रिया से अपना नाम वापस नहीं लिया था.

सीधे शब्दों में बस यही जान लीजिए कि बीसीसीआईकी तैयार की ये पूल उन सिर्फ उन खिलाड़ियों के बीच से ही तैयार हुई है, जो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में नहीं बिके थे.

स्टीव स्मिथ, रीस टॉपली, जेमी स्मिथ और जॉनी बेयरस्टो उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो फ्रेंचाइजी के लिए रिप्लेसमेंट के तौर पर उपलब्ध हो सकते हैं. यानी, उनके नाम आरएपीपी लिस्ट में हैं. यहां तक कि इंटरनेशनल वनडे में भारतीय टीम के लिए हमेशा से परेशानी का सबब रहे डैरिल मिचेल का नाम भी उस लिस्ट में 98वें नंबर पर शामिल है. डैरिल मिचेल की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये है. हाल ही में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई वनडे सीरीज में मिचेल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था.

इन भारतीय खिलाड़ियों को भी मिली जगह

भारतीय खिलाड़ियों में मयंक अग्रवाल, केएस भरत, दीपक हुड्डा, नवदीप सैनी, चेतन सकारिया, संदीप वारियर और उमेश यादव जैसे नाम शामिल हैं, जिन्हें 75 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस के साथ बीसीसीआई ने आरएपीपी लिस्ट में जगह दी है.

बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, कोई भी फ्रेंचाइजी ऑक्शन में तय कीमत से कम पर आरएपीपी के किसी भी खिलाड़ी को साइन नहीं कर सकती. कभी-कभार आरएपीपी में शामिल खिलाड़ियों को कुछ फ्रेंचाइजियां नेट बॉलर के तौर पर इस्तेमाल करती है. लेकिन, उस सूरत में बीसीसीआई ये क्लियर करती है कि उस खिलाड़ी पर उस फ्रेंचाइजी का कोई अधिकार नहीं. मतलब, कोई दूसरी फ्रेंचाइजी अगर उसे रिप्लेसमेंट के तौर पर खुद से जोड़ना चाहे तो कर सकती है.

'अगर टीम इंडिया वर्ल्डकप नहीं जीतती तो...'

गौतम गंभीर पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी का बड़ा बयान, मचा बवाल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से ही उनके फैसलों या फिर कोचिंग के तरीकों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर फैंस के अलावा कई पूर्व खिलाड़ी भी निशाना साध रहे हैं। इस सूची में टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी मनोज तिवारी का नाम भी जुड़ गया है। उनका कहना है कि यदि गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया अगले महीने से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्डकप में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो उन्हें कोच पद से हटा देना चाहिए। मनोज तिवारी ने स्पोर्ट्स वेबसाइट इनसाइडस्पोर्ट से बातचीत में कहा अगर गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने में असफल होते हैं, तो बीसीसीआई

को बड़ा और मुश्किल फैसला लेना चाहिए। बीसीसीआई सचिव ने कहा है कि हम गौतम गंभीर को उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने तक रखेंगे। लेकिन अगर टी20 विश्व कप गंभीर को नतीजा नहीं देता है, तो मुझे लगता है कि बीसीसीआई एक बड़ा फैसला लेते हुए उन्हें रिलीज कर देगी।₹ वहीं जब उनसे पूछा गया कि गंभीर की जगह लेने के लिए कौन सा खिलाड़ी आपको फिट लगता है तो उन्होंने पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का नाम लिया। उन्होंने कहा, ₹यह प्रोसेस के जरिए होने वाली चीज होनी चाहिए। जब राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के हेड कोच थे और अगर वह कोई सीरीज मिस करते थे, तो वीवीएस लक्ष्मण प्रकृति पंसद होते थे। लक्ष्मण की कोचिंग में टीम इंडिया का जीत प्रतिशत अच्छा था।

मुझे लगता है कि बीसीसीआई को उन्हें मनाना चाहिए क्योंकि वह एक समझदार व्यक्ति और एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं। उनके पास कोचिंग का अनुभव भी है।₹ गंभीर की कोचिंग पर क्यों उठ रहे सवाल? गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया ने टी20 फॉर्मेट में जरूर अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, टेस्ट और वनडे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टीम ने उनके कार्यकाल में चैंपियंस ट्रॉफी जरूर जीती, लेकिन श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज गंवाई हैं। टीम के सीनियर खिलाड़ी चाहे रोहित शर्मा हों या विराट कोहली, उनके साथ गंभीर के खराब रिश्तों को लेकर भी खबरें सामने आईं। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन पर लिए गए उनके फैसलों पर भी सवाल उठाए गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की हार के बाद जेमिमा रोड्रिग्ज को हुआ 12 लाख रुपये का नुकसान

नई दिल्ली,, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज को डब्ल्यूपीएल 2026 में गुजरात जायंट्स के खिलाफ मिली हार के बाद 12 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. जेमिमा को ये नुकसान मैच के तुरंत बाद हुआ. दरअसल, जेमिमा को टीम की हार के साथ-साथ मैच में स्लो ओवर रेट की मार भी झेलनी पड़ी है. उस स्लो ओवर रेट के जुर्माने के तौर पर ही उनके मैच फीस से 12 लाख रुपये काटे गए हैं.

जेमिमा पर 12 लाख का जुर्माना

डब्ल्यूपीएल की ओर से इसे लेकर बयान जारी हुआ, जिसमें बताया गया कि जेमिमा रोड्रिग्ज पर स्लो ओवर रेट का जुर्माना लगाया गया है. उनकी टीम वडोदरा में गुजरात जायंट्स के

खिलाफ खेले मैच में स्लो ओवर रेट की दोषी पाई गई थी. डब्ल्यूपीएल की रिलीज में आगे कहा गया कि चूंकि ये जेमिम पहली बार स्लो ओवर रेट की दोषी रही हैं, इसलिए उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा.

दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें बढ़ी

27 जनवरी को खेले मुकाबले में गुजरात जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 3 रन से हराया. इस बार भी दि ल ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात की टीम ने अपनी जीत की कहानी आखिरी ओवर में लिखी. ये दिल्ली की 7 मैचों में चौथी हार है, जिसके बाद उसका लीग में ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो गया है.

1 फरवरी को नॉकआउट खेलेगी दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली कैपिटल्स को लीग स्टेज का आखिरी मैच यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ 1 फरवरी को खेलना है, जो कि उसके लिए एक नॉक आउट मुकाबला होगा. दिल्ली कैपिटल्स को लीग स्टेज से आगे बढना है तो फिर उसे यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ अपना मुकाबला हर हाल में जीतना होगा.

जेमिमा ने नॉकआउट मुकाबले पर क्या कहा?

जेमिमा ने 1 फरवरी को होने वाले दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले को लेकर कहा कि वो उस मुकाबले की अहमियत समझती है. वो बेहद महत्वपूर्ण मैच रहने वाला है. उन्होंने कहा कि हम अभी भी रेस में बरकरार हैं और हम लड़ेंगे.

अशिमता चालिहा ने थाईलैंड मास्टर्स में बिखेरा जलवा

महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहुंचीं

बैंकॉक, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की अशिमता चालिहा ने दो कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। गुवाहाटी की 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो सेलंगोर में आयोजित 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं, ने क्वालिफिकेशन के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट चले मुकाबले में 21-15, 12-21, 21-12 से हराया।

इसके बाद अशिमता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से जीत हासिल की। मुख्य ड्रॉ में अशिमता

का सामना अब साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। अन्य मुकाबलों में, श्रेया लेले को क्वालीफिकेशन दौर में इंडोनेशिया की नी कादेक धिंदा अमर्त्या प्रतिवी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिक्स्ड डबल्स क्वालिफिकेशन में एम जगलान और एल जगलान की जोड़ी को चीनी ताइपे के बो-युआन चेन और सुंग यी-शुआन ने एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-8 से पराजित किया।

पुरुष युगल में पी कृष्णमूर्ति रॉय और एस प्रथीक के की जोड़ी मलयेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी एन अजरीन और टैन डब्ल्यू के से 20-22, 20-22 से हार गई। वहीं महिला युगल में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम की जोड़ी को इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी एफ कुसुमा और एम पुस्पितासारी से 33 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी।

टी20 विश्व कप से पहले पीसीबी के विरोध में खड़े हुए पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स, आईसीसी से पंगा लेने पर दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने के बाद पीसीबी ने आईसीसी को धमकी दी थी. उन्होंने टूर्नामेंट को बायकॉट करने की बात कही थी. टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले ये विवाद काफी चर्चा का विषय बना है. हर कोई पीसीबी की आलोचना कर रहा है और अब पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स भी उनके विरोध में खड़े हुए हैं. उन्हें लगता है कि आईसीसी से पंगा पाकिस्तान को महंगा पड़ सकता है. मोहम्मद हफीज, इंजमाम उल हक समेत कई बड़े नाम पीसीबी के बायकॉट करने की धमकी से खुश नहीं हैं.

पीसीबी के विरोध में खड़े हुए पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने पीसीबी के फैसले का विरोध किया है. वो

चाहते हैं कि टीम वर्ल्ड कप के लिए जाए. पीसीबी के पूर्व सचिव आरिफ अली अब्बासी ने भी कहा, 'मैं समझ सकता हूं कि पाकिस्तान, बांग्लादेश का सपोर्ट कर रहा है लेकिन पीसीबी को अपनी टीम नहीं भेजने से क्या मिलेगा. वो सिर्फ पीसीबी और बोर्ड मेंबर्स के साथ अपने रिश्ते खराब कर लेंगे. श्रीलंका के साथ रिश्तों का क्या? श्रीलंका को नुकसान होगा, अगर पाकिस्तान के मैच वहां नहीं होंगे.'

पीसीबी के पूर्व चेयरमैन खालिद महमूद की भी प्रतिक्रिया सामने आई. उन्होंने कहा, 'हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि किसी क्रिकेट बोर्ड ने भारत से मैच बाहर कराने की बात पर बांग्लादेश का सपोर्ट नहीं किया था. मैं बांग्लादेश बोर्ड द्वारा लिए गए फैसले को समझ सकता हूं लेकिन किसी ने उनका सपोर्ट नहीं किया.'

'हमारे क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है'

आईसीस से पंगे के मामले में पाकिस्तान के पूर्व चीफ सिलेक्टर और हेड कोच मोहसिन खान ने कहा, 'हमें भारत से दिक्कत है लेकिन हम हमारे मैच श्रीलंका में खेल रहे हैं. ऐसे में पीसीबी किस कारण से टीम को वर्ल्ड कप के लिए नहीं भेजेगी. ये हमारे क्रिकेट के लिए खराब रहेगा.'

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा, 'मैं निजी तौर पर पाकिस्तान को वर्ल्ड कप में हिस्सा लेते हुए देखना चाहता हूं. हमारे पास कुछ अच्छे खिलाड़ी है और हमें अपने बड़े इवेंट में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है.' पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर हारुन रशीद ने भी पीसीबी को नसीहत दी और कहा, 'हमने बांग्लादेश को सपोर्ट किया, जो अच्छी बात है. हमने सही किया लेकिन अब हमें अपने क्रिकेट को भी ध्यान में रखना होगा.'

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर : वर्ल्ड नंबर-2 इगा स्वियातेक को एलेना राइबाकिना ने हराकर किया बाहर

मेलबर्न, 28 जनवरी (एजेंसियां)। साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला. पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना राइबाकिना ने दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक को चौंकाते हुए बुधवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली. पोलैंड की स्टार के करियर ग्रैंड स्लैम जीतने के की उम्मीदों को करारा झटका लगा. मास्को में जन्मी कजाख खिलाड़ी ने शुरुआती सर्विस की दिक्कतों से उबरते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराया. अब फाइनल में पहुंचने के लिए उनका मुकाबला जेसिका पेगुला या अमांडा अनीसिमोवा से होगा.

राइबाकिना इससे पहले 2023 में मेलबर्न फाइनल में पहुंची थीं,

जहां उन्हें आर्यना सबालेंका के खिलाफ तीन कड़े सेटों में हार मिली थी.

इसके बाद से वह मेलबर्न में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थीं. लेकिन 2022 की विंबलडन चैंपियन राइबाकिना हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रही हैं. उन्होंने पिछले 19 मैचों में से 18 में जीत दर्ज की है और इस महीने ब्रिस्बेन क्वार्टर फाइनल में ही उन्हें एकमात्र हार मिली थी. अब वह अपने करियर के चौथे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल और 2024 विंबलडन के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं.

26 साल की राइबाकिना ने कहा, "इस जीत से मैं बहुत खुश हूं.

हम एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं और मैं बस आक्रामक खेलने की कोशिश कर रही थी. मुझे लगता है कि पहले सेट में दोनों के लिए पहली सर्विस ज्यादा काम नहीं कर रही थी, तो हम दोनों दूसरी सर्विस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे. दूसरे सेट में मैंने ज्यादा खुलकर खेलना शुरू किया और सर्विस भी बेहतर रही."

इस हार से स्वियातेक का करियर ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना टूट गया. उन्होंने चार बार फ्रेंच ओपन, एक बार यूएस ओपन और एक बार विंबलडन जीता है, लेकिन मेलबर्न पार्क में खिताब अभी भी उनके नाम नहीं है. स्वियातेक और राइबाकिना इससे पहले 11 बार आमने-सामने हो चुकी हैं, जिसमें पांच मुकाबले पिछले सीजन में हुए थे.

राहुल द्रविड़ ने बताया क्यों घर में लगातार टेस्ट सीरीज हार रही है टीम इंडिया, कप्तान गिल का किया सपोर्ट

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 में 3-0 से घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज हार गई. जिसके बाद साल 2025 में भी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत को 2-0 से टेस्ट सीरीज हरा दिया. इन दोनों सीरीज हार के साथ ही घरेलू मैदान पर भारत की बादशाहत भी खत्म हो गई. सभी फैंस इस हार से बहुत ज्यादा नाराज हैं. टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में शर्मनाक प्रदर्शन के पीछे का कारण बताया है. इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि कैसे किस्मत बदल सकती है. गौतम गंभीर जब से टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं, तभी से ही टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा है. खासकर घरेलू मैदानों पर तो टीम इंडिया ने शर्मनाक प्रदर्शन किया है. जिसके कारण ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी जगह बनानी मुश्किल हो रही है.

बेंगलुरु के एक इवेंट में द्रविड़ ने इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा, 'एक कोच के रूप में जो बात मुझे समझ आई कि जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट खेलते हैं वे एक फॉर्मेट से दूसरे में लगातार सक्रिय रहते हैं. ऐसा देखा गया है कि हमारे पास टेस्ट मैच से पहले सिर्फ 3 से 4 दिन का समय रहता है और तब हम टेस्ट की प्रैक्टिस शुरू करते हैं. फिर पलटकर देखने पर लगता है कि इन खिलाड़ियों ने इससे पहले आखिरी बार 4 या 5 महीने पहले लाल गेंद का सामना किया था. यह एक चुनौती है. टेस्ट मैच में स्पिन लेती पिच या सीम वाली पिच पर घंटों तक खेलना आसान नहीं होता है. इसके लिए काबिलियत चाहिए होती है.'

कप्तान शुभमन गिल ने कुछ समय पहले बीसीसीआई से टेस्ट सीरीज से पहले खास तैयारी की मांग की थी. जिससे अब राहुल द्रविड़ भी सहमत नजर आ रहे हैं. जिसके बारे में उन्होंने इवेंट में कहा, 'मेरी पीढ़ी में सिर्फ 2 ही फॉर्मेट हुआ करते थे. तब फ्रेंचाइजी क्रिकेट नहीं था. उस समय टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए 1 महीना मिल जाता था. मैं लाल गेंद खेल सकता था और अपनी क्षमता बढ़ा सकता था. अब लाल गेंद क्रिकेट में यह मुश्किल हो गई कि सभी तीनों फॉर्मेट खेलने वाले हमारे खिलाड़ियों के पास प्रैक्टिस का वक्त तक नहीं होता है. शुभमन ने इस तरफ ध्यान खींचा है.'

हैरी ब्रूक का रिकॉर्ड शतक, जो रूट का जलवा

इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर 2-1 से जीती वनडे सीरीज

कोलंबो, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे में इतिहास रच दिया। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ब्रूक की तूफानी शतकीय पारी और जो रूट के अनुभव ने इंग्लैंड को 53 रन की शानदार जीत दिलाते हुए सीरीज 2-1 से अपने नाम करा दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत लड़खड़ाई। सलामी बल्लेबाज रेहान अहमद (24) और बेन डकेट (7) जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद जो रूट और जैकब बेथेल ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 126 रन की अहम साझेदारी की। बेथेल 65 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रूट ने एक छोर संभाले रखा। इसके बाद मैदान पर कप्तान हैरी ब्रूक का तूफान देखने को मिला। ब्रूक ने मात्र 66 गेंदों में नाबाद 136 रन ठोक दिए, जिसमें 11 चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। उन्होंने सिर्फ 57 गेंदों में शतक पूरा कर इंग्लैंड बनाम श्रीलंका वनडे इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ दिया। इस दौरान उन्होंने जोस बटलर और कुमार संगकारा के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। रूट और ब्रूक के बीच चौथे विकेट के लिए 191 रन की अटूट साझेदारी हुई। जो रूट ने 108 गेंदों में नाबाद 111 रन बनाए, जो उनके वनडे करियर का 20वां शतक था। इन दोनों की बदौलत इंग्लैंड ने 50 ओवर में तीन विकेट पर 357 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

अभिषेक शर्मा लगातार 6 महीने से टी-20 के टॉप बैटर

कप्तान सूर्या की एक महीने बाद टॉप-10 में वापसी

ऑलराउंडर्स में हार्दिक तीसरे नंबर पर

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा आईसीसी की रैंकिंग में लगातार छह महीने से नंबर वन बैटर बने हुए हैं। बुधवार को जारी रैंकिंग में 929 अंकों के साथ वह नंबर वन पर हैं। अभिषेक पहली बार 30 जुलाई 2025 को नंबर–1 बैटर बने थे।

अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज के पहले मैच में 84 और तीसरे 68* रन की पारी खेली थी। वहीं, टीम इंडिया के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक बार फिर टॉप-10 में जगह बना ली है। इस हफ्ते उन्हें पांच स्थान का फायदा मिला है। वह 717 रेटिंग अंकों के साथ सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सूर्या दिसंबर पर टॉप–10 से बाहर हुए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पिछले दो मैचों में सूर्या ने लगातार दो अर्धशतक

लगाए थे और दोनों मैच में नाबाद रहे।

भारत के तिलक वर्मा 781 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से ठीक 10 दिन पहले यह भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है, जिससे टीम इंडिया को बड़ा मनोबल मिला है।

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। तीसरे टी-20 मुकाबले में कीवी टीम के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद बुमराह अब 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, वरुण चक्रवर्ती पहले दो मैचों में कुल तीन विकेट लेकर रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं।

टी-20 ऑलराउंडर्स रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों को भी फायदा हुआ है। हार्दिक पांड्या एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि शिवम दुबे ने छह पायदान की बढ़त के साथ 11वां स्थान हासिल किया है। इस लिस्ट में जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा टॉप पर बरकरार हैं।

मेडारम जातरा

रिकॉर्ड भीड़ के लिए स्थायी ढांचे और व्यापक विकास

केवल मंदिरों के विस्तार पर ही 101 करोड़ रुपए खर्च

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माघ पूर्णिमा के अवसर पर हर दो वर्ष में आयोजित होने वाला मेडारम मेला, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु शामिल होते हैं, इस बार नवीनीकरण कार्यों के कारण और भी अधिक महत्व प्राप्त कर गया है। पिछले वर्षों में जहां हर मेले के लिए अस्थायी व्यवस्थाएं की जाती थीं, वहीं इस बार मंदिरों का पूर्ण रूप से पत्थर के स्थायी ढांचों से पुनर्निर्माण किया गया है, जो सैकड़ों वर्षों तक टिकेंगे।

सरकार ने ये कार्य आदिवासी परंपराओं के अनुरूप तथा आदिवासी बुजुर्गों और पुजारियों के संघ की पूर्ण सहमति से शुरू किए हैं। केवल मंदिरों के विस्तार पर ही 101 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। मंदिर परिसर को ऐतिहासिक स्मारकों की तर्ज पर लगभग 4,000 टन ग्रेनाइट से निर्मित किया गया है। मुख्य आकर्षणों में 271 वर्ग मीटर क्षेत्र का प्राकारम जिसमें 46 स्तंभ हैं, 8 स्तंभों वाला गोल गड्डे तथा 50 फीट चौड़ा मुख्य स्वागत द्वार शामिल हैं।

मेडारम गड्डे के चारों ओर बनाए जा रहे 32 ग्रेनाइट स्तंभों पर आदिवासी संस्कृति, परंपराएं, जीवनशैली और कोया कबीले का इतिहास मूर्तियों के रूप में उकेरा गया है। 930 वर्ष पुराने कोयाला ताड़पत्र ग्रंथों पर आधारित ये शिल्प विशेष आकर्षण हैं। सम्मक्का, सरालम्मा, पगिद्दिद्दा राजा, गोविंदराजु, जंपन्ना के साथ-साथ बाघ, हिरण, हाथी और मोर जैसे जंगली जानवरों की प्रतिकृतियां भी उकेरी गई हैं, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहने वाले आदिवासियों के जीवन को दर्शाती हैं। भविष्य की पीढ़ियों को आदिवासी इतिहास से अवगत कराने के लिए लगभग 750 कोया परिवारों के नाम और 7,000 से अधिक मूर्तियों को डिजाइन किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सड़कों को 60 फीट से बढ़ाकर चार लेन किया गया है। वैज्ञानिक पद्धति से कतारें, वॉच टावर और सराय बनाए गए हैं। 42 स्थानों पर 1,418 एकड़ क्षेत्र में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस बीच, मेमेडारम जाने वाले सभी मार्ग वाहनों और श्रद्धालुओं के टेंटों से भरे हुए हैं। विशेष रूप से तडवई मंडल पिछले एक महीने से भीड़भाड़ वाला हो गया है। मेले के मुख्य मार्ग शुरू होने के साथ ही मेदाराम में भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। पिछली बार जहां लगभग दो करोड़ श्रद्धालु आए थे, वहीं इस बार तीन करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है। अधिकारियों का अनुमान है कि पिछले महीने से अब तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु सम्मक्का सरालम्मा के दर्शन कर चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार पहले दिन 30 से 40 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसी को देखते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कुल 21 विभागों के समन्वय से 42,027 अधिकारी और कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात हैं। मेले के क्षेत्र को 8 जोन और 42 सेक्टरों में विभाजित किया गया है और विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। सभी सेक्टरों में वॉकी-टॉकी की व्यवस्था की गई है जिससे समन्वय में कोई कठिनाई न हो। चिकित्सा सेवाओं के लिए 108 एंबुलेंस, बाइक एंबुलेंस और मेडिकल कैंप लगाए गए हैं।

ओबीसी ने केंद्र से आबादी के आधार पर बजट आवंटन की मांग की

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आरक्षण संघर्ष समन्वय जेएसी ने मांग की है कि आगामी केंद्रीय बजट में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आबादी के अनुपात में धन आवंटित किया जाए। प्रो. भागय्या की अध्यक्षता में हुई बैठक में, नेशनल बीसी दल अध्यक्ष और जेएसी चेयरमैन डुंड्रा कुमार स्वामी ने कहा कि ओबीसी मुद्दों की लगातार उपेक्षा भारत के सामाजिक न्याय ढांचे में गंभीर अंतर को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 1 फरवरी को निर्धारित केंद्रीय बजट के मद्देनजर यह समय लंबित असमानताओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण है। बैठक में विभिन्न बीसी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें गडापा श्रीहरी (गंगापुत्र संघम), के.पी. मुरलीकृष्ण (तेलंगाना बीसी जागृति), डुडिगामा लिंगम (राजका संघम) और अन्य कई बीसी नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। स्वामी ने कहा कि ओबीसी आबादी का बहुमत होने के बावजूद, स्वतंत्रता के 77 वर्षों बाद भी वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर बने हुए हैं।

उन्होंने ओबीसी कल्याण के लिए समर्पित केंद्रीय मंत्रालय के अभाव को संस्थागत उपेक्षा का प्रमाण बताया। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा और रोजगार में आरक्षण को जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं के अनुसार अद्यतन नहीं किया गया है और ओबीसी आरक्षण के लिए वैधानिक और संवैधानिक सुरक्षा की मांग की। "यदि बहुसंख्यक को न्याय नहीं मिलता तो लोकतंत्र स्थिर नहीं रह सकता," स्वामी ने कहा और आगामी बजट में ओबीसी के लिए 'सार्थक बजटीय और नीति संबंधी उपायों' की घोषणा करने के लिए केंद्र से आग्रह किया।

दलबदल का मामला: विधायक दानम को स्पीकर का नोटिस

30 जनवरी को सुनवाई के लिए उपस्थित होना होगा

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार ने बुधवार को खैराताबाद विधायक दानम नागेंद्र को विधायक दलबदल मामले में नोटिस जारी किया। नोटिस में कहा गया है कि दानम नागेंद्र को 30 जनवरी को सुनवाई के लिए उपस्थित होना होगा। इसी तरह, स्पीकर ने बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी और भाजपा विधायक महेश्वर रेड्डी को भी नोटिस जारी किया, जिन्होंने दानम नागेंद्र के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी। दोनों को भी उसी दिन पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। दल बदल मामले में कुल 10 विधायकों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई थीं, लेकिन स्पीकर ने अरिकापुडी गांधी, गुडेम महिपाल रेड्डी, बंडला कृष्ण मोहन, प्रकाश गौड़, टेल्लम वेंकट राव, पोच्चरम श्रीनिवास रेड्डी और काले यदिया को क्लीन चिट दी है। उन्हें बीआरएस विधायक के रूप में मान्यता दी गई है। हालांकि, दानम नागेंद्र, कादियाम श्रीहरि और डॉ. संजय के मामले में स्पीकर ने अभी तक जांच नहीं की है। दानम नागेंद्र, बीआरएस विधायक बने रहने के दौरान, 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी के बी-फॉर्म पर सांसद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े। यह इस बात का मजबूत प्रमाण है कि उन्होंने अपनी पार्टी से दलबदल किया। इस संदर्भ में यह देखना रोचक होगा कि स्पीकर दानम नागेंद्र के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे। अटकलें हैं कि दानम नागेंद्र स्पीकर द्वारा किसी कार्रवाई से पहले अपने विधायक पद से इस्तीफा देने और उपचुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी को विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय में देरी के लिए स्पीकर को अवमानना नोटिस जारी किया। बेंच ने चेतावनी दी कि यदि इन याचिकाओं पर कार्रवाई नहीं की गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संदर्भ में, विधायक दानम नागेंद्र को नोटिस जारी करना स्पीकर की ओर से महत्वपूर्ण कदम बन गया है।

बच्ची को आवारा कुत्ते के काटने पर जीएचएमसी हरकत में , 11 कुत्ते पकड़े गए

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद में एक पांच साल की बच्ची को आवारा कुत्ता काटने के बाद जीएचएमसी हरकत में आ गई। गौरतलब है कि पांच साल की पी. शार्वी, पुत्री पी. मल्लीखरजुन, निवासी श्रीनिवासनगर, बडा गणेश, खैराताबाद, को बीती 27 जनवरी को लगभग सुबह 10 बजे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया, जिसके परिणामस्वरूप उसके चेहरे पर गहरी कट लगी। सूचना मिलते ही, खैराताबाद ज़ोन, जीएचएमसी के डिप्टी डायरेक्टर (वेटरनरी), असिस्टेंट डायरेक्टर (वेटरनरी) और वेटरनरी अधिकारी तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। कुत्ता पकड़ने वाली टीमों को तैनात किया गया और कुल ग्यारह (11) आवारा कुत्तों को पकड़ा गया, जिनमें घटना में शामिल कुत्ता भी शामिल था।

पकड़े गए सभी कुत्ते नसबंदी किए हुए पाए गए। इसके बाद, अधिकारियों ने रेनबो हॉस्पिटल, रोड नं. 2, बंजारा हिल्स का दौरा किया, जहाँ बच्ची का उपचार चल रहा था। अधिकारियों ने पीड़ित के पिता से मुलाकात की और बच्ची की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। पीड़ित के पिता के अनुसार, बच्ची की स्थिति स्थिर है, उसे एंटी-रेबीज वैक्सीन दी जा चुकी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.